TOP SELLING TGT PRACTICE SETS

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा
चयन बोर्ड द्वारा आयोजित

TGT

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक भर्ती परीक्षा – 2022

Most Updated Book!
UP TGT के सभी नवीनतम पेपर्स इस पुस्तक में शामिल हैं।

सामाजिक विज्ञान

15 सॉल्व्ड प्रैक्टिस सेट्स एवं 04 सॉल्व्ड पेपर्स

(2021, 2019, 2013, 2011)

Code	Price	Pages
CB983	₹ 449	538

विषय-सूची

Student's Corner

पृष्ठ संख्या

- ⊙ **Agrawal Examcart Help Centre** — iv
- ⊙ **Best Strategy** परीक्षा की तैयारी करने का सही तरीका! — v
- ⊙ **Current Affairs!** की 100% सटीक तैयारी कैसे करें ? — vi
- ⊙ **Student's Corner** — vii
- ⊙ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा पाठ्यक्रम — ix

सॉल्व्ड पेपर्स

- ☆ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा—2021 (सामाजिक विज्ञान), हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि : 8 अगस्त, 2021) — 1-43
- ☆ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा—2016 (सामाजिक विज्ञान), हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि : 8 मार्च, 2019) — 1-25
- ☆ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा—2013 (सामाजिक विज्ञान), हल प्रश्न-पत्र — 26-49
- ☆ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा—2011 (सामाजिक विज्ञान), हल प्रश्न-पत्र — 50-72

प्रैक्टिस सेट्स 1-415

- ➢ प्रैक्टिस सेट - 1 — 1-28
- ➢ प्रैक्टिस सेट - 2 — 29-57
- ➢ प्रैक्टिस सेट - 3 — 58-85
- ➢ प्रैक्टिस सेट - 4 — 86-111
- ➢ प्रैक्टिस सेट - 5 — 112-138
- ➢ प्रैक्टिस सेट - 6 — 139-168
- ➢ प्रैक्टिस सेट - 7 — 169-195
- ➢ प्रैक्टिस सेट - 8 — 196-224
- ➢ प्रैक्टिस सेट - 9 — 225-250
- ➢ प्रैक्टिस सेट - 10 — 251-279
- ➢ प्रैक्टिस सेट - 11 — 280-305
- ➢ प्रैक्टिस सेट - 12 — 306-331
- ➢ प्रैक्टिस सेट - 13 — 332-359
- ➢ प्रैक्टिस सेट - 14 — 360-386
- ➢ प्रैक्टिस सेट - 15 — 387-415

प्रैक्टिस सेट–3

भाग–I (Part-I)

निर्देश–भाग–1 में चार प्रश्न **1.(i), 1.(ii), 1.(iii) और 1.(iv)** अभ्यर्थी को इनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना है–

1.(i) ऋग्वेद है–

(A) स्रोतों का संकलन
(B) कथाओं का संकलन
(C) शब्दों का संकलन
(D) युद्ध का ग्रन्थ

1.(ii) अफ्रीका की मरुस्थलीय स्थलाकृतियों का अध्ययन किसने किया था?

(A) डेविस (B) एल. सी. किंग
(C) जे. वाल्टर (D) पसर्गे

1.(iii) ''प्रथम राजा एक भाग्यशाली योद्धा था।'' यह कथन किसका है?

(A) जेन्क्स (B) जेम्स प्रथम
(C) वाल्टेयर (D) लीकॉक

1.(iv) परम्परावादी अर्थशास्त्रियों ने मुद्रा की निम्न भूमिका पर केन्द्रित किया–

(A) विनिमय का माध्यम
(B) वितरण का माध्यम
(C) धन–सम्पत्ति
(D) वर्तमान एवं भविष्य के बीच की कड़ी

भाग–II (Part-II)

निर्देश–भाग–2 में चार खण्ड–I (Section-I), खण्ड–II (Section-II), खण्ड–III (Section-III), खण्ड–IV (Section-IV) हैं। अभ्यर्थी को इन चार खण्डों में से किन्हीं दो खण्डों के ही उत्तर देने हैं।

खण्ड–I इतिहास

2. निम्नलिखित में से कौन–से, भारत छोड़ो आन्दोलन के प्रमुख चरणों को निरूपित करते हैं?

1. हड़तालें, बहिष्कार एवं नगरीय केन्द्रों पर धरने
2. औपनिवेशिक शासन तथा सत्ता के अनेक प्रतीकों और साधनों यथा रेलवे, टेलीग्राफ लाइनों एवं सरकारी भवनों पर ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक हमले
3. होमरूल लोगों का गठन
4. 'कर्नाटक पद्धति'

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1 और 2 (B) 2, 3 और 4
(C) 1, 2 और 4 (D) 1 और 4

3. भारतीय संगीत का आदिग्रन्थ कहा जाता है–

(A) ऋग्वेद (B) उपनिषद्
(C) यजुर्वेद (D) सामवेद

4. सिन्धु सभ्यता (Indus Civilization) का नगर लोथल कहाँ है?

(A) गुजरात (B) राजस्थान
(C) पंजाब (D) हरियाणा

5. बौद्ध संघ के नियम मूलतः किस पुस्तक में दिए गए हैं?

(A) त्रिपिटक (B) विनयपिटक
(C) अभिधम्मपिटक (D) सुत्तपिटक

6. माध्यमिका दर्शन के प्रणेता थे–

(A) भद्रबाहु (B) पार्श्वनाथ
(C) शीलभद्र (D) नागार्जुन

7. वेदांग के अन्तर्गत निम्नलिखित आते हैं–

(A) कल्प, शिक्षा, निरुक्त, व्याकरण, छन्द, ज्योतिष
(B) कल्प, शिक्षा, ब्राह्मण, व्याकरण, छन्द, ज्योतिष
(C) कल्प, शिक्षा निरुक्त, आरण्यक, छन्द, ज्योतिष
(D) कल्प, उपनिषद्, निरुक्त, व्याकरण, छन्द,

8. निम्नलिखित में से किसने जैन धर्म को मैसूर से निकाल दिया था?

(A) नयनार (B) लिंगायत
(C) अलवार (D) शंकराचार्य

9. भारत के किसी प्रदेश पर अधिकार करने वाला पहला फारसी (Persian) शासक कौन था?

(A) साइरस (B) डेरियस प्रथम
(C) केम्बेसिस (D) जरक्सीज

10. सिकन्दर और पोरस के बीच युद्ध इस नदी के तट पर हुआ–

(A) सतजल (B) रावी
(C) झेलम (D) गंगा

11. भारत में 'सम्वतों का सही कालानुक्रम' (Chronological Order) क्या है?

(A) गुप्त–हर्ष–विक्रम–शक
(B) विक्रम–हर्ष–गुप्त–शक
(C) गुप्त–शक–विक्रम–हर्ष
(D) विक्रम–शक–गुप्त–हर्ष

12. बिन्दुसार के दरबार में कौन राजदूत (Ambassasor) था?

(A) मैकियावेली (B) मेगस्थनीज
(C) डायमेकस (D) एन्टियोकस प्रथम

13. अशोक के निम्न में से किस शिलालेख (Inscriptions) में एक ग्राम के भू–राजस्व में रियायत का उल्लेख है?

(A) लुम्बिनी का स्तम्भलेख
(B) सारनाथ का स्तम्भलेख
(C) गिरिनार का शिलालेख
(D) साँची का स्तम्भलेख

14. निरवसित (Excluded) और अनिरवसित (Not excluded) शूद्रों का इसमें उल्लेख हुआ है–
(A) यास्क के निरूक्त में
(B) पाणिनि की अष्टाध्यायी में
(C) कौटिल्य के अर्थशास्त्र में
(D) उपरोक्त में से किसी में नहीं

15. तमिल में महाभारत के सर्वप्रथम अनुवादक (Translator) थे–
(A) पेरुदेवनार (B) भंबन
(C) सुन्दरमूर्ति (D) भारवि

16. सातवाहन वंश का संस्थापक था–
(A) शातकर्णि प्रथम (B) सिमुक
(C) शातकर्णि द्वितीय (D) रुद्रदामन प्रथम

17. संगम तमिलों का प्राचीनतम 'उपलब्ध' ग्रन्थ है–
(A) प्रट्टिनप्पालै (B) तिरुमुरुगारुण्पड़ै
(C) मदुरैकांची (D) तोलकाप्पियम

18. गहड़वाल वंश का संस्थापक कौन था जिसने कन्नौज को अपनी शक्ति का प्रमुख केन्द्र बनाया?
(A) जयचन्द्र (B) विजयचन्द्र
(C) चन्द्रदेव (D) गोविन्द

19. गुप्तोत्तर काल के निम्नलिखित में से किस न्यायवेत्ता ने घोषित किया कि शूद्र प्रकृति से दास नहीं हैं?
(A) मेधातिथि (B) विज्ञानेश्वर
(C) नारद (D) जीमूतवाहन

20. पृथ्वीराज चौहान के विरुद्ध मुहम्मद गौरी के आक्रमण के समय कन्नौज पर निम्नलिखित में से किस वंश का शासन था?
(A) चन्देल (B) प्रतिहार
(C) पाल (D) गहड़वाल

21. चोल काल में निम्नलिखित में से कौन–सा कर शैक्षणिक उद्देश्य के लिए था?
(A) देवदान (B) निजी
(C) ब्रह्मदेव (D) सर्वमान्य

22. चोल शासकों ने इस उद्देश्य से भूमि का विस्तृत मापन (सर्वे) कराया–
(A) स्वामित्व का अधिकार निश्चित करने हेतु
(B) सरकार के राजस्व भाग को निश्चित करने हेतु
(C) अनाज का उत्पादन
(D) सिंचाई के स्रोतों की सीमा

23. मुहम्मद बिन तुगलक के समय किसे चीन का राजदूत नियुक्त किया गया?
(A) बरबोसा (B) बरनी
(C) इब्नबतूता (D) अब्दुर्रज्जाक

24. निम्नलिखित में से किसने पंजाब के लिए कुतुबुद्दीन ऐबक से संघर्ष किया?
(A) इख्तियारुद्दीन
(B) ताजुद्दीन यल्दौज
(C) नासिरुद्दीन कुबाचा
(D) इनमें से कोई नहीं

25. अमीर खुसरो निम्नलिखित में से किन पुस्तकों का रचयिता था?
(A) आशिका, किरानउस्सादैन, खजाइनफुतूह
(B) किरानुस्सादैन, आशिका, तारीख–ए–मुकारकशाही
(C) खजाइनुलपुफतूह, तारीख–ए–मुबारकशाही, आशिका
(D) तारीख–ए–मुबारकशाही, नूर–ए–सिपहर, आशिका

26. तबकाते–ए–नासिरी का लेखक था–
(A) बरनी (B) निजामुद्दीन
(C) मिनहाज–उस–सिराज (D) इसामी

27. रैदास, सेना और कबीर किसके अनुयायी थे?
(A) नामदेव (B) रामानुज
(C) वल्लभाचार्य (D) रामानन्द

28. मुस्लिम साहित्य की परम्परा के बारे में राय भारमल ने किस भाषा में लिखा?
(A) फारसी (B) संस्कृत
(C) अरबी (D) तुर्की

29. दक्षिण भारत में किसने स्वतंत्र बहमनी राज्य की स्थापना की?
(A) अबू मुजफ्फर अलाउद्दीन बहमनी शाह
(B) मुजाहिद शाह
(C) मुहम्मद शाह प्रथम
(D) आदिल शाह

30. 'कानून–ए–हुमायूँनी' किसके द्वारा लिखी गई?
(A) गुलबदन बेगम (B) बीर बिनोद
(C) ख्वांदमीर (D) निजामुद्दीन

31. मालवा के स्वतन्त्र मुस्लिम राज्य की स्थापना किसने की थी?
(A) होशंगशाह (B) महमूदशाह
(C) नासिरुद्दीन (D) दिलावर खान

32. शेरशाह सूरी के बारे में कौन–सा कथन सत्य है?
(A) वह एक धर्मांध (Finatic) मुसलमान था।
(B) वह एक पक्का मुसलमान था, किन्तु धर्मांध नहीं था।
(C) वह पक्का मुसलमान था और हिन्दुओं से दुर्व्यवहार करता था।
(D) वह दूसरे धर्मों के प्रति सहिष्णु (Intolerant) नहीं था।

33. अकबर के शासनकाल में निम्नलिखित में से कौन वजीर के रूप में नियुक्त नहीं था?
(A) महादुरखां उजबेग
(B) शम्सुद्दीन अतकाखां
(C) टोडरमल
(D) निजामुद्दीन खलीफा

34. हिन्दुओं के प्रति अकबर की नीति के बारे में कौन–सा कथन सत्य है ?
(A) उसने तीर्थयात्रा कर (Pilgrim tax) हटाया किन्तु जजिया नहीं
(B) उसने जजिया कर हटाया किन्तु तीर्थयात्रा कर नहीं
(C) उसने जजिया और तीर्थयात्रा कर दोनों हटाए
(D) उसने न जजिया हटाया और न तीर्थयात्रा कर

35. शिवाजी के राजतिलक के समय कौन जीवित नहीं था?
(A) गंगा भट्ट
(B) तुकाराम (1608, 1650)
(C) रामदास (1606, 82)
(D) दादाजी कोंडदेव (1647)

36. मुगल काल में नीचे लिखे किस विद्रोह की जड़ में कृषकों की समस्या थी?
(A) राजपूत विद्रोह
(B) सतनामी और जाट विद्रोह
(C) सिख विद्रोह
(D) मराठा विद्रोह

37. मीर सैयद अली है अब्दुस्समद इनके समय दरबारी चित्रकार थे–
(A) हुमायूँ, अकबर (B) अकबर, जहांगीर
(C) जहाँगीर, शाहजहाँ (D) शाहजहाँ, औरंगजेब

38. फ्रेंच ईस्ट इण्डिया कम्पनी की स्थापना इस साल हुई–
(A) 1664 ई. (B) 1660 ई.
(C) 1656 ई. (D) 1680 ई.

39. हड़प के सिद्धान्त के अन्तर्गत डलहौजी द्वारा निम्नलिखित में से किस राज्य को ब्रिटिश साम्राज्य में शामिल नहीं किया गया था?
(A) बघाट (B) नागपुर
(C) सम्बलपुर (D) बनारस

40. श्रीरंगपट्टनम की सन्धि इस साल हुई–
(A) 1791 (B) 1792
(C) 1792 (D) 1794

41. कार्नवालिस ने टीपू सुल्तान के विरुद्ध जो त्रिदलीय गुट बनाया था उसमें ये थे–
(A) अंग्रेज, निजाम और मराठे
(B) अंग्रेज, निजाम और अवध
(C) अंग्रेज, निजाम और कर्नाटक
(D) अंग्रेज, मराठे और कर्नाटक

42. निम्नलिखित में से कौन–सा विद्रोह सिद्धू और कान्हू से संबंधित था?

(A) मुण्डा विद्रोह (Munda Rebellion)

(B) कोल विद्रोह (Kole Rebellion)

(C) संथाल विद्रोह (Santhal Rebellion)

(D) भील विद्रोह (Bhil Rebellion)

43. भारत में ब्रिटिश शासन के अन्तर्गत ग्रामीण ऋणग्रस्तता (Rural Indebtedness) की क्रमिक वृद्धि का कारण था–

1. भूमि जोत का विखण्डन

2. कुटीर उद्योगों का पतन

3. सिंचाई सुविधाओं के विकास का अभाव

4. नकदी फसलों का चलन

उपर्युक्त में से कौन–सा सही है?

(A) 1, 2 और 3 (B) 2 और 4

(C) 1, 3 और 4 (D) 1, 2, 3, और 4

44. द्वितीय बर्मा युद्ध निम्नलिखित वर्ष में लड़ा गया–

(A) 1849 (B) 1850

(C) 1851 (D) 1852

45. निम्नलिखित में से कौन–सा ब्रिटिश अधिकारी अवध को ब्रिटिश साम्राज्य में शामिल किए जाने के पक्ष में नहीं था?

(A) औट्रम (B) ऑकलैण्ड

(C) ह्यूरोज (D) स्लीमन

46. निम्नलिखित अधिकारी का संबंध ठगी के दमन से था–

(A) हेस्टिंग्स (B) स्लीमेन

(C) बैटिंक (D) ऑकलैण्ड

47. कोलकाता में एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल की स्थापना इन्होंने की–

(A) राजा राममोहन राय

(B) सर विलियम जोन्स

(C) वारेन हेस्टिंग

(D) केशवचन्द्र सेन

48. रामकृष्ण मिशन के बारे में कौन–सा कथन गलत है?

(A) वह शुद्ध वैदिक सिद्धान्त को मानता था।

(B) उसका उद्देश्य मनुष्य का उच्चतम आध्यात्मिक विकास था।

(C) वह मूर्तिपूजा (Worship of images) का निषेध करता था।

(D) वह विज्ञान और टेक्नोलॉजी के आधुनिक विकास को स्वीकार करता था।

49. लखनऊ में 1857 ई. का विद्रोह इस तिथि को शुरू हुआ–

(A) 30 मई, 1857 (B) 4 जून, 1857

(C) 15 मई, 1857 (D) 15 जून, 1857

50. 'लखनऊ समझौता' (Lucknow Pact) इनके बीच में हुआ–

(A) कांग्रेस और ब्रिटिश सरकार

(B) मुस्लिम लीग और ब्रिटिश सरकार

(C) कांग्रेस और मुस्लिम लीग

(D) कांग्रेस, मुस्लिम लीग और ब्रिटिश सरकार

51. नरम (Moderates) और गरम दल (Extemists) लोग कांग्रेस के इस अधिवेशन में एक हो गए–

(A) लाहौर (B) बम्बई

(C) इलाहाबाद (D) लखनऊ

52. स्वराज पार्टी का गठन इनके द्वारा किया गया–

(A) सी. आर. दास

(B) मोतीलाल नेहरू

(C) जवाहरलाल नेहरू

(D) सी. आर. दास और मोतीलाल नेहरू

53. निम्नलिखित में से कौन खिलाफत समिति में नहीं था?

(A) मजहर उल हक

(B) हसरत मोहानी

(C) मौलाना शौकत अली

(D) हकीम अजमल खां

54. सुभाष चन्द्र बोस ने इस जगह आजाद भारत की सरकार का उद्घाटन किया–

(A) बर्मा (B) जापान

(C) जर्मनी (D) सिंगापुर

55. निम्नलिखित में से कौन–सी जोड़ी सही है?

(A) रामप्रसाद विस्मिल – द्वितीय लाहौर षड्यन्त्र केस

(B) सूर्यसेन – चटगांव केस

(C) भगतसिंह – काकोरी षड्यन्त्र केस

(D) चन्द्रशेखर आजाद – दिल्ली बम काण्ड

56. निम्नलिखित में से कौन–सा/से आर आई एन विद्रोह का भाग नहीं था/थे?

1. इण्डियन नेशनल आर्मी
2. एच. एम. आई. एस. तलवार
3. नेवल रेटिंग्स द्वारा भूख हड़ताल
4. लॉर्ड इरविन

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1 और 2 (B) 2 और 3

(C) 1 और 4 (D) केवल 4

57. बाल गंगाधर तिलक किससे सम्बन्धित थे?

1. पूना सार्वजनिक सभा
2. सहमति की आयु विधेयक (दी एज ऑफ कन्सेण्ट बिल)
3. गौरक्षिणी सभा
4. आत्मीय सभा

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1 और 2 (B) 1, 2 और 4

(C) 3 और 4 (D) 2 और 4

58. कैबिनेट मिशन के प्रस्तावों में कौन–से सम्मिलित नहीं थे?

1. भारत संघ के लिए त्रि–स्तरीय संरचना जिसमें प्रान्त तथा भारतीय रजवाड़े दोनों सम्मिलित हों।
2. संविधान का सभा का गठन
3. छः मुस्लिम बहुल राज्यों में सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न पाकिस्तान का सृजन

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1 और 3 (B) केवल 3

(C) केवल 2 (D) 1 और 2

59. निम्नलिखित में से भारत की स्वतन्त्रता तथा विभाजन से सम्बन्धित कौन–सा एक कथन सही नहीं है?

(A) फरवरी, 1947 में ब्रिटिश प्रधानमन्त्री एटली ने घोषणा की कि ब्रिटिश किसी भी परिस्थिति में भारतीयों को सत्ता, हस्तान्तरण नहीं करेंगे।

(B) लॉर्ड वैवल ने 31 मार्च, 1948 तक भारत से ब्रिटिश की पूर्ण वापसी की वकालत की।

(C) लॉर्ड माउण्टबेटन सत्ता हस्तान्तरण की प्रक्रिया में तेजी लाए।

(D) नेहरू के विरोध के कारण 'बाल्कन योजना' (प्लान बाल्कन) का परित्याग कर दिया गया।

60. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची–I (कृषक आन्दोलन)

a. बाकाश्त भूमि आन्दोलन

b. एका आन्दोलन

c. मोपला विद्रोह

d. अवध किसान सभा आन्दोलन

सूची–II (नेता/अनुयायी)

1. बाबा रामचन्द्र
2. कुन्हम्मद हाजी
3. मदारी पासी
4. कार्यानन्द शर्मा

कूट :

	a	b	c	d
(A)	4	3	2	1
(B)	4	2	3	1
(C)	1	2	3	4
(D)	1	3	2	4

61. निम्नलिखित में से कौन–सा ऋण 'तीन ऋणों' के सिद्धान्त में समाहित नहीं है ?
(A) पुत्र ऋण
(B) पितृ ऋण
(C) गुरु ऋण (ऋषि ऋण)
(D) देव ऋण

62. निम्नांकित बौद्ध ग्रंथों में से किसमें संघ–जीवन के नियम प्राप्त होते हैं ?
(A) अभिधम्म–पिटक
(B) दीर्घ निकाय
(C) विनय–पिटक
(D) विभाषा शास्त्र

63. निम्नांकित भारतीय–यूनानी शासकों में से कौन भारतीय बौद्ध साहित्य में उल्लिखित है ?
(A) डेमिट्रियस
(B) मेनांडर
(C) स्ट्रैटो
(D) अंटियल्किदस

खण्ड–II भूगोल

2. स्टैलैक्टाइट और स्टैलैग्माइट किसके अभिलक्षण हैं?
(A) हिमनदीय स्थलाकृति
(B) ज्वालामुखीय स्थलाकृति
(C) कार्स्ट स्थलाकृति
(D) नदीय स्थलाकृति

3. तापमान प्रतिलोमता के बनने के लिए निम्नलिखित परिस्थितियों पर विचार कीजिए–
1. मेघाच्छन्न आकाश
2. तेज हवाएँ
3. जाड़े की लम्बी रातें
4. ठण्डी सूखी हवा

उपरोक्त में से कौन–कौन–सी परिस्थितियाँ आदर्श हैं
(A) 1, 2 तथा 3 (B) 1 तथा 2
(C) 2, 3 तथा 4 (D) 3 तथा 4

4. सिक्यांग के तारिम बेसिन में प्रारम्भिक बसन्त ऋतु में तीव्र ऊष्मा धाराएँ अनुभव की जाती हैं, जिनसे असुविधा होती है इस पवन का लोक प्रचलित नाम है–
(A) कारबुरान (B) केटाबेटिक
(C) चिनुक (D) फॉन

5. विवरण ऊर्जा का वह प्रतिशत जो किसी पृष्ठ से परिवर्तित होता है, कहलाता है–
(A) ऐल्बिडो (B) ग्रीनहाउस प्रभाव
(C) सूर्यताप (D) अपवर्तन

6. वर्षा के सम्बन्ध में दी गई प्रक्रियाओं के सही अनुक्रम को पहचानिए–
(A) असंतृप्त वायु, संघनन, ओसांक, वर्षण
(B) ओसांक, संघनन, असंतृप्त वायु, वर्षण
(C) असंतृप्त वायु, ओसांक, संघनन, वर्षण
(D) ओसांक, वर्षण, संघलन, असंतृप्त वायु

7. महासागरों तथा झीलों में जल की उस परत को जो सतह की गर्म परत गहराई की ठण्डी परत को अलग करती है, कहते हैं–
(A) अधिसर (B) अधःस्तर
(C) तापप्रवणस्तर (D) हाइपोथर्मिया

8. उस जलवायु प्रकार को पहचानिए जिसमें ग्रीष्म ऋतु शीतल (10^0C से 15^0C) तथा जाड़े की ऋतु शीत (10^0C से 5^0C) हो तथा साल भर वर्षा हो एवं कोई शुष्क ऋतु न हो–
(A) Df (B) Cw
(C) Cs (D) Cf

9. दो पारिस्थितिक तन्त्रों के मध्य के संक्रमण क्षेत्र को कहते हैं–
(A) बायोम
(B) बायोटोप
(C) इकोटोन
(D) सिअर

10. निम्नलिखित में से कौन एक वक्तव्य सही नहीं हैं?
(A) भोजन शृंखला में ऊर्जा स्तरों को पोषी स्तर कहते हैं।
(B) गहरे महासागरों में प्राथमिक उत्पादन लगभग शून्य है।
(C) प्राथमिक उपभोक्ताओं को स्वपोशी कहते हैं।
(D) उपघटकों को मृतपोषक कहते हैं।

11. प्रवास का गतिशीलता संक्रमण प्रतिरूप प्रतिपादिन किया था–
(A) क्लार्क, डब्लू. ए. वी. ने
(B) ली. ई. ने
(C) रेवेन्सटीन, ई. जी. ने
(D) जेलिन्सकी, डब्ल्यू. ने

12. सूची–1 और सूची–II का मिलान कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची–1 (स्थल)	सूची–II (नदियों का संगम)
(A) रुद्रप्रयाग	1. भागीरथी–अलकनंदा
(B) नंद प्रयाग	2. अलकनंदा–मंदाकिनी
(C) कर्ण प्रयाग	3. अलकनंदा–पिंडर
(D) देव प्रयाग	4. अलकनंदा–नंदाकिनी

कूट :

	A	B	C	D
(A)	1	3	2	4
(B)	2	4	3	1
(C)	3	2	4	1
(D)	4	1	3	2

13. औद्योगिक अवस्थिति के मॉडल के लिए वेबर ने उपयोग किया है–
(A) आइसोगोन का
(B) आइसोफीन का
(C) आइसोडोपेन का
(D) आइसोटैंक का

14. नगरीय जनसंख्या घनत्व वितरण के न्यूलिंग मॉडल में परिभाषित शब्द 'घनत्व क्रेटर' प्रयुक्त होता है–
(A) मध्य व्यावसायिक क्षेत्र के लिए
(B) उच्च–आय आवासीय क्षेत्र के लिए
(C) उप नगर के लिए
(D) संक्रमण क्षेत्र के लिए

15. कोल्बी की परिकल्पना एक गतिशील विवेचना प्रस्तुत करती है–
(A) नगरीय विकास की
(B) भूमि उपयोग विकास की
(C) निर्वाह योग्य विकास की
(D) ग्रामीण विकास की

16. निम्नलिखित युग्मों से कौन–सा एक सही सुमेलित नहीं है?
(A) जेचवान बेसिन – पेट्रोलियम
(B) हैनान प्रदेश – लौह–अयस्क
(C) शान्सी प्रदेश – कोयला
(D) शेन्सी प्रदेश – टिन

17. ब्राजील में उत्तर से दक्षिण की ओर प्राकृतिक प्रदेशों का सही अनुक्रम है–
(A) अमेजन बेसिन, मैटो ग्रॉसो पठार, ब्राजीली उच्च भूमि, कम्पोज
(B) अमेजन बेसिन, ब्राजीली उच्च भूमि, कम्पोज, मैटो ग्रॉसो पठार
(C) ब्राजीली उच्च भूमि, मैटो ग्रॉसो पठार, अमेजन बेसिन, कम्पोज
(D) मैटो ग्रॉसो पठार, कम्पोज, ब्राजीली उच्च भूमि, अमेजन बेसिन

18. निम्नलिखित में से कौन–सा एक प्राकृतिक प्रदेश अपने आर्थिक आधार से सही सुमेलित नहीं है?

(A) कनेडियन प्रेयरीज बसन्त ऋतु में गेहूँ की खेती

(B) अर्जेण्टाइन पम्पाज गोमांस–पशु रैंचन

(C) ऑस्ट्रेलियाई डाउन्स चलवासी पशुचारण

(D) दक्षिणी अफ्रीकी वेल्ड मक्का उगाना

19. चिली से ब्राजील तट के साथ–साथ जाने वाले एक व्यक्ति को पार करना होगा–

(A) बास जलडमरूमध्य

(B) कुक जलडमरूमध्य

(C) मैगेलेन जलडमरूमध्य

(D) टोरेस जलडमरूमध्य

20. निम्नलिखित में से कौन–सा एक रूस में अवस्थित है–

(A) डॉनेट्स्क (B) क्रिवोइरॉग

(C) जिटोमीर (D) पेचोरा

21. सूची–I को सूची–II से सुमोलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए हुए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची–I

(विशेषताएँ)

a. मेघाच्छादन तथा अधिक वर्षण पशुपालन के लिए अनुपयुक्त

b. साल भर पछुवा हवाएँ

c. आखेट और पार्क भूमि वनस्पति प्रकार के लिए प्रसिद्ध

d. शुष्क गर्मी की ऋतु आर्द्र शीत और फलोद्यान कृषि

सूची–II

(प्रदेश)

1. विषुवत्रेखीय प्रदेश
2. भूमध्यसागरीय प्रदेश
3. सवाना प्रदेश
4. पश्चिमी यूरोपीय प्रदेश

कूट :

	a	b	c	d
(A)	1	4	3	2
(B)	1	3	1	2
(C)	4	1	2	3
(D)	2	3	4	1

22. नीदरलैण्ड के विषय में निम्नलिखित में से कौन–सा एक वक्तव्य सही नहीं है?

(A) यह पश्चिमी यूरोप का अधिकतम जनसंख्या घनत्व वाला देश है।

(B) यूरोपीय समुदाय में यह एक दक्ष डेरी उत्पादक है।

(C) यह पशु–आहार के आयात पर बहुत अधिक निर्भर है।

(D) यह संसार में मक्खन का सबसे बड़ा निर्यातक है।

23. दक्षिण–पूर्वी एशिया के निम्नलिखित में से किस एक क्षेत्र में कृषक जनसंख्या का अधिकतम केन्द्रीकरण है

(A) स्थानान्तरी कृषि के प्रदेशों में।

(B) द्वीपीय क्षेत्रों में जहाँ अनाज की कृषि होती है।

(C) उच्च भूमि क्षेत्रों में जहाँ की जलवायु अपेक्षाकृत ठण्डी और स्वास्थ्यवर्धक है।

(D) निम्नभूमि वन्य प्रदेशों में जहाँ जंगल काट दिए गए हैं।

24. दामोदर नदी का ऊपरी मार्ग है एक–

(A) भ्रंश घाटी (B) अभिनतिक घाटी

(C) अपरदित घाटी (D) निक्षेपण घाटी

25. कठियावाड़ प्रायद्वीप एक उदाहरण है–

(A) उन्मग्न तटरेखा का

(B) निमग्न तटरेखा का

(C) रिया तटरेखा का

(D) डालमेशियन तटरेखा का

26. नीपर प्रदेश से साइबेरिया को एल्युमिनियम उद्योग का स्थानान्तरण संभव हुआ–

(A) बॉक्साइट स्रोतों के नए क्षेत्रों की खोज के कारण

(B) जल–विद्युत के विकास के कारण

(C) नई अनुकूल बाजार अवस्थितियों के कारण

(D) प्रभावी परिवहन के विकास के कारण

27. मध्य समुद्र तल से ऊँचाई के आरोही क्रम में दिए गए नगरों का सही अनुक्रम है–

(A) मुरमुगाओं, मुम्बई, कोलकाता, चेन्नई

(B) मुम्बई, कोलकाता, चेन्नई, मुरमुगाओं

(C) चेन्नई, मुरमुगाओं, मुम्बई, कोलकाता

(D) कोलकाता, चेन्नई, मुम्बई, मुरमुगाओं

28. भारत में विस्तृत क्षेत्र अत्यधिक वर्षा विभिन्नता वाले हैं। वर्षा विभिन्नता की सम्भावना सर्वाधिक है–

(A) अत्यधिक वर्षा वाले क्षेत्र में

(B) अधिक वर्षा वाले क्षेत्र में

(C) मध्य वर्षा वाले क्षेत्र में

(D) अति निम्न वर्षा वाले क्षेत्र में

29. बालघाट–भण्डार–नागपुर क्षेत्र में निम्न में से कौन–से अयस्क की बहुलता है?

(A) लौह (B) मैंगनीज

(C) अभ्रक (D) बॉक्साइट

30. भू–ताप ऊर्जा पर आधारित मणिकर्ण का ऊर्जा संयन्त्र है–

(A) अरुणाचल प्रदेश राज्य मे

(B) हिमाचल प्रदेश राज्य में

(C) जम्मू एवं कश्मीर राज्य में

(D) उत्तरांचल राज्य में

31. भारत के प्रायद्वीप तट के साथ–साथ महाद्वीपीय शेल्फ के मत्स्य स्थल का क्षेत्रीय प्रसार है–

(A) 2 लाख वर्ग किलोमीटर तक

(B) 3 लाख वर्ग किलोमीटर तक

(C) 4 लाख वर्ग किलोमीटर तक

(D) 5 लाख वर्ग किलोमीटर तक

32. पूर्वी हिमालय में उपोष्ण कटिबन्धीय चौड़ी पत्तियों के वन आमतौर से पाए जाते हैं–

(A) 500 से 1000 मीटर की ऊँचाई–परिसर के बीच

(B) 750 से 1000 मीटर की उँचाई–परिसर के बीच

(C) 1000 से 2000 मीटर की उँचाई–परिसर के बीच

(D) 2000 से 2500 मीटर की उँचाई–परिसर के बीच

33. दक्षिण भारत में अधिक चीनी मिलें लगाने की अब एक प्रवृत्ति बन गई है। इसका कारण है–

1. पिराई का लम्बा मौसम
2. गन्ने की अपेक्षाकृत अधिक उत्पादकता
3. अन्य नकदी फसलों का अभाव
4. प्रभावी परिवहन व्यवस्था

उपरोक्त उत्तरों में कौन–से सही हैं?

(A) 1, 2 और 3 (B) 1, 3 और 4

(C) 1, 2 और 4 (D) 2, 3 और 4

34. भूगोल का प्रारम्भिक विवरण जीवन वितरण विज्ञान के रूप में दिया था–

(A) काण्ट ने (B) हम्बोल्ट ने

(C) रिटर ने (D) वारेनियम ने

35. रैटजेल का कार्य आधारित है इस संकल्पना पर कि

(A) भूगोल के भौतिक और सांस्कृतिक पक्षों के मध्य एक द्विभाजन है

(B) भूगोल एक वैज्ञानिक विषय है

(C) भौतिक पर्यावरण ने मानव क्रियाओं को नियन्त्रित किया है

(D) भूगोल आवश्यक रूप से वर्णनात्मक है

36. निम्नलिखित में से कौन–सी एक संकल्पना विडाल डि ला ब्लाश से सम्बद्ध है?

(A) नियतत्त्वाद (B) सम्भाव्यतावाद

(C) परिस्थितिवाद (D) प्रसम्भाव्यतावाद

37. विशिष्ट से सामान्य की ओर तर्क के उपागम को कहते है–
(A) प्रत्यक्षवादी (B) आदर्शक
(C) आगमनात्मक (D) निगमनात्मक

38. विद्युत–चुम्बकीय स्पेक्ट्रम के दिए गए भागों का उनकी तरंगदैर्ध्य के आधार पर सही अनुक्रम है–
(A) पराबैंगनी, दृश्य, गामा, अवरक्त, रेडियो
(B) गामा, पराबैंगनी, दृश्य, अवरक्त, रेडियो
(C) गामा, रेडियो, अवरक्त, पराबैंगनी, दृश्य
(D) दृश्य, पराबैंगनी, गामा, अवरक्त, रेडियो

39. निम्न युग्मों में से कौन–सा एक सही सुमेलित नहीं है?
(A) **रोटीमीटर** : मानचित्रों पर दूरियों के मापन हेतु प्रयुक्त
(B) **प्लैनीमीटर** : मानचित्रों पर क्षेत्रफलों के मापन हेतु प्रयुक्त
(C) **पैन्टोग्राफ** : मानचित्रों के लघुकरण हेतु प्रयुक्त
(D) **ईडियोग्राफ** : आयतनों के मापन हेतु प्रयुक्त

40. निम्नलिखित में से कौन–सा एक स्वच्छन्द उद्योग है?
(A) कागज (B) सीमेन्ट
(C) इलेक्ट्रॉनिक (D) लौह तथा इस्पात

41. निम्नलिखित में से कौन–सा देश ताँबे का मुख्य निर्यातक है?
(A) घाना (B) मैक्सिको
(C) जाम्बिया (D) बेल्जियम

42. भारत का सर्वाधिक खनिज–युक्त शैल तन्त्र है–
(A) कुड़प्पा तन्त्र (B) धारवाड़ तन्त्र
(C) विन्ध्य तन्त्र (D) गोंडवाना तन्त्र

43. उद्योग के स्थानीकरण हेतु 'आइसोडोपेन' का उपयोग किया था–
(A) ए. लॉश ने (B) ए. वेबर ने
(C) डब्ल्यू. इजार्ड ने
(D) ई. हूवर ने

44. भारत का लगभग दो–तिहाई कोयला पाया जाता है–
(A) ब्रह्मपुत्र घाटी में
(B) दामोदर घाटी में
(C) गोदावरी घाटी में
(D) महानदी घाटी में

45. निम्नांकित में से कौन–सा क्षेत्र कोयला उत्खनन हेतु प्रसिद्ध है?
(A) कपयार्क (B) कारागण्डा
(C) किरकुक (D) ट्रांसवाल

46. सन्नगर की संकल्पना को प्रतिपादित किया था–
(A) सी.बी. फासेट ने
(B) पैट्रिक गिड्डिस ने
(C) जीन गॉटमैन ने
(D) आर.ई. डिकिन्सन ने

47. कुल जनसंख्या में अनुसूचित जाति की जनसंख्या का उच्चतम प्रतिशत है–
(A) हिमाचल प्रदेश में
(B) पंजाब में
(C) उत्तर प्रदेश में
(D) पश्चिम बंगाल में

48. निम्नलिखित में से थार्नथ्वेट के कौन–से जलवायु प्रकार का फैलाव गंगा के मैदान में पाया जाता है?
(A) BB' w (B) CA' w
(C) CB' w (D) DA' w

49. निम्नलिखित राज्यों में से किसकी सबसे लम्बी तट रेखा है?
(A) तमिलनाडु (B) आन्ध्र प्रदेश
(C) महाराष्ट्र (D) कर्नाटक

50. 2001 की जनगणना के अनुसार भारत का सर्वाधिक घना आबाद राज्य है–
(A) बिहार (B) केरल
(C) उत्तर प्रदेश (D) पश्चिम बंगाल

51. निम्नलिखित में से कौन–सा युग्म सुमेलित है?
(A) जलोढ़ मिट्टी – नाइट्रोजन एवं ह्यूमस की अधिकता
(B) लाल मिट्टी – अत्यधिक निक्षालन
(C) लैटेराइट मिट्टी – पोटाश एवं जैव पदार्थों की अधिकता
(D) काली मिट्टी – लोहा में विपन्ना

52. निम्नलिखित में से कौन–सा एक दिए गए ग्रहों का, उनके आमाप (व्यास) के बढ़ते हुए क्रम में सही अनुक्रम है?
(A) मंगल–शुक्र–पृथ्वी–बुध–यूरेनस
(B) बुध–मंगल–शुक्र–पृथ्वी–यूरेनस
(C) बुध–मंगल–शुक्र–यूरेनस–पृथ्वी
(D) शुक्र–बुध–मंगल–पृथ्वी–यूरेनस

53. निम्नलिखित द्वीपों में से कौन–सा एक, ज्वालामुखीय मूल का है?
(A) रीयूनियन द्वीप
(B) अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह
(C) लक्षद्वीप द्वीपसमूह
(D) मालद्वीव

54. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. भारत में अधिकांश कोयला और फेरस खनिज समूह विंध्य के दक्षिण में प्रायद्वीप में मिलते हैं।
2. प्रायद्वीपीय भारत कभी उस अधि–महाद्वीप का अंश था, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, अण्टार्कटिका, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका सम्मिलित थे।

उपरोक्त में कौन–सा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2
(D) न तो 1 और न ही 2

55. निम्नलिखित कथनों में से/कौन–सा/से सही है/हैं?
1. सामान्यतः 3 जनवरी को होने वाले 'रविनीच' पर पृथ्वी सूर्य के निकटतम होती है।
2. सामान्यतः 4 जुलाई को होने वाले 'रविनीच' पर पृथ्वी सूर्य से सबसे अधिक दूर होती है।
3. सामान्यतः 4 जुलाई को होने वाले 'सूर्योच्च' पर पृथ्वी सूर्य से सबसे अधिक दूर होती है।
4. सामान्यतः 3 जनवरी को होने वाले सूर्योच्च पर पृथ्वी सूर्य के निकटतम होती है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :
(A) केवल 1 (B) 2 और 4
(C) 1 और 3 (D) 1 और 2

56. निम्नलिखित में से कौन–सा एक, दीर्घकालीन समुद्र तल परिवर्तन का कारण है?
(A) वायुमण्डलीय विक्षोभ
(B) समुद्री जल घनत्व में परिवर्तन
(C) हिमखण्डों का पिघलना
(D) बर्फ–चादरों का पिघलना

57. ब्रह्मपुत्र नदी की निम्नलिखित सहायक नदियों पर विचार कीजिए–
1. लोहित 2. तिस्ता
3. सुबन्सिरी 4. संकोष

उपरोक्त नदियों को पश्चिम से पूर्व की ओर क्रमबद्ध कीजिए :
(A) 2, 4, 3, 1 (B) 2, 3, 4, 1
(C) 4, 2, 3, 1 (D) 3, 1, 2, 4

58. निम्नलिखित में से कौन–सा एक, दक्षिणी गोलार्द्ध में पवन का अपनी बाईं ओर विक्षेपित होने का कारण है?
(A) उत्तरी और दक्षिणी गोलार्द्ध की जल मात्राओं में भिन्नता
(B) ताप और दाब विभिन्नताएँ

(C) पृथ्वी का आनत अक्ष

(D) पृथ्वी का घूर्णन

59. किसी चक्रवात–अक्ष पर क्या होता है?

(A) अप्रसामान्य उच्च ताप और निम्नतम दाब

(B) अप्रसामान्य निम्न ताप और दाब

(C) निर्मल आकाश और न्यूनतम ताप

(D) घना मेघ–आच्छादन और निम्न दाब

60. निम्नलिखित कथनों में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

1. अम्लीय वर्षा चूना–पत्थर से बनी इमारतों से अभिक्रिया करती है।
2. सल्फरयुक्त कोयले का दहन अम्लीय वर्षा में भागी हो सकता है।
3. प्रदूषण के नियन्त्रण के लिए सुपोषण एक प्रभावी युक्ति है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1 और 2 (B) 2 और 3

(C) केवल 1 (D) 1, 2 और 3

61. सागरीय लवणता को व्यक्त करने के लिए किस चिह्न का प्रयोग किया जाता है ?

(A) $^{00}/_{0}$ (B) $^{0}/_{00}$

(C) $^{0}/_{0}$ (D) 0×00

62. सागरीय जीवों के 'अस्थि पंजरों से निर्मित निक्षेप कहलाते हैं' –

(A) नेरेटिक निक्षेप

(B) पेलाजिक निक्षेप

(C) डायटम पंक

(D) रेडियोलेरियन पंक

63. तिब्बत में उत्पत्ति पाने वाली ब्रह्मपुत्र, इरावदी और मैकांग नदियाँ अपने ऊपरी पाटों में संकीर्ण और समांतर पर्वत श्रेणियों से होकर प्रवाहित होती हैं। इन नदियों में ब्रह्मपुत्र भारत में प्रविष्ट होने से ठीक पहले अपने प्रवाह में एक यू–टर्न (U–turn) लेती है। यह यू–टर्न क्यों बनता है ?

(A) वलित हिमालय श्रेणियों के उत्थान के कारण

(B) भू–वैज्ञानिकीय तरुण हिमालय के अक्षसंघीय नमन के कारण

(C) तृतीय कल्पीय वलित पर्वत–मालाओं में भूविवर्तनीक विक्षोभ के कारण

(D) इस संदर्भ में उपर्युक्त (A) और (B) दोनों कारण तर्कसंगत हैं

खण्ड–III नागरिकशास्त्र

2. ''राज्य पृथ्वी पर ईश्वर का अवतरण है।'' यह कथन किससे सम्बन्धित है?

(A) बोदाँ (B) ऑगस्टाइन

(C) जेम्स प्रथम (D) हीगल

3. सामाजिक संविदा सिद्धान्त सम्बन्धित है–

(A) राज्य की प्रकृति से

(B) राज्य के कार्यों से

(C) राज्य के भविष्य से

(D) राज्य की उत्पत्ति से

4. लोक कल्याणकारी राज्य कहा जाता है–

(A) पूँजीवादी राज्य के विपरीत

(B) एक आदर्शवादी राज्य

(C) साम्यवाद आधारित राज्य

(D) व्यक्तिवाद एवं समाजवाद की मध्य स्थिति

5. यह किसका विचार है कि ''आर्थिक समानता के अभाव में राजनीतिक स्वतन्त्रता केवल कल्पना मात्र है''?

(A) हॉब्सन (B) जी.डी.एच. कोल

(C) मैरियट (D) लॉर्ड एक्टन

6. निम्नांकित में से कौन दैवीय उत्पत्ति सिद्धान्त की विशेषता नहीं है?

(A) इसने आदिम व्यक्ति को धार्मिक तथा अंधविश्वासी बनाया।

(B) इसने आदिम व्यक्तियों को अनुशासित किया।

(C) इसने सामान्य जन में कानून और शासन सत्ता के प्रति निष्ठा उत्पन्न की।

(D) इसने लोगों को राजभक्ति एवं आज्ञापालन सिखाया।

7. निम्नलिखित में से कौन राज्य के पितृसत्तात्मक उत्पत्ति सिद्धान्त का समर्थक है?

(A) लीकॉक (B) रूसो

(C) हॉब्स (D) बेन्थम

8. आधुनिक उदारवाद, शास्त्रीय उदारवाद से किस प्रकार भिन्न है?

(A) यह सभी प्रकार के अधिनायकवाद और शोषण से मुक्त विश्व के पक्ष में है।

(B) यह व्यक्तिगत स्वतन्त्रता का समर्थन नहीं करता है।

(C) यह लोकतान्त्रिक संस्थाओं के विरुद्ध है।

(D) यह स्वतन्त्र उद्यम की वकालत करता है।

9. ''सम्प्रभुता राज्य की सर्वोच्च इच्छा है।'' यह कथन है–

(A) ग्रोशस का (B) विलोबी का

(C) डुग्वी का (D) बर्गेस का

10. निम्नलिखित में से कौन अधिकारों के सामाजिक कल्याण सिद्धान्त का समर्थक नहीं है?

(A) मैकाइवर (B) एच.जे. लास्की

(C) रॉस्को पाउण्ड (D) हर्बर्ट स्पेन्सर

11. निम्नलिखित में से कौन अधिकारों के प्राकृतिक सिद्धान्त का समर्थक नहीं है?

(A) हॉब्स (B) मिल्टन

(C) लॉक (D) बोसांके

12. वैज्ञानिक समाजवाद का जनक किसे माना जाता है?

(A) ओवेन (B) वेब

(C) मार्क्स (D) एंजेल्स

13. वैधानिक तथा राजनीतिक सम्प्रभुता के मध्य विभेदीकरण किया गया

(A) जॉन लॉक द्वारा

(B) जॉन ऑस्टिन द्वारा

(C) एच.जे. लॉस्की द्वारा

(D) वार्कर द्वारा

14. लोकप्रिय सम्प्रभुता का विचार किसने दिया?

(A) बोदाँ (B) ऑस्टिन

(C) रूसो (D) ग्रोशस

15. निम्नलिखित में से किसने लोकतन्त्र का 'बहुमत की निरंकुशता' के रूप में वर्णन किया?

(A) रूसो (B) डनिंग

(C) डी. टॉकविले (D) जेम्स मैडिसन

16. लोकतान्त्रिक व्यवस्था के संचालन के लिए कौन 'लोक विवेक' पर बल देता है?

(A) मैक्फर्सन (B) हेयक

(C) रॉल्स (D) नोजिक

17. प्रत्यक्ष लोकतन्त्र का प्रारम्भिक ज्ञात उदाहरण पाया जाता है–

(A) एथेन्स में (B) स्पार्टा में

(C) रोम में (D) सिराक्यूज में

18. निम्नलिखित में से कौन–सा एक गाँधी–दर्शन की अवधारणा नहीं है?

(A) श्रम की प्रतिष्ठा

(B) अपरिग्रह
(C) नैतिक व्यक्तिवाद
(D) राजनीतिक शक्ति

19. मनु के अनुसार राज्य की उत्पत्ति का सिद्धान्त है–
(A) शक्ति सिद्धान्त
(B) दैवीय सिद्धान्त
(C) सामाजिक संविदा सिद्धान्त
(D) विकासवादी सिद्धान्त

20. लोकतन्त्र की सफलता के लिए आनुपातिक प्रतिनिधित्व का समर्थन किसने किया?
(A) माण्टेस्क्यू ने
(B) बेन्थम ने
(C) जे.एस. मिल ने
(D) मैक्फर्सन ने

21. कौटिल्य समर्थक था–
(A) निरंकुश तानाशाही का
(B) लोकतान्त्रिक राज्य का
(C) कल्याणकारी राज्य का
(D) समाजवादी राज्य का

22. कौन विधायिका को कानून निर्माण हेतु उपयुक्त निकाय नहीं मानता है?
(A) माण्टेस्क्यू (B) जे.एस. मिल
(C) टी.एच. ग्रीन (D) एडमण्ड बर्क

23. अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली जिस सिद्धान्त पर कार्य करती है, वह है–
(A) शक्तियों का पृथक्करण
(B) शक्तियों का सम्मिश्रण
(C) सामूहिक उत्तरदायित्व
(D) शक्तियों का विभाजन

24. एकात्मक शासन की विशेषता है–
(A) लिखित व कठोर संविधान
(B) संविधान की सर्वोच्चता
(C) दोहरी नागरिकता
(D) सभी शक्तियाँ केन्द्र में निहित

25. दबाव समूह मुख्यतः माध्यम है–
(A) हित अभिव्यक्तिकरण के
(B) राजनीतिक समाजीकरण के
(C) सामाजिक सम्प्रेषण के
(D) संस्कृति निर्माण के

26. 'लोकमत' का अर्थ है–
(A) विवेक एवं सामान्य हित आधारित प्रभावी बहुमत के विचार
(B) नागरिकों के महत्त्वपूर्ण समूहों के विचार
(C) नागरिकों के बहुमत के विचार
(D) सभी नागरिकों का एकमत

27. सम्प्रभुता के सिद्धान्त का निम्नलिखित में से किसके उत्थान में ऐतिहासिक सम्बन्ध है?
(A) सामन्तवाद (B) सम्पूर्ण एकाट्ता
(C) लोकतन्त्रता (D) विउपनिवेशन

28. बहुलवादियों का मत है कि–
(A) राज्य नैतिक आधार पर अन्य सभी संघों से श्रेष्ठ है।
(B) आन्तरिक तथा बाह्यतः रूप में राज्य का प्रभुत्व परम् है।
(C) राज्य भी समाज के संघों में एक होता है।
(D) समाज तथा राज्य सहकालीन व सही विस्तारी है।

29. एल्टोनियो ग्राम्शी के अनुसार नागरिक समाज मुख्यतः निम्नलिखित में से किसकी उत्पत्ति में से जुड़ा है?
(A) प्रपीड़न (B) शोषण
(C) सहमति (D) असहमति

30. मार्क्सवादी धारणा–
(A) वास्तविक युक्तिमूलक है तथा युक्तिमूलक वास्तविक है।
(B) सामाजिक सम्बन्धों का आधार भौतिक परिस्थितियों में है।
(C) मानवीय बुद्धि के विकास के सन्दर्भ में आर्थिक सम्बन्धों का अर्थ समझा जा सकता है।
(D) मानव चेतना मनुष्य के सामाजिक जीवन का निर्धारण करती है।

31. स्वेच्छातन्त्रवाद का श्रेष्ठतम आधुनिक समर्थक निम्नलिखित में से कौन है?
(A) रॉल (B) हेबरमास
(C) डॉर्विन (D) नाजिक

32. 'एनार्की, स्टेट एण्ड यूटोपिया' नामक पुस्तक की रचना किसने की?
(A) हीगल (B) माण्टेस्क्यू
(C) स्पेंसर (D) रॉबर्ट नॉजिक

33. सांस्कृतिक साम्राज्यवाद की प्रमुख कार्य प्रणाली है–
(A) अधिग्रहण (B) लूटमार
(C) व्यापार (D) प्राधान्य

34. पराधीनता सिद्धान्त साम्राज्यवाद के कौन–से पहलू पर बल देता है?
(A) आर्थिक (B) राजनीतिक
(C) सांस्कृतिक (D) सामरिक

35. ''पार्टी–रहित शासन एक अनुदार शासन है। जबकि पार्टी– विरोधी शासन एक प्रतिक्रियावादी शासन है।'' यह कथन निम्नलिखित में से किस एक का है?
(A) के.पी. ह्वीयर (B) कार्ल जे. फ्रेडरिक
(C) सारटोरी (D) सैम्यूल हटिंग्टन

36. निम्नलिखित आयोगों को उनके गठन की तिथि के आधार पर कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए :
1. द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग
2. ग्यारहवाँ वित्त आयोग
3. पुंछी आयोग
4. सरकारिया आयोग

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :
(A) 4, 2, 1, 3 (B) 4, 3, 2, 1
(C) 3, 2, 4, 1 (D) 3, 4, 1, 2

37. भारत में पंचायतों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन–से कथन सही हैं?
1. पंचायत क्षेत्र में प्रादेशिक निर्वाचन–क्षेत्रों से प्रत्यक्ष चुनाव द्वारा पंचायत की सीटों को भरा जाता है।
2. ग्राम सभा उन व्यक्तियों का एक निकाय है, जो पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले किसी ग्राम की निर्वाचक नामावलियों में पंजीकृत हैं।
3. पंचायतें संवैधानिक स्वायत्तता के सिद्धांत पर कार्य करती हैं।
4. राज्य विधानमंडल, विधि द्वारा पंचायतों को वे शक्ति और प्राधिकार दे सकते हैं, जिससे वे कार्य करने में सक्षम हो सकें।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :
(A) 1, 2 और 3 (B) 2, 3 और 4
(C) 1, 2 और 4 (D) 1 और 4

38. भारत के सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) की शक्तियाँ निम्नलिखित में से कौन–सी हैं?
1. एक या एक से अधिक राज्यों तथा भारत सरकार के बीच किसी विवाद की स्थिति में आरंभिक अधिकारिता।
2. उच्च न्यायालयों के विरुद्ध अपीलें सुनने की शक्ति।
3. इसके समक्ष आए किसी भी मामले में न्याय करने के लिए डिक्री और आदेश पारित करना।
4. विधि से संबंधित मामलों में भारत के राष्ट्रपति को सलाह देना।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :
(A) 1, 2, 3 और 4
(B) 1, 2 और 3
(C) 1 और 2
(D) 3 और 4

39. निम्नलिखित में से कौन–सा/से कथन भारतीय परिसंघीय व्यवस्था के संबंध में सही है/हैं?

1. राज्यसभा में सभी राज्यों का प्रतिनिधित्व समान है।
2. किसी राज्य की सीमाओं में बदलाव के लिए उस राज्य की सहमति आवश्यक नहीं है।
3. भारत में दोहरी नागरिकता नहीं है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1, 2 और 3 (B) 2 और 3
(C) 1 और 3 (D) केवल 2

40. भारत के राष्ट्रपति की शक्तियों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

1. संघ की कार्यपालक शक्ति राष्ट्रपति में निहित होगी।
2. राष्ट्रपति द्वारा अपने अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से ही कार्यपालक शक्ति का प्रयोग किया जाएगा।
3. संघ की रक्षा सेनाओं का सर्वोच्च समादेश राष्ट्रपति में निहित होगा।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1, 2 और 3 (B) 1, और 3
(C) 1 और 3 (D) केवल 3

41. भारत में शिक्षा के अधिकार के बारे में निम्नलिखित में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

1. छः से चौदह वर्ष की आयु के सभी बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान होना चाहिए।
2. शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के प्रावधान की अनिवार्यता है कि विद्यालयों में योग्य शिक्षक और बुनियादी अवसंरचना अवश्य होनी चाहिए।
3. आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के आधार पर बिना किसी भेदभाव के गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1, 2 और 3 (B) 1 और 2
(C) 1 और 3 (D) केवल 3

42. भारत के संविधान के अनुच्छेद–21 के संबंध में निम्नलिखित में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

1. अनुच्छेद–21 का अतिव्रफमण तब होता है, जब विचारणाधीन कैदियों को अनिश्चित अवधि के लिए न्यायिक हिरासत में निरुद्ध किया जाता है।
2. जीवन का अधिकार एक आधारभूत मानवाधिकार है और इस अधिकार के अतिव्रफमण की शक्ति राज्य के पास भी नहीं है।
3. अनुच्छेद–21 के अंतर्गत जननात्मक चयन करने का किसी महिला का अधिकार व्यक्तिगत सवतंत्रता का एक आयाम नहीं है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1, 2 और 3 (B) 1 और 2
(C) 1 और 3 (D) केवल 2

43. भारत के संविधान के अनुसार धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता के संबंध में निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सही नहीं है?

(A) कुछ लघु सम्प्रदायों को छोड़कर प्रत्येक धार्मिक सम्प्रदाय को अपने धर्मविषयक कार्यों का प्रबंध करने का अधिकार होगा।
(B) प्रत्येक धर्म या उसके किसी भाग विशेष को चल और अचल सम्पत्ति के स्वामित्व और अर्जन का अधिकार होगा।
(C) प्रत्येक धार्मिक समुदाय को धार्मिक एवं धर्मार्थ प्रयोजनों के लिए संस्थाओं की स्थापना और उनके रखरखाव का अधिकार है।
(D) प्रत्येक समुदाय को अपने धर्मविषयक कार्यों के प्रबंधन का अधिकार है।

44. अनुच्छेद–22 के अंतर्गत व्यक्तियों की गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण के संबंध में निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सही नहीं है?

(A) गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को गिरफ्तारी के कारणों से अवगत कराए बिना अभिरक्षा में निरुद्ध नहीं रखा जाएगा।
(B) किसी व्यक्ति को अपनी रुचि के विधि सलाहकार से परामर्श करने और बचाव कराने के अधिकार से वंचित नहीं किया जाएगा।
(C) गिरफ्तार किए गए तथा अभिरक्षा में निरुद्ध रखे गए प्रत्येक व्यक्ति को उसकी गिरफ्तारी से एक सप्ताह की अवधि में निकटतम मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।
(D) न्यायिक आदेश के अनुसरण में कारागार में रखे गए किसी व्यक्ति को गिरफ्तारी से संरक्षण का अधिकार प्राप्त नहीं होता है।

45. भारत के संविधान की उद्देशिका के बारे में निम्नलिखित में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

1. उद्देशिका स्वयं न्यायालय में प्रवर्तनीय नहीं है।
2. उद्देशिका उन उद्देश्यों को बताती है, जिन्हें संविधान स्थापित करना और आगे बढ़ाना चाहता है।
3. उद्देशिका उस स्रोत को इंगित करती है, जहां से संविधान अपना प्राधिकार प्राप्त करता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1, 2 और 3 (B) 1 और 2
(C) 1 और 3 (D) केवल 2

46. भारत में सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकारों के बारे में निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सही नहीं है?

(A) नागरिकों के हर वर्ग को अपनी भाषा, लिपि अथवा संस्कृति को बनाए रखने का अधिकार है।
(B) राज्य द्वारा पोषित या राज्य–निधि से सहायता प्राप्त करने वाले किसी शैक्षिक संस्थान में किसी भी नागरिक को धर्म, प्रजाति या भाषा के आधार पर प्रवेश लेने से वंचित नहीं किया जाएगा।
(C) शैक्षिक संस्थाओं को सहायता प्रदान करने में, राज्य किसी शैक्षिक संस्थान के प्रति इस आधार पर कि यह किसी बहुसंख्यक समुदाय के प्रबंधन के अधीन है, भेदभाव करेगा।
(D) धर्म या भाषा किसी भी आधारित सभी अल्पसंख्यकों को अपनी रुचि के शैक्षिक संस्थानों की स्थापना करने और उनके संचालन का अधिकार होगा।

47. भारत के उपराष्ट्रपति के कार्यालय के संबंध में निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सही नहीं है?

(A) संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्यों से मिलकर बनने वाले एक निर्वाचकमंडल द्वारा उपराष्ट्रपति का निर्वाचन किया जाता है।
(B) उपराष्ट्रपति का निर्वाचन आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत के द्वारा किया जाता है।
(C) उपराष्ट्रपति संसद के किसी भी सदन का या किसी राज्य के विधानमंडल के सदन का सदस्य नहीं होगा।
(D) भारत का उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति होगा और लाभ का कोई पद धारण नहीं करेगा।

48. राज्य की नीति के निदेशक तत्वों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सही नहीं है?

(A) भारत के संविधान के भाग–खत में अन्तर्विष्ट उपबंध किसी भी न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं होंगे।

(B) देश के शासन में राज्य की नीति के निर्देशक–तत्व मूलभूत हैं।

(C) राज्य का यह कर्तव्य होगा कि कानून बनाने में निदेशक–तत्वों को लागू करें।

(D) निदेशक–तत्व, भारत को विश्व का एक उन्नत पूंजीवादी देश बनाने के लिए निर्दिष्ट है।

49. भारत के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के निर्वाचन में उठे संदेहों और विवादों के मामले में जाँच और निर्णय निम्नलिखित में से किस संवैधानिक प्राधिकरण द्वारा किए जाते हैं?

(A) भारत का सर्वोच्च न्यायालय

(B) भारत का निर्वाचन आयोग

(C) संसदीय समिति

(D) दिल्ली उच्च न्यायालय

50. भारत के नियन्त्रक–महालेखा परीक्षक को पद से केवल किसके द्वारा हटाया जा सकता है?

(A) संघ के मन्त्रिमण्डल के परामर्श से राष्ट्रपति द्वारा

(B) उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति द्वारा

(C) भारत की संसद की दोनों सदनों में सम्बोधन के उपरान्त राष्ट्रपति द्वारा

(D) भारत के मुख्य न्यायमूर्ति के परामर्श से राष्ट्रपति द्वारा

51. भारत के संविधान के अनुच्छेद 350–A के अधीन उपबन्ध किससे सम्बन्धित हैं?

(A) नागरिकों के किस भी वर्ग का अपनी विशेष भाषा तथा संस्कृति को संरक्षित करने का अधिकार

(B) सिख समुदाय को कृपाल साथ रखने तथा धारण करने का अधिकार

(C) प्राथमिक स्तर पर मातृ–भाषा में शिक्षा की सुविधाओं की व्यवस्था करने का उपबन्ध

(D) अल्पसंख्यक प्रबन्धित शिक्षण संस्थाओं को राज्य से प्राप्त होने वाली सहायता में भेदभाव से मुक्ति

52. भारत के संविधान के अनुच्छेद–3 के अनुसार, संसद विधि द्वारा

1. किसी भी देश पर आक्रमण की घोषणा कर सकेगी।
2. किसी भी राज्य की सीमाओं में परिवर्तन कर सकेगी।
3. किसी भी राज्य का क्षेत्रफल बढ़ा सकेगी।
4. किसी भी राज्य के अन्तर्गत स्वायत्त परिषद् की स्थापना कर सकेगी।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) केवल 3 (B) 1, 2 और 4

(C) 2 और 3 (D) 1, 2 और 3

53. भारत के संविधान के अनुच्छेद–355 के अधीन संघ का यह दायित्व है कि वह

(A) ब्राह्य आक्रमण और आन्तरिक अशान्ति से राज्य की सुरक्षा करें।

(B) किसी भी राज्य पर संघ की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार अनुज्ञात करें।

(C) यह घोषणा करे कि किसी राज्य विधानमण्डल के अधिकार संसद द्वारा अथवा संसद के प्राधिकार के अधीन प्रयोज्य होंगे।

(D) संसद को अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति की सूची में किसी भी जाति, प्रजाति अथवा जनजाति को सम्मिलित अथवा अपवर्जित करने को अनुज्ञात करें।

54. राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग में

1. एक अध्यक्ष होता है, जो भारत के उच्चतम न्यायालय अथवा किसी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायमूर्ति रह चुका हो।
2. एक सदस्य होता है जो उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश हो अथवा रह चुका हो।
3. एक सदस्य होता है, जो किसी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायमूर्ति हो अथवा रह चुका हो।
4. दो सदस्य होते हैं, जिनकी नियुक्ति उन व्यक्तियों में से होनी होती है जिनको मानवाधिकार से सम्बन्धित मामलों का ज्ञान हो अथवा व्यावहारिक अनुभव हो।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

(A) 1, 2, 3 और 4(B) 1, 2 और 3

(C) 1 और 4 (D) 2, 3 और 4

55. हुमायूँ ने 1555 में दिल्ली पर फिर से अधिकार प्राप्त किया–

(A) इस्लाम शाह को हराकर

(B) मुहम्मद आदिल शाह को हराकर

(C) इब्राहिम शाह का हराकर

(D) सिकन्दर शाह को हराकर

56. निम्नलिखित में से किया गवर्नर जनरल ने पिण्डारियों और पठानों का दमन?

(A) लार्ड विलियम बैन्टिक

(B) लार्ड एमहर्स्ट

(C) लार्ड डलहौजी

(D) लार्ड हेस्टिंग्स

57. निम्नलिखित क्रान्तिकारियों में से किसने अमेरिका में 'गदर पार्टी' की स्थापना की?

(A) भूपेन्द्र नाथ दत्त

(B) सरदार अजीत सिंह

(C) लाला हरदयाल

(D) गणेश सावरकर

58. कांग्रेस ने अपने किस अधिवेशन में पूर्ण स्वराज्य का अपना ध्येय घोषित किया ?

(A) मद्रास अधिवेशन (1927)

(B) कलकत्ता अधिवेशन (1928)

(C) लाहौर अधिवेशन (1929)

(D) इलाहाबाद अधिवेशन (1930)

59. निम्नलिखित में से किसने पटना नगर की स्थापना की?

(A) शेरशाह

(B) अलाउद्दीन हुसैन शाह

(C) इब्राहिम लोदी

(D) अकबर

60. दिल्ली के लाल किला का निर्माण किसने कराया?

(A) अकबर (B) जहाँगीर

(C) शाहजहाँ (D) औरंगजेब

61. ''युद्ध की स्थिति राज्य के व्यक्तित्व की सर्वशक्तिमत्ता को प्रकट करती है।'' यह कथन किसका है ?

(A) ग्रीन (B) मुसोलिनी

(C) हीगल (D) हिटलर

62. निम्नांकित में से कौन सा मौलिक अधिकार निवारक निरोध द्वारा अवरोधित करता है ?

(A) समानता का अधिकार

(B) शोषण के विरुद्ध अधिकार

(C) संवैधानिक उपचारों का अधिकार

(D) स्वतन्त्रता का अधिकार

63. ''सभी मनुष्यों को कुछ समय के लिए और कुछ मनुष्यों को सदैव के लिए मूर्ख बनाया जा सकता है, लेकिन सभी मनुष्यों को सदैव के लिए मूर्ख नहीं बनाया जा सकता।'' यह किसने कहा था :

(A) ब्राइस (B) अब्राहम लिंकन

(C) लास्की (D) लॉवेल

खण्ड–IV अर्थशास्त्र

2. स्वास्थ्य और शिक्षा है–

(A) निजी वस्तुएँ (B) सार्वजनिक वस्तुएँ

(C) मेरिट वस्तुएँ (D) स्थानीय वस्तुएँ

3. सूची–I को सूची –II के साथ सुमेलित कीजिए तथा दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए–

	सूची–I	सूची–II
(A)	आगत–निर्गत विश्लेषण	(i) अमर्त्य सेन
(B)	व्यापार की शर्तें	(ii) डब्ल्यू. लियोनतीफ
(C)	क्रय की शक्ति समता सिद्धान्त	(iii) जी.एस. डोरेन्स
(D)	तकनीकी विकास एवं आर्थिक संवृद्धि	(iv) गस्टव कैसल

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(A)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(B)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

4. मुद्रा की माँग है–

(A) आय माँग (B) पूरक माँग

(C) व्युत्पन्न माँग (D) प्रत्यक्ष माँग

5. ऋणात्मक सीमान्त उपयोगिता की प्रारंभिक अवस्था में–

(A) कुल उपयोगिता बढ़ती है।

(B) कुल उपयोगिता शून्य होती है।

(C) कुल उपयोगिता ऋणात्मक होती है।

(D) कुल उपयोगिता धनात्मक होती है।

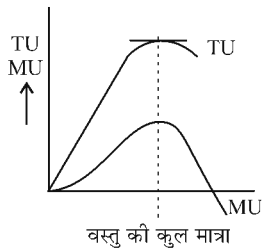

6. बिना–बीमायोग्य अथवा अनिश्चितता जोखिम है–

(A) आग

(B) बाढ़

(C) उस वस्तु की कीमत में परिवर्तन

(D) प्रचलन (फैशन) में परिवर्तन

7. उदासीनता वक्र एक–दूसरे को नहीं काटते, क्योंकि–

(A) प्रत्येक वक्र एक–दूसरे के समानान्तर होता है।

(B) प्रत्येक वक्र सन्तुष्टि के निम्न स्तर का द्योतक है।

(C) प्रत्येक वक्र अधिकतम सन्तुष्टि का द्योतक होता है।

(D) इनमें से कोई नहीं।

8. "मुद्रा के परिमाण सिद्धान्त को मुद्रा की माँग का सिद्धान्त समझना चाहिए"। यह विचार दिया गया है–

(A) डी.एच. रॉबर्ट्सन द्वारा

(B) जे.एस. कीन्स द्वारा

(C) ए.सी. पीगू द्वारा

(D) एम. फ्रीडमैन द्वारा

9. भारत जैसे देश में जहाँ बहुत सारे लोग अपनी वास्तविक आय को छिपा ले जाने में सफल रहते हैं वहाँ निम्न में से किस कर की वृद्धि सामाजिक न्याय की दृष्टि से उचित होगी?

(A) बिक्री कर (B) आय कर

(C) सेवा कर (D) सम्पत्ति कर

10. त्वरण की अवधारणा में किस अर्थशास्त्री का योगदान है?

(A) जे.एम. कीन्स

(B) जे.बी. क्लार्क

(C) जे.आर. हिक्स

(D) ए. मार्शल

11. जब कोई देश अपनी मुद्रा का अवमूल्यन करता है तब इसका यह प्रभाव होता है कि–

(A) आयात सस्ते हो जाते हैं और निर्यात महँगे।

(B) आयात महँगे हो जाते हैं और निर्यात सस्ते।

(C) आयात और निर्यात दोनों सस्ते हो जाते हैं।

(D) आयात और निर्यात दोनों महँगे हो जाते हैं।

12. एकाधिकारी द्वारा दो बाजारों में मूल्यविभेद संभव होता है, जब–

(A) माँग की लोच समान हो तथा बाजारों में अंत:संबंध हो

(B) माँग की लोच समान हो तथा बाजारों में अंत:संबंध न हो

(C) माँग की लोच असमान हो तथा बाजारों में अंत:संबंध हो

(D) माँग की लोच असमान हो तथा बाजारों में अंत:संबंध भी न हो।

13. किसी देश की मुद्रा का अवमूल्यन उसके भुगतान–शेष के असंतुलन में सुधार करेगा यदि उसके द्वारा किए गए आयात और निर्यात के मूल्य लोच का योग है–

(A) शून्य (B) एक

(C) एक से कम (D) एक से अधिक

14. निम्नलिखित मदों में से कौन सकल राष्ट्रीय आय की गणना में सम्मिलित किया जाएगा?

1. कम्पनी द्वारा लाभांश का भुगतान
2. पुराने भवन की विक्रय आय
3. सरकार द्वारा वृद्धावस्था पेंशन
4. कम्पनी द्वारा नई पूँजी का निर्गम

(A) 1 तथा 4 (B) 1 तथा 3

(C) 1, 3 तथा 4 (D) केवल 1

15. गिनी–गुणांक माप है–

(A) निवेश की उत्पादकता की।

(B) पारिवारिक जोत पर घरेलू सदस्यों की अल्पबेरोजगारी की।

(C) व्यापारिक बैंकों में गौण तथा प्राथमिक जमा के बीच अनुपात की।

(D) आय के वितरण में समानता या असमानता की।

16. ''ब्याज तरलता परित्याग का प्रतिफल है''–

(A) जे. एम. कीन्स के अनुसार

(B) मार्शल के अनुसार

(C) हैबरलर के अनुसार

(D) ओहलिन के अनुसार

17. रैखिक माँग फलन पर माँग की कीमत लोच–

(A) बढ़ती है जैसे जैसे केंद्र नीचे की ओर अग्रसर होता है।

(B) घटती है जैसे जैसे केंद्र नीचे की ओर अग्रसर होता है।

(C) Y अक्ष पर स्थित केंद्र के लिए न्यूनतम होती है।

(D) सभी बिन्दुओं पर समान रहती है।

18. असन्तुलित विकास निम्न मान्यता पर आधारित है–

(A) विस्तार विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ होता है।

(B) पूँजी व श्रम पूर्ति स्थिर रहती है।

(C) पूँजी की पूर्ति असीमित होती है।

(D) क्रियाशील क्षेत्रों में काम।

19. अल्प विकसित देशों में राजकोषीय नीति आर्थिक विकास की गति को तेज करने में प्रावैगिक कार्य कर सकती है। इस अवधारणा

का विकास प्रमुखतः किनके विचारों पर हुआ है?

(A) मार्शल (B) कीन्स

(C) स्मिथ (D) वाइनर

20. सीमान्त आय शून्य होती है, यदि माँग लोच–

(A) एक से कम है।

(B) एक के बराबर है।

(C) एक से अधिक है।

(D) शून्य है।

21. हैरोड डोमर मॉडल है–

(A) प्रावैगिक (B) स्थैतिक

(C) सुस्थैतिक (D) उक्त कोई नहीं

22. GNP और GDP में अन्तर है–

(A) सकल विदेशी विनियोग का

(B) शुद्ध विदेशी विनियोग का

(C) शुद्ध निर्यात का

(D) विदेशों से शुद्ध साधन आय का

23. मिश्रित अर्थव्यवस्था से तात्पर्य है–

(A) ग्रामीण और शहरी अर्थव्यवस्था का मिश्रण हो

(B) आधुनिक और परम्परागत अर्थव्यवस्था का मिश्रण हो

(C) सार्वजनिक क्षेत्र हो

(D) सरकारी नियंत्रण हो

24. NNP बराबर–

(A) C + I + G + (X-*m*)

(B) C + I + G + (X + M)

(C) GNP-घिसावट व्यय

(D) GDP + (अप्रत्यक्ष कर)

25. 'पूर्ति अपनी माँग उत्पन्न करती है' किसका विचार है?

(A) पीगू (B) मार्शल

(C) जे. वी. से (D) फिशर

26. समसीमान्त तुष्टिगुण नियम कहलाता है–

(A) गोसेन का प्रथम नियम

(B) गोसेन का द्वितीय नियम

(C) मार्शल का प्रथम नियम

(D) एंजेल का नियम

27. बजट एक बड़ा यंत्र है–

(A) राजकोषीय नीति का

(B) मौद्रिक नीति का

(C) आर्थिक नीति का

(D) निर्यात नीति का

28. भारतीय स्टेट बैंक की स्थापना हुई थी–

(A) गोरवाला समिति की संस्तुति पर

(B) एल. के. झा की संस्तुति पर

(C) रेड्डी समिति की संस्तुति पर

(D) अशोक मेहता समिति की संस्तुति पर

29. सर्वाधिक तरल है–

(A) शेयर (B) ऋणपत्र

(C) मुद्रा (D) सोना

30. कीमत नेतृत्व मॉडल में निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सही है?

(A) केवल कीमत नेता अपना लाभ अधिकतम करता है।

(B) संयुक्त लाभ अधिकतम किये जाते हैं।

(C) कोई भी अपना लाभ अधिकतम नहीं कर पाती है।

(D) प्रत्येक फर्म अपना लाभ अधिकतम करती है।

31. विशेष आहरण अधिकारों (SDRs) को सदस्य राष्ट्रों में निम्न में से किसके अनुपात में आवंटित किया जाता है?

(A) जनसंख्या

(B) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

(C) गरीबी स्तर

(D) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) में अंशदान

32. जब AC गिरती है तो MC–

(A) गिरती है

(B) बढ़ती है

(C) स्थिर रहती है

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

33. 'चाकू–धार' समस्या किसके नाम से सम्बन्धित है?

(A) मार्शल (B) रोस्टोव

(C) हैराड (D) नेल्सन

34. 'तरलता जाल' की अवधारण किसने विकसित की है?

(A) कीन्स (B) फ्रीडमैन

(C) फिशर (D) पीगू

35. उदासीनता वक्र सामान्यतया होता है–

(A) मूल्य बिन्दु की ओर उन्नतोदर

(B) मूल बिन्दु की ओर नतोदर

(C) आधार अक्ष के समानान्तर

(D) उक्त कोई नहीं

36. निम्नांकित में से कौन सा प्रथम कोटि का कीमत विभेद है?

(A) जब उत्पादक प्रत्येक इकाई के लिए भिन्न–भिन्न कीमत प्राप्त करता है।

(B) जब उत्पादक प्रत्येक व्यक्ति से भिन्न कीमत प्राप्त करता है।

(C) जब उत्पादक विभिन्न बाजारों में भिन्न कीमत प्राप्त करता है।

(D) जब उत्पादक निकट स्थानापन्न वस्तु उत्पादित करता है।

37. निम्न चित्र में उत्पादक की बचत बराबर है त्रिभुज

(A) ΔRPZ (B) ΔAOQ

(C) ΔAZQ (D) ΔAPZ

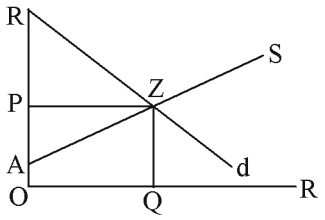

38. अल्पाधिकार में माँग वक्र विकुंचित होता है। यह अवधारणा प्रतिपादित की गई तथा इसका आनुभविक परीक्षण किया गया

(A) क्रमशः स्टिगलर और सैकलप द्वारा

(B) क्रमशः स्वीजी और मैकलप द्वारा

(C) क्रमशः स्वीजी और स्टिगलर द्वारा

(D) क्रमशः स्वीजी और एकले द्वारा

39. निम्नलिखित में मजदूरी कोष सिद्धान्त के प्रतिपादक हैं :

(A) मार्शल

(B) कार्ल मार्क्स

(C) टी.आर. माल्थस

(D) जे.एस. मिल

40. वितरण के सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त का प्रतिपादन किया था

(A) जे.बी. क्लार्क ने

(B) बी. बेवर्क ने

(C) जे. एस. मिल ने

(D) टी. माल्थस ने

41. किसने इस नियम का प्रतिपादन किया कि सार्वजनिक व्यय झटकों में तथा कदमों के क्रम में बढ़ता है न कि सतत् रूप में?

(A) डाल्टन

(B) वैगनर

(C) वाइसमैन तथा पिकाक

(D) बैस्टेबिल

42. अन्तर्राष्ट्रीय भुगतानों में पेशबन्दी का उद्देश्य क्या है?

(A) विदेशी विनिमय में जोखिम स्वीकार करना

(B) विदेशी विनिमय में सट्टेबाजी

(C) विदेशी विनिमय में जोखिम को सुरक्षित करना

(D) विदेशी विनिमय में अन्तरपणन क्रियाएँ

43. निम्नलिखित में से कौन भुगतान संतुलन के चालू खाते में सम्मिलित नहीं होता है?

(A) माल (B) यात्रा व परिवहन

(C) विदेशी निवेश (D) अन्तरण

44. मुद्रा के निम्न कार्यों में से कौन–सा एक वर्तमान व भविष्य को जोड़ने में सहायक होता है ?

(A) मूल्य का मापक

(B) मूल्य का संचय

(C) विनिमय का माध्यम

(D) मूल्य का स्थानान्तरण

45. रिकार्डो के तुलनात्मक लागत सिद्धान्त में निम्नलिखित में से किसने संशोधन किया?

(A) मार्शल एवं कीन्स

(B) जे.एस. मिल एवं बैस्टेबल

(C) हैक्शन एवं ओहलिन

(D) हिक्स तथा पेरेटो

46. ग्रामीण अवस्थापना विकास फंड हेतु मुख्य वित्त प्रदान करने वाली संस्था है

(A) भारतीय रिजर्व बैंक

(B) नाबार्ड

(C) राज्य सहकारी बैंक

(D) लीड बैंक

47. काब डगलस उत्पादन फलन में तकनीकी परिवर्तन

(A) हैरड के अर्थों में तटस्थ होता है, किन्तु हिक्स के अर्थों में नहीं

(B) हिक्स के अर्थों में तटस्थ होता है, किन्तु हैरड के अर्थों में नहीं

(C) हिक्स एवं हैरड दोनों के अर्थों में तटस्थ होता है

(D) कदापि तटस्थ नहीं होता

48. मुक्त अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का मुख्य सुरक्षा रक्षक है

(A) आई.एम.एफ. (B) डब्ल्यू.टी.ओ.

(C) विश्व बैंक (D) आई.एफ.सी

49. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

सूची–I

a. बेन्थम का मानदण्ड

b. गणनावाचक मानदण्ड

c. पेरेटो अनुकूलतम मानदण्ड

d. बर्गसन मानदण्ड

सूची–II

1. आय का समाज के सभी सदस्यों में समान वितरण
2. सामाजिक कल्याण फलन
3. अधिकतम सदस्यों का अधिकतम
4. किसी एक को बेहतर किए बिना दूसरे को बेहतर करना संभव नहीं है।

कूट :

	a	b	c	d
(A)	3	1	4	2
(B)	1	3	4	2
(C)	2	1	4	3
(D)	4	1	3	2

50. निम्नलिखित में से कौन–सा वर्गीकरण कच्ची सामग्री के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण है?

(A) लघु उद्योग–वृहत् उद्योग

(B) प्राथमिक और द्वितीयक

(C) आधारभूत और उपभोक्ता

(D) कृषि–आधारित और खनिज–आधारित

51. मत कुछ वर्षों से विभिन्न देशों द्वारा अपनाई गई विनिमय दर व्यवस्था को मोटे तौर पर स्वतन्त्र परिवर्तनशील दर से लेकर एक मध्यस्थ मुद्रा में अपरिवर्तनीय दर से टॉकने के दर से भारत ने किस व्यवस्था को अपनाया है ?

(A) स्वतन्त्र परिवर्तनशील दर व्यवस्था

(B) एक मध्यस्थ मुद्रा में अपरिवर्तनीय दर से टॉकने की व्यवस्था को अपनाया है ?

(C) एस. डी. आर. से मुद्रा टॉकने की व्यवस्था

(D) सहकारी विनिमय व्यवस्था

52. विनिमय दर को ऊँचा रखने (टॉकने) का अर्थ है–

(A) मुद्रा का अवमूल्यन

(B) विमुद्रीकरण

(C) मुद्रा का अधिमूल्यन

(D) निर्यात बढ़ाना

53. अन्तर्राष्ट्रीय तरलता में सम्मिलित किए जाते हैं–

(A) केवल स्वर्ण कोष

(B) केवल डालर एवं पौंड स्टर्लिंग कोष

(C) सभी मुद्राओं के कोष

(D) वे समस्त साधन जिनसे अन्तर्राष्ट्रीय भुगतान किया जा सके।

54. निगमों की प्रतिभूतियों में लगाई गई राशि का पता सामाजिक लेखा के निम्न विवरण से पता चलता है ?

(A) अदा प्रदा सारिणी

(B) कोष प्रवाह विवरण

(C) राष्ट्रीय आय एवं उत्पाद विवरण

(D) भुगतान संतुलन विवरण

55. आय वितरण में असमानता होने से निम्न आय वर्ग के लोग जो उच्च आय वर्ग के उपभोग के स्वरूप को अपनाने का प्रयत्न करते हैं, से उपभोग प्रवृत्ति में वृद्धि होना (यानि बचत प्रवृत्ति में कमी होना) स्वाभाविक है।

(A) सैम्यूलसन का विचार

(B) नर्क्स का विचार

(C) रोस्टन का विचार

(D) ड्यूज़ेनबरी का विचार

56. एक संकुचन तकनीक है–

(A) वस्तु में परिवर्तन के समायोजन के लिए

(B) सकल राष्ट्रीय उत्पाद वृद्धि में एकरूपता लाने के लिए

(C) सकल राष्ट्रीय उत्पाद की गिरावट में एकरूपता लाने–के लिए

(D) मूल्यतल में हुए परिवर्तन के समायोजन के लिए

57. हैरड–डोमर विकास प्रारूप यह संकेत देता है कि विकास सम्बन्धित है–

(A) प्रत्यक्ष रूप से प्रत्यक्ष से तथा अनुपात के विलोम से सम्बन्धित

(B) K/o अनुपात के प्रत्यक्ष तथा बचत से विलोम रूप से

(C) बचत तथा K/o अनुपात से अप्रत्यक्ष रूप से

(D) बचत तथा K/o अनुपात से प्रत्यक्ष रूप से

58. यदि समाज में बचत की औसत दर 10 प्रतिशत है, K/o अनुपात 4 है तथा जनसंख्या वृद्धि दर 1 प्रतिशत है तो अर्थव्यवस्था के लिए साधारण संवृद्धि दर क्या है ?

(A) 1.5 प्रतिशत (B) 2.5 प्रतिशत

(C) 4.0 प्रतिशत (D) 10.0 प्रतिशत

59. जब व्यक्तिगत उत्पादन इकाइयाँ एक योजना बनाती है, उसे सम्बन्धित उद्योग समूहों, राज्य सरकारों तथा अन्तिम रूप से केन्द्रीय सरकार को भेज देती हैं तो उस प्रक्रिया को जाना जाता हैं–

(A) ऊपर से नियोजन के रूप में

(B) नीचे से नियोजन के रूप में

(C) ढाँचागत नियोजन के रूप में

(D) विकास नियोजन के रूप में

60. जब भारत जनांकिकीय संक्रमण की तृतीय अवस्था में प्रवेश करेगा तो–

(A) उसकी जनसंख्या में तीव्र गति से वृद्धि होगी

(B) उसके जन्म दर में महत्वपूर्ण कमी आएगी

(C) उसकी मृत्यु दर शून्य हो जाएगी

(D) शुद्ध देशान्तर शून्य होगा

61. सीमान्त उपयोगिता जब शून्य होगी तो कुल उपयोगिता–

(A) अधिकतम होगी

(B) घटती हुई दर से बढ़ेगी
(C) घट जाएगी
(D) स्थिर रहेगी

62. उदासीन वक्र विश्लेषण "नयी बोतल में रखी पुरानी शराब है" यह कथन है–
(A) मार्शल का (B) हिक्स का
(C) रॉबर्टसन का (D) सैम्युलसन का

63. किस अर्थव्यवस्था में उपयोक्ता को सम्राट कहा जाता है?
(A) गाँधीवादी (B) समाजवादी
(C) पूँजीवादी (D) मिश्रित

व्याख्यात्मक हल

भाग–I (Part-I)

1.(i) (A) ब्राह्मण साहित्य में सबसे प्राचीन ग्रंथ ऋग्वेद है जिससे मुख्यतः स्रोतों का संकलन किया गया है। ऋग्वेद में कुल 10 मण्डल और 1028 सूक्त हैं। ऋग्वेद के मंत्रों को यज्ञों के अवसर पर देवताओं की स्तुति हेतु होतृ ऋषियों द्वारा उच्चारित किया जाता था।

1.(ii) (D) शुष्क एवं अर्द्ध शुष्क उष्ण कटिबन्धीय रेगिस्तानी क्षेत्रों में यांत्रिक तथा रासायनिक अपक्षय होता है। इन स्थलाकृतियों का अध्ययन 1904 में पसर्गे तथा 1505 में डेविस एवं 1948 में किंग महोदय ने अध्ययन किया है।

1.(iii) (C) राज्य की उत्पत्ति के बल–सिद्धान्त के अनुसार राज्य उच्चतर शारीरिक बल का परिणाम है। राज्य का आरम्भ बलवानों द्वारा कमजोरों को अपने अधीन कर लेने से होता है। वाल्टेयर ने कहा कि– पहला राजा कोई भाग्यशाली योद्धा था।

1.(iv) (A) परम्परावादी अर्थशास्त्रियों ने मुद्रा को विनिमय का माध्यम माना है। परम्परावादी अर्थशास्त्रियों के अनुसार मुद्रा की मांग विनिमय कार्य के लिए की जाती है। मुद्रा की मांग व्युत्पन्न मांग होती है।
मुद्रा की मांग = विनिमय सौदों का मूल्य × वस्तुओं एवं सेवाओं की मात्रा।

भाग–II (Part-II)

इतिहास

2. (A) महात्मा गाँधी द्वारा भारत छोड़ो आन्दोलन 8 अगस्त, 1942 को आरम्भ किया गया था। इस आन्दोलन को सफल बनाने के लिए, कर न देना, फौजों को रोकना, हड़तालों, बहिष्कार एवं नगरीय केन्द्रों पर धरना देना, गाड़ियाँ रोकना, बिना टिकट यात्रा करना, टेलीफोन के तार काटना, नमक बनाना आदि कार्यक्रम निर्धारित किए गए थे। होमरूल लीगों का गठन बाल गंगाधर तिलक द्वारा 20 अप्रैल, 1916 को तथा एनी बेसेण्ट द्वारा मद्रास में सितम्बर, 1916 में किया गया था। अतः ये भारत छोड़ो आन्दोलन से सम्बन्धित नहीं है। अतः विकल्प (A) सही है।

3. (D) भारतीय संगीत का आदिग्रन्थ सामवेद को कहा जाता है। साम का अर्थ गायन से है। इनमें कुल मंत्रों की संख्या 1549 है। इनमें से 75 मंत्र ही सामवेद के मूल मंत्र है अन्य को ऋग्वेद से लिया गया है। सामवेद के मंत्रों को गायन करने वाले ऋषि को उद्गाता कहा जाता था। सप्त स्वरों का उल्लेख सर्वप्रथम सामवेद में ही मिलता है।

4. (A) सिन्धु सभ्यता का नगर लोथल गुजरात के अहमदाबाद जिले में भोगवा नदी के किनारे सागरवाला नामक ग्राम के समीप स्थित है। इसकी खुदाई 1957-58 ई. में रंगनाथ राव के नेतृत्व में की गई। यहाँ की सर्वाधिक प्रसिद्ध उपलब्धि हड़प्पाकालीन बन्दरगाह के अतिरिक्त बिशिष्ट मृदभाण्ड, उपकरण, मुहरें, बाँट तथा माप एवं पाषाण उपकरण हैं। यहाँ तीन युग्मित समाधित के भी उदाहरण मिले हैं। लोथल के पूर्वी भाग में स्थित बन्दरगाह (गोदी) का औसत आकार 214 × 36 मीटर तथा गहराई 3.3 मीटर है। लोथल में गढ़ी और नगर दोनों एक ही रक्षा प्राचीर से घिरे हैं। अन्य अवशेषों में धान (चावल), फारस की मुहरों एवं घोड़ों की लघु मृण्मूर्तियों के अवशेष प्राप्त हुए हैं। सम्भवतः समुद्र के तट पर स्थित सिन्धु सभ्यता को यह स्थल पश्चिम एशिया के साथ व्यापार के दृष्टिकोण से सर्वोत्तम स्थल था।

5. (B) बौद्ध संघ, के नियम मूलतः विनयपिटक में दिए गए हैं। बौद्ध साहित्य को त्रिपिटक कहा जाता है। यह पालि भाषा में रचित है। ये त्रिपिटक सुत्तपिटक, विनयपिटक एवं अभिधाम्मपिटक के नाम से जाने जाते हैं। विनयपिटक में भिक्षु और भिक्षुणियों के संघ एवं दैनिक जीवन सम्बन्धी आचार–विचार, निमय संगृहीन हैं। पातिमोक्ख (प्रतिमोक्ष), सुत विभेग, स्कन्धक एवं परिवार इसके भाग हैं।

6. (D) माध्यमिक दर्शन के प्रणेता नागार्जुन था। इन्होंने माध्यमिक सूत्र, शून्यतासप्तति, विग्रहव्यावर्तनी जैसे ग्रन्थों की रचना की। इस मत को सापेक्षवाद भी कहा जाता है, जिसके अनुसार प्रत्येक वस्तु किसी–न–किसी कारण से उत्पन्न हुई है। नागार्जुन ने प्रतीत्य समुत्यपाद को ही शून्यता कहा है। इस मत के प्रभावशाली प्रचारक इनके शिष्य आर्यदेव थे। इन्होंने चतुःशतक नामक ग्रन्थ लिखा। अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों में चन्द्रकीर्ति, शान्तिदेव एवं शान्तिरक्षित प्रसिद्ध थे।

7. (A) वेदांग के अन्तर्गत कल्प, शिक्षा, निरूक्त, व्याकरण, छन्द, ज्योतिष आते थे। वेदों के अर्थ को अच्छी तरह समझने में वेदांग काफी सहायक होते हैं। 'वेदांग शब्द' से अभिप्राय हैं–जिसके द्वारा किसी वस्तु के स्वरूप को समझने में सहायता मिले। वेदांगों की कुल संख्या छः है जो इस प्रकार हैं–

1. **शिक्षा–** वैदिक वाक्यों के स्पष्ट उच्चारण हेतु इसका निर्माण हुआ। वैदिक शिक्षा सम्बन्धी प्राचीनतम साहित्य 'प्रतिशाख्य' है।
2. **कल्प–** वैदिक कर्मकाण्डों को सम्पन्न करवाने के लिए निश्चित किए गए विधि नियमों का प्रतिपादन ही कल्पसूत्र कहलाता है।
3. **व्याकरण–** इसके अन्तर्गत समासों एवं सन्धि आदि के नियमों, नामों एवं धातुओं की रचना, उपसर्ग एवं प्रत्यय के प्रयोग आदि के नियम बताए गए हैं। पाणिनि की अष्टाध्यायी प्रसिद्ध व्याकरण ग्रन्थ है।
4. **निरूक्त–** शब्दों की व्युत्पत्ति एवं निर्वचन बतलाने वाले शास्त्र निरूक्त कहलाते हैं। क्लिष्ट वैदिक शब्दों के संकलन 'निघण्टु' की व्याख्या हेतु यास्क ने निरूक्त की रचना की थी, जो भाषा शास्त्र का प्रथम ग्रन्थ माना जाता है।
5. **छन्द–** वैदिक साहित्य में मुख्य रूप से गायत्री, त्रिष्टुप, जगती, वृहती आदि छन्दों का प्रयोग किया गया है। पिंगल का छन्द शास्त्र प्रसिद्ध है।
6. **ज्योतिष–** इसमें ज्योतिष शास्त्र के विकास को दिखाया गया है। इसके प्राचीनतम आर्य लगध मुनि हैं।

8. (D) शंकराचार्य ने जैन धर्म को मैसूर से निकाल दिया था। शंकराचार्य दक्षिण भारत में

भक्ति आन्दोलन के प्रथम प्रवर्तक थे। उनका जन्म 788 ई. में मालाबार में काल्पी नामक स्थान पर एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वे वेदों तथा उपनिषदों के प्रकाण्ड पण्डित थे। उन्होंने जैन तथा बौद्ध विद्वानों को शास्त्रार्थ में परास्त कर हिन्दू धर्म की श्रेष्ठता स्थापित की। उन्होंने 'अद्वैतवाद दर्शन' का प्रतिपादन किया। इसके अनुसार ब्रह्म तथा जगत एक ही हैं। उन्होंने गीता पर भी टिप्पणी लिखी। उन्होंने पूर्व में जगन्नाथपुरी, पश्चिम में द्वारका, उत्तर में बद्रीनाथ एवं दक्षिण में शृंगेरी मठ की स्थापना की। उनकी 32 वर्ष की अल्पायु में मृत्यु हो गई।

9. (B) भारत के किसी प्रदेश पर अधिकार करने वाला पहला फारसी शासक डेरियस प्रथम था। डेरियस प्रथम (दारा प्रथम) के तीन अभिलेखों बेहिस्तून, पर्सिपोलिस एवं नक्शेरुस्तम से यह सिद्ध होता है कि उसी ने सिन्धु नदी के तटवर्ती भारतीय भू–भागों को अधिकृत किया।

10. (C) 326 ई. पू. में सिकन्दर ने सिन्धु नदी पार करके भारत की धरती पर कदम रखा। उसका सबसे प्रसिद्ध युद्ध झेलम नदी के तट पर राजा पोरस के साथ हुआ, जो वितस्ता के युद्ध के नाम से जाना जाता है।

11. (D) भारत में 'सम्वतों' का सही कालानुक्रम है–

विक्रम–शक–गुप्त–हर्ष।

1. **विक्रम सम्वत्–** इसके दो अन्य नाम भी हैं–कृत (सतयुग) सम्वत् तथा मालव सम्वत्। इसके विषय में हमें मुख्यतः जैन स्रोतों से जानकारी मिलती है। इसका समय 57 ई. पू. में मालवा के शासक विक्रमादित्य ने शकों को पराजित कर इसे प्रवर्तित किया था।
2. **शक सम्वत्–** इस सम्वत् का प्रवर्तक कुषाण शासक कनिष्क था। इसका समय लगभग 78 ई. माना जाता है। यही आज भारत का राष्ट्रीय सम्वत् है।
3. **गुप्त सम्वत्–** इसका समय लगभग 320 ई. माना जाता है। सम्भवतः इस सम्वत् का प्रवर्तक गुप्त शासक 'चन्द्रगुप्त प्रथम' था। गुप्त साम्राज्य के पतन के पश्चात् भी कुछ शताब्दियों तक इसका प्रयोग गुजरात के मैत्रक वंशीय शासकों ने किया।
4. **हर्ष सम्वत्–** इसका समय लगभग 606 ई. माना जाता है। यह सम्वत् कान्यकुब्ज (कन्नौज या महोदयश्री) में पुष्यभूति वंश के महान राजा 'हर्षवर्धन' ने चलाया जो उसकी मृत्यु के बाद भी उत्तर भारत में एक या दो शताब्दियों तक लोकप्रिय रहा।

12. (C) बिन्दुसार के दरबार में 'डायमेकस' राजदूत था। बिन्दुसार के समय में सीरिया के शासक एण्टियोकस प्रथम ने डायमेकस नामक राजदूत को भेजा। बिन्दुसार ने पत्र लिखकर एण्टियोकस से अंगूरी मदिरा, अंजीर एवं दार्शनिक की माँग की थी। दार्शनिक को छोड़कर अन्य वस्तुओं को एण्टियोकस ने बिन्दुसार के पास भेजा। इसका वर्णन एथिनियस ने किया। मिस्र के शासक टॉल्मी द्वितीय फिलाडेल्फस ने 'डायनोसिस' नामक राजदूत बिन्दुसार के दरबार में भेजा।

13. (A) अशोक के लुम्बिनी स्तम्भलेख में एक ग्राम के भू–राजस्व में रियायत का उल्लेख है। अशोक अपने राज्याभिषेक के बीसवें वर्ष लुम्बिनी ग्राम गया था। उसने लुम्बिनी ग्राम को कर मुक्त घोषित कर दिया तथा केवल 1/8 भाग कर के रूप में लेने की घोषणा की।

14. (D) निरवसित (Excluded) और अनिरवसित (Not Exluded) शूद्रों का उल्लेख यास्क के निरूक्त, पाणिनि की अष्टाध्यायी एवं कौटिल्य के अर्थशास्त्र किसी में भी नहीं मिलता है।

15. (A) तमिल में महाभारत के सर्वप्रथम अनुवादक 'पेरुन्देवनार' थे, जो 'भारतम्' नाम से जाना जाता है। महाभारत का बांग्ला भाषा में अनुवाद अलाउद्दीन नुसरत शाह के समय में हुआ। महर्षि व्यास द्वारा महाभारत महाकाव्य रामायण से वृहद् है। महाभारत में मूलतः 8800 श्लोक थे तथा इसका नाम 'जयसंहिता' (विजय सम्बन्धी ग्रन्थ) था। बाद में श्लोकों की संख्या 24000 होने के पश्चात् यह वैदिक जन भरत के वंशजों की कथा होने के कारण 'भारत' कहलाया। कालान्तर में श्लोकों की संख्या बढ़कर एक लाख होने पर यह 'शतसाहस्री संहिता' या 'महाभारत' कहलाया। महाभारत का प्रारम्भिक उल्लेख 'आश्वलायन गृहसूत्र' में मिलता है।

16. (A) 'सातवाहन वंश' का शासक 'सिमुक' था। पुराणों में इस राजवंश को आन्ध्र भृत्य एवं आन्ध्र जातिय कहा गया है। यह इस बात का सूचक है कि जिस समय पुराणों का संकलन हो रहा था सातवाहनों का शासन आन्ध्र प्रदेश में ही सीमित था। इस वंश की स्थापना 'सिमुक' नामक व्यक्ति ने लगभग 60 ई. पू. में सुशर्मा की हत्या करके की। सिमुक के विषय में अधिकांश जानकारी हमें पुराण एवं नानाघाट प्रतिमा लेख से मिलती है। पुराणों में सिमुक को सिन्धुक, शिशुक, शिक्षक एवं वृषल आदि नामों से सम्बोधित किया गया है।

17. (D) संगम तमिलों का प्राचीनतम उपलब्ध ग्रन्थ 'तोलकाप्पियम' है। द्वितीय संगम का एकमात्र शेष ग्रन्थ लोलकाप्पियम अगत्स्य ऋषि के बारह योग्य शिष्यों में से एक 'तोलकाप्पियर' द्वारा लिखा गया है। सूत्र शैली में रचा गया यह ग्रन्थ तमिल भाषा का प्राचीनतम व्याकरण ग्रन्थ है। व्याकरण के साथ–साथ धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष की नियमावली भी इस ग्रन्थ में है।

18. (C) गहड़वाल वंश का संस्थापक चन्द्रदेव था जिसने कन्नौज को अपनी शक्ति का प्रमुख केन्द्र बनाया। दिल्ली के तोमरों ने भी उसकी अधीनता स्वीकार की। चन्द्रदेव ने महाराजाधिराज की उपाधि भी धारण की। गहड़वाल शासकों को 'काशी नरेश' के रूप में भी जाना जाता था, क्योंकि बनारस इनके राज्य की पूर्वी सीमा के नजदीक था।

19. (A) गुप्तोत्तर काल के न्यायवेत्ता मेधातिथि ने घोषित किया कि शूद्र प्रकृति से दास नहीं है। मेधातिथि के अनुसार शूद्र के लिए आवश्यक नहीं कि वह द्विजातियों की सेवा से आजीविका चलाए, जबकि मेधातिथि ने उन्हें चौथे आश्रम के फल, अर्थात् मोक्ष के अधिकार से वंचित किया है। गुप्तोत्तर कालीन सामाजिक परिवर्तन में सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन था– शूद्रों की सामाजिक स्थति में सुधार। देवल तथा पराशर स्मृतियों में शूद्र के लिए सेवा के अतिरिक्त कृषि, पशुपालन, वाणिज्य तथा शिल्प उपयुक्त व्यवसाय बतलाए गए हैं। ओशनस स्मृति में व्यापार और शिल्प शूद्र की आजीविका के साधन बताए गए हैं। ह्वेनसांग ने भी शूद्रों को कृषक कहा है।

20. (D) पृथ्वीराज चौहान के विरुद्ध मुहम्मद गौरी के आक्रमण के समय कन्नौज पर गहड़वाल वंश का शासन था। पृथ्वीराज चौहान (1178-92 ई.) जिसे राय पिथौरा भी कहा जाता था, गहड़वाल शासक जयचन्द्र (1170-93) का समकालीन था।

पृथ्वीराज चौहान और जयचन्द्र के बीच में संघर्ष था जिसका उल्लेख चन्द्रबरदायी के पृथ्वीराजरासो में है। पृथ्वीराजरासो में चौहान नरेश द्वारा जयचन्द की पुत्री संयोगिता का अपहरण, पृथ्वीराज के विरुद्ध चन्देल परमर्दि की जयचन्द्र द्वारा सहायता का भी उल्लेख है। इसी कारण पृथ्वीराज एवं गौरी के युद्ध में जयचन्द तटस्थ रहा।

21. (A) चोल काल में 'देवदान' कर शैक्षणिक उद्देश्य के लिए था।

22. (B) सरकार के राजस्व भाग को निश्चित करने हेतु चोल शासकों ने भूमि का विस्तृत मापन (सर्वे) कराया। राज्य की आय का मुख्य साधन भू–राजस्व था। भू–राजस्व निर्धारित करने से पूर्व भूमि का सर्वेक्षण, वर्गीकरण एवं नाप–तोल कराई जाती थी। तत्कालीन अभिलेखों से ज्ञात होता है कि राजाराम प्रथम एवं कुलोत्तुंग के पैर की माप ही भूमि की लम्बाई मापने की इकाई बनी। भूमिकर भूमि की उर्वरता एवं वार्षिक फसल चक्र देखने के बाद निर्धारित किया जाता था। सम्भवतः चोल काल में भूमि कर उपज का एक–तिहाई हिस्सा (1/3) हुआ करता था, जिसे अन्न व नकद दोनों रूपों में लिया जाता था। राजस्व विभाग का उच्च अधिकारी 'परित्पोत्तगकक्' कहा जाता था। विवाह समारोह पर भी कर लगता था। अभिलेखों में करों व वसूलियों के लिए 'हरै' या 'वरि', 'मरुण्पाण्डु' और 'दण्डम' शब्द का प्रयोग किया गया है। अन्न का मान एक वालम (तीन मन) था। वेलि भूमि माप की इकाई थी। सोने के सिक्के को 'काशु' कहा जाता था।

23. (C) मुहम्मद–बिन–तुगलक ने इब्नबतूता को अपना राजदूत बनाकर चीन भेजा था। यह मोरक्को मूल का अफ्रीकी यात्री था। इसने सल्तनत काल में मुहम्मद बिन तुगलक के शासन काल में भारत की यात्रा की थी। मुहम्मद बिन तुगलक ने इसे दिल्ली का काजी नियुक्त किया था। बाद में उसे 1342 ई. में यह मदुराई के सुल्तान के दरबार में भी रहा। इब्नबतूता ने 'रेहला' नामक पुस्तक में अपने यात्रा संस्मरणों का संकलन प्रकाशित किया। रेहला में मुसलमानों के त्योहार 'चेहल्लुम' का उल्लेख है।

24. (B) ताजुद्दीन यल्दौज एवं कुतुबुद्दीन ऐबक के बीच पंजाब के लिए संघर्ष हुआ था। सुल्तान गयासुद्दीन ने यल्दौज को दासता से मुक्त करके गजनी का शासक स्वीकार कर लिया था। ख्वारिज्मशाह के दबाव के कारण यल्दौज को गजनी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ा। उसने पंजाब पर आक्रमण किया। गजनी का शासक होने के नाते वह भारत के तुर्की राज्य को अपने अधिकार में मानता था। ऐबक ने उसका विरोध किया और उसे परास्त करके पंजाब को छोड़ने के लिए बाध्य किया।

25. (A) अमीर खुसरो आशिका, किरानउस्सादेन, खजाइन–फूतूह आदि पुस्तकों का रचयिता था। 'आशिका', खुसरो की इस कृति में गुजरात के राजा करन की पुत्री देवलरानी और अलाउद्दीन के पुत्र खिज्रखाँ के बीच प्रेम का उल्लेख है। इसके अतिरिक्त यह पुस्तक अलाउद्दीन की गुजरात तथा मालवा पर विजय तथा मंगोलों द्वारा स्वयं अपने कैद किए जाने की जानकारी भी देती है। 'किरानउस्सादेन' में बुगरा खाँ और उसके बेटे कैकुबाद के मिलन का वर्णन है। 'खजाइनफुतूह', इसे 'तारीखे अलाई' नाम से भी जाना जाता है। इसमें 'अलाउद्दीन खिलजी' के शासन के पूर्व के 15 वर्षों की घटनाओं का वर्णन मिलता है।

26. (C) तबकाते नासिरी का लेखक मिनहाज–उस–सिराज था। मिनहाज द्वारा रचित इस पुस्तक में मुहम्मद के भारत विजय तथा तुर्की सल्तनत के आरम्भिक इतिहास लगभग 1260 ई. तक की जानकारी मिलती है। मिनहाज ने अपनी इस कृति को गुलाम वंश के शासक नासिरुद्दीन महमूद को समर्पित किया था। इस समय मिनहाज दिल्ली का मुख्य काजी था। इतिहासकार इलियट और डाउसन ने तबकाते नासिरी का अंग्रेजी भाषा में अनुवाद किया। तबकाते नासिरी फारसी भाषा में लिखा गया ग्रन्थ है।

27. (D) रैदास, सेना और कबीर रामानन्द के अनुयायी थे। रामानन्द प्रथम वैष्णव सन्त, धार्मिक व समाज सुधारक थे। इनको भक्ति आन्दोलन को उत्तर भारत में लाने का श्रेय प्राप्त है। आचार्य रामानुज की पीढ़ी में स्वामी रामानन्द पहले सन्त थे जिन्होंने भक्ति द्वारा जन–जन को नया मार्ग दिखाया। इन्होंने एकेश्वरवाद पर जोर दिया एवं जाति सम्बन्धी भेदभाव की निन्दा की और भक्ति का द्वार सबके लिए खोला। इनके 12 प्रमुख शिष्य थे– कबीर (जुलाहा), रविदास (मोची), सेना, (नाई;, धन्ना) (जाट–किसान), पीपा (राजपूत), सधना (कसाई), भवानन्द सुखानंद, सुरसर, सुरसर की पत्नी (सुरसीर), पद्मावती और नरहरि।

28. (A) मुस्लिम साहित्य की परम्परा के बारे में राय भारमल ने फारसी भाषा में लिखा है।

29. (A) अबू मुजफ्फर अलाउद्दीन बहमन शाह ने दक्षिण भारत में स्वतन्त्र बहमनी राज्य की स्थापना की। मुहम्मद बिन तुगलक के शासन काल के अन्तिम दिनों में दक्कन में अमीरान–ए–सादाह के विद्रोह के परिणामस्वरूप 1347 ई. में बहमनी साम्राज्य की स्थापना हुई। दक्कन के सरदारों ने दौलताबाद के किले पर अधिकार कर इस्माइल मुख अफगान को नासिरुद्दीन शाह के नाम से दक्कन का राजा घोषित किया। इस्माइल मुख, बूढ़ा और आरामतलब होने के कारण इस पद के अयोग्य सिद्ध हुआ। शीघ्र ही उसे अधिक योग्य नेता हसन, जिसकी उपाधि जफर खाँ थी, के पक्ष में गद्दी छोड़नी पड़ी। जफर खाँ को सरदारों ने 3 अगस्त, 1347 को अबुल मुजफ्फर अलाउद्दीन बहमनशाह के नाम से सुल्तान घोषित किया। अलाउद्दीन हसन से गुलबर्गा को अपनी राजधानी बनाया तथा उसका नाम बदलकर अहसनाबाद कर दिया। उसने साम्राज्य को चार प्रान्तों गुलबर्गा, दौलताबाद, बरार और बीदर में बाँटा। दक्षिण के हिन्दू शासकों को उसने अपने अधीन किया तथा अपने अनुयायियों को पद और जागीर प्रदान करने की नई प्रथा प्रारम्भ की। उसने हिन्दुओं से जजिया न लेने का आदेश दिया।

30. (C) 'कानून–ए–हुमायूँनी' 1534 ई. में ख्वांदमीर द्वारा रचित इस कृति में हुमायूँ की चापलूसी करते हुए उसे सिकन्दर–ए–आजम खुदा का साया आदि उपाधियाँ देने का वर्णन है।

31. (D) मालवा की स्वतन्त्र सल्तनत की स्थापना 1401 ई. में हुसैन खाँ गौरी ने की थी जिसे फिरोज तुगलक ने अमीर के रूप में दिलावर खाँ की उपाधि प्रदान की थी। मालवा का राज्य नर्मदा और ताप्ती नदियों के बीच पठार पर स्थित था। 1305 ई. में इस राज्य पर अलाउद्दीन खिलजी ने अधिकार कर लिया था। दिलावर खाँ ने धार को अपना प्रान्तीय मुख्यालय (राजधानी) बनाया।

32. (B) शेरशाह सूरी एक पक्का मुसलमान था, किन्तु धर्मान्ध नहीं था। व्यक्तिगत जीवन में इस्लाम के सिद्धान्तों का पालन करता था। हिन्दुओं के प्रति उसका व्यवहार

सहिष्णुता और आदर का था। शेरशाह की दृष्टि से हुए कार्यों से लगता है कि मलिक मुहम्मद जायसी ने इसी समय में पद्मावत की रचना की थी। इसी समय के आस–पास वैष्णव धर्म का बहुत प्रचार हुआ। शेरशाह की इमारतें भी स्पष्ट करती हैं कि अपने हिन्दू, मुस्लिम; अफगान, तुर्क और पर्शियन कलाओं में कोई भेद नहीं किया था।

33. (A) अकबर के शासनकाल में बहादुर खाँ उजबेग वजीर के रूप में नियुक्त नहीं था। मुजफ्फर खाँ तुरबती, राजा टोडरमल, एवाजशाह मंसूर, शम्सुद्दीन अतकाखाँ, निजामुद्दीन खलीफा अकबर कालीन वजीर थे।

34. (C) अकबर ने 1563 ई. में तीर्थयात्रा कर समाप्त किया तथा 1564 ई. में जजिया कर भी हटा दिया था।

35. (D) शिवाजी के राजतिलक के समय दादा जी कोंडदेव (1647) जीवित नहीं थे। दादा कोंडदेव एक मराठी सरदार थे, किन्तु उनकी ख्याति शिवाजी के गुरु के रूप में है। शाहजी द्वारा पूना की जागीर का प्रबन्ध सौंपे जाने पर दादा ने उसे सफलतापूर्वक निभाया था। शिवाजी के मन में हिन्दुत्व के प्रति अपार श्रद्धा उत्पन्न कर दी तथा ब्राह्मणों व गायों के प्रति उनके हृदय में गहरी आस्था उत्पन्न की। उन्होंने शिवाजी को वीरता की भावना से ओतप्रोत किया तथा भारत में हिन्दू स्वराज्य की स्थापना के लिए प्रेरित किया। दादा ने शिवाजी के छोटे–से राज्य को सुव्यवस्थित किया तथा राजस्व प्रणाली को नियमित किया 1 मार्च, 1647 में उनकी मृत्यु हो गई, किन्तु उनका स्वप्न उनके शिष्य ने साकार कर दिया।

36. (B) मुगल काल में सतनामी और जाट विद्रोह की जड़ में कृषकों की समस्या थी। औरंगजेब के खिलाफ पहला संगठित विद्रोह आगरा और दिल्ली क्षेत्र में बसे जाटों ने किया। इस विद्रोह की रीढ़ अधिकतर अपने किसान और काश्तकार थे, किन्तु नेतृत्व मुख्यतः जमींदारों ने किया। जाटों का विद्रोह आर्थिक कारणों को लेकर शुरू हुआ। इस विद्रोह को 'सतनामी आन्दोलन' का समर्थन प्राप्त था। सतनामी अधिकतर किसान, दस्तकार तथा नीची जाति के लोग थे। सत्य एवं ईश्वर में विश्वास रखने के कारण वे अपने को 'सतनामी' पुकारते थे। वे अपने सम्पूर्ण शरीर के बालों को मूँडकर रखते थे। इसी कारण उन्हें 'मुण्डिया' भी कहा जाता था।

37. (A) मीर सैयद अली और अब्दुस्समद हुमायूँ और अकबर के समय दरबारी चित्रकार थे। मुगल चित्रकला की नींव हुमायूँ के शासन काल में पड़ी। अपने निवासन के दौरान उसने 'मीर सैयद अली' और 'अब्दुस्समद' नामक दो फारसी चित्रकारों की सेवाएँ प्राप्त कीं जिन्होंने मुगल चित्रकला का आरम्भ किया। मीर सैयद अली हेरात के प्रसिद्ध चित्रकार बिहजाद (जिसे पूर्व का रैपेफल कहा जाता है) का शिष्य था अब्दुस्समद ने जो कृतियाँ तैयार कीं उनमें से कुछ जहाँगीर द्वारा तैयार की गईं– 'गुलशन चित्रावली' में संकलित हैं। अकबर ने मुगल चित्रकारी को एक सुव्यवस्थित रूप दिया। उसने चित्रकारी के लिए अलग विभाग खोला। 'आईने–अकबरी' में मीर सैयद अली और अब्दुस्समद के अलावा 15 प्रसिद्ध चित्रकारों के नाम प्राप्त होते हैं। जिनमें कम–से–कम 13 हिन्दू चित्रकार थे। मुगल चित्रशाला में मुगल चित्रकला शैली में चित्रित सबसे प्रारम्भिक और महत्वपूर्ण मुगलकालीन चित्रसंग्रह 'हम्जनामा' है जो 'दास्ताने–अमीर–हम्जा' के नाम से प्रसिद्ध है। इस पाण्डुलिपि में करीब 1200 चित्रों का संग्रह है। 'हम्जनामा' को पूर्ण कराने के लिए मीर सैयद अली को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया था।

38. (A) फ्रांस के सम्राट लुई चौदहवें के मन्त्री कोलबर्ट के अनुरोध पर 1664 ई. में भारत में फ्रांसीसी व्यापारिक – कम्पनी डेस इण्डेस ओरियन्टल्स (Compange Des Indes Orientals) की स्थापना हुई। कोलबर्ट सामुद्रिक व्यापार के द्वारा फ्रांस की आर्थिक प्रगति करने के प्रति बड़ा उत्सुक था। फ्रांस की व्यापारिक कम्पनी को राज्य द्वारा विशेषाधिकार तथा वित्तीय संसाधन प्राप्त था। इसलिए इसे एक सरकारी व्यापारी कम्पनी कहा जाता था।

39. (D) हड़प के सिद्धान्त के अन्तर्गत डलहौजी द्वारा बनारस राज्य को ब्रिटिश साम्राज्य में शामिल नहीं किया गया था। डलहौजी ने व्यपगत सिद्धान्त द्वारा साम्राज्य में मिलाए गए राज्य सतारा–1848, सम्भलपुर–1849, बघाट–1850, उदयपुर–1852, झाँसी–1853, नागपुर–1854।

40. (B) श्रीरंगपट्टनम की सन्धि 18 मार्च 1792 ई. में टीपू सुल्तान एवं अंग्रेजों के मध्य हुई थी। सन्धि की शर्तों के अनुसार टीपू को अपना आधा राज्य तथा ₹ तीन करोड़ युद्ध की क्षतिपूर्ति के लिए देना था, साथ ही जब तक रुपयों का भुगतान न कर दे तब तक अपने दो पुत्रों को कार्नवालिस के शिविर में शरीर बन्धक के रूप में रखना था। इसके अन्तर्गत अंग्रेजों को बारामहल, डिंडीगुल तथा मालाबार तथा मराठों को तुंगभद्रा नदी के उत्तर का भाग और निजाम को पन्नार तथा कृष्णा नदी के बीच का भाग मिला। इस सन्धि ने मैसूर को आर्थिक एवं सामरिक रूप से कमजोर कर दिया। टीपू के लिए अब अंग्रेजों से मैसूर को बचाए रखना असम्भव हो गया।

41. (A) कार्नवालिस ने टीपू सुल्तान के विरुद्ध जो त्रिदलीय गुट बनाया था उसमें अंग्रेज, निजाम और मराठे शामिल थे। कार्नवालिस ने जून, 1790 में मराठों के साथ तथा 4 जुलाई, 1790 को निजाम के साथ मैत्री सन्धि पर हस्ताक्षर कर दोनों को सैन्य सहयोग करने के लिए बाध्य किया। इस सन्धि को (त्रिगुट) सन्धि भी कहा गया।

42. (C) सिद्धू और कान्हू सम्बन्धी विद्रोह सन्थाल विद्रोह था। यह विद्रोह 1855-1856 ई. में हुआ संथाल आदिवासियों का विद्रोह आदिवासी विद्रोह में सबसे जबर्दस्त था। यह विद्रोह मुख्यतः भागलपुर से राजमहल के बीच केन्द्रित था। संथाल लोगों ने भूमिकर अधिकारियों के हाथों दुर्व्यवहार, पुलिस के दमन, जमींदारों–साहूकारों की वसूलियों के विरुद्ध अपना रोष प्रकट करते हुए विद्रोह किया। इस समय आदिवासियों के क्षेत्र में प्रवेश कर उनके साथ ज्यादतियाँ किया करते थे। संथाल विद्रोह को सिद्धू और कान्हू नामक दो सन्थालों ने अपना नेतृत्व प्रदान किया। सिद्धू ने घोषणा की थी कि ठाकुर जी (भगवान) ने उन्हें आदेश दिया है कि वो अपनी आजादी के लिए अब हथियार उठा ले। सरकार को सन्थाल के विद्रोह को कुचलने के लिए उपद्रवग्रस्त क्षेत्रों में मार्शल लॉ लगाना पड़ा तथा इनके विद्रोही नेताओं को पकड़ने के लिए दस हजार का इनाम घोषित किया गया सिद्धू अगस्त 1855 तथा कान्हू फरवरी 1886 में पकड़ा गया और मार दिया गया।

43. (D) भारत में ब्रिटिश शासन के अन्तर्गत ग्रामीण ऋणग्रस्तता की क्रमिक वृद्धि का कारण भूमि जोत का विखण्डन, कुटीर उद्योगों का पतन, सिंचाई सुविधाओं के विकास का अभाव एवं नकदी फसलों का चलन आदि कारण थे।

44. (D) द्वितीय बर्मा युद्ध 1852 ई. में लड़ा गया था। प्रथम आंग्ल–बर्मा युद्ध सीमा विवाद

का परिणाम था, तो दूसरा आंग्ल–बर्मा युद्ध अंग्रेजों की व्यापारिक नीतियों एवं डलहौजी की साम्राज्यवादी प्रकृतियों का परिणाम था। इस समय लॉर्ड डलहौजी भारत के गवर्नर जनरल के पद पर था।

45. (D) ब्रिटिश अधिकारी स्लीमन अवध को ब्रिटिश साम्राज्य में शामिल किए जाने के पक्ष में नहीं था। 1848 ई. में कर्नल स्लीमन को लखनऊ में रेजीडेन्ट के रूप में भेजा गया। स्लीमन ने कुशासन के विस्तृत विवरण भेजे, परन्तु स्लीमन अवध के विलय के पक्ष में नहीं था। वह चाहता था कि प्रशासन का अधिक–से–अधिक कार्य अंग्रेजों द्वारा ही चलाया जाए।

46. (C) गवर्नन जनरल लॉर्ड विलियम बैंटिंक (1828-37 ई.) का सम्बन्ध ठगी के दमन से था। बैंटिंक के समय में ठगी प्रथा का प्रचलन भी जोरों पर था। चोरों, डाकुओं व हत्यारों के समूह को ठग कहा जाता था, जो प्रायः निर्दोष तथा आरक्षित व्यक्तियों को लूटा करते थे। ठगी के कार्य में लिप्त ये लोग अवध से हैदराबाद, राजपूताना तथा बुन्देलखण्ड तक सक्रिय थे। बैंटिंक ने कर्नल स्लीमन तथा स्थानीय रियायतों की मदद सन् 1850 ई. में ठगी प्रथा समाप्त करने हेतु अभियान छेड़ा। इस प्रकार 1857 ई. के पश्चात् संगठित रूप से ठगों का अन्त हो गया।

47. (B) कोलकाता में 1778 ई. में हेस्टिंग्स के सहयोग से सर विलियम जोन्स ने एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल की स्थापना की जिसने प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति के अध्ययन हेतु महत्त्वपूर्ण प्रयास किए।

48. (C) रामकृष्ण मिशन की स्थापना 1896–97 ई. में रामकृष्ण परमहंस के शिष्य स्वामी विवेकानन्द ने की थी। सर्वप्रथम मठ की स्थापना कलकत्ता के समीप राधा नगर में की गई। तत्पश्चात् बेल्लूर (कोलकाता) में मिशन की स्थापना की गई। इसका उद्देश्य मानव समाज के हित के लिए एवं मनुष्य की शारीरिक, मानसिक व परमार्थिक उन्नति के लिए जिस प्रकार सब तत्वों का प्रयोग हो सके उन विषयों में सहायता करना एवं उनका प्रचार करना था। रामकृष्णा परमहंस कोलकाता के एक मन्दिर में पुजारी थे। इन्होंने भारतीय विचार एवं संस्कृति में अपनी पूर्ण निष्ठा जताई। वे सभी धर्मों में सत्यता के अंश को मानते थे। रामकृष्ण परमहंस ने मूर्तिपूजा को ईश्वर प्राप्ति का एक साधन अवश्य माना, परन्तु इन्होंने चिह्न एवं कर्मकाण्ड की तुलना में आत्मशुद्धि पर अधिक बल दिया।

49. (B) लखनऊ में विद्रोह की शुरुआत 4 जून, 1857 को हुई और यहां के विद्रोही सैनिकों द्वारा ब्रिटिश रेजीडेन्सी के घेराव के बाद ब्रिटिश रेजीडेन्ट हेनरी लारेन्स की मृत्यु हो गई। हैवलक आउट्रम ने लखनऊ में विद्रोह को दबाने का भरसक प्रयत्न किया पर असफल रहा। अन्ततः कॉलिन कैम्पवेल ने गोरखा रेजीडेन्ट के सहयोग से मार्च, 1858 में शहर पर अधिकार कर लिया। वैसे यहाँ विद्रोह का प्रभाव सितम्बर तक रहा।

50. (C) 1911 ई. तक मुस्लिम लीग का नेतृत्व राष्ट्रवादी वर्ग के हाथ में आ जाने से मुस्लिम लीग, कांग्रेस के समीप आ गई। महात्मा गांधी, सरोजिनी नायडू, अबुल कलाम आजाद आदि नेताओं के प्रयासों से 1916 ई. में कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में कांग्रेस तथा मुस्लिम लीग दोनों एक समान माँगों पर सहमत हो गई एवं दोनों के बीच एक समझौता हुआ। लखनऊ अधिवेशन में हुए समझौते में कांग्रेस द्वारा मुस्लिम लीग को साम्प्रदायिक प्रतिनिधित्व देने जैसी अनुचित माँगों को मान लिया गया। बाद में जिसके हानिकारक परिणाम सामने आए। इसी प्रयास से कांग्रेस के उदारवादी दल तथा उग्रवादी दल दोनों में पुनः एकता स्थापित हो गई।

51. (D) नरम एवं गरम दल के लोग कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन (आयोजन 1916 ई.) में पुनः एक हो गए थे। 1916 ई. के लखनऊ सम्मेलन की इस कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता अम्बिका चरण मजूमदार ने की थी। गरम दल एवं नरम दल को पुनः कांग्रेस में मंच पर एक साथ लाने का प्रयास बाल गंगाधर तिलक एवं ऐनी बेसेन्ट ने किया था। इस प्रकार सूरत अधिवेशन (1907 ई.) में कांग्रेस में हुआ विभाजन 1916 में (लखनऊ अधिवेशन) में पुनः एक हो गया।

52. (D) असहयोग आन्दोलन की वापसी से असन्तुष्ट सी. आर. दास एवं मोतीलाल नेहरू इत्यादि ने इलाहाबाद में दिसम्बर, 1923 में स्वराज पार्टी की स्थापना की थी। इस पार्टी ने 1923 ई. में आरोपित चुनाव में भाग लिया एवं अच्छी सफलता प्राप्त की, परन्तु 1928 ई. में इस पार्टी ने केन्द्रीय असेम्बली का बहिष्कार किया। स्वराज पार्टी ने भारत को स्वराज की प्राप्ति में सहयोग देना एवं ब्रिटिश साम्राज्यवादी व्यवस्था को समाप्त करने का अपना लक्ष्य बनाया। 1923 ई. के चुनावों में स्वराज दल को मध्य प्रान्त में पूर्ण बहुमत मिला एवं बंगाल, उत्तर प्रदेश, बम्बई में प्रधानता केन्द्रीय विधान मण्डल में 145 से 48 सीटें प्राप्त हुई। 1924 से 1926 ई के मध्य स्वराज दल ने बजट की अस्वीकृति कर सरकारी अधिनियम का विरोधा किया। 1924 ई. में 'ली कमीशन' जिसकी स्थापना सरकारी नौकरियों में जातीय उच्चता को बनाए रखने के लिए की गई थी, स्वराजवादियों ने स्वीकृत नहीं होने दिया। इसी तरह स्वराजवादियों ने 'मुण्डिमैन कमेटी' जिसकी स्थापना द्वैध शासन सम्बन्धी नियमों के लिए की गई थी, का भी समर्थन नहीं किया। 1925 ई. में चितरंजन दास की मृत्यु से स्वराज दल को बड़ा धक्का लगा। परिणामस्वरूप 1926 ई. के चुनावों में पार्टी को आशा के अनुकूल सफलता नहीं मिली। 1926 के अन्त तक इस पार्टी का अन्त हो गया।

53. (A) उपरोक्त स्वतन्त्रता सेनानी नेताओं में से मजहर उल हक खिलाफत समिति में नहीं थे। हजरत मोहानी, मौलाना शौकत अली, हकीम अजमल खां, मुहम्मद अली इत्यादि खिलाफत समिति में थे। खिलाफत आन्दोलन के साथ ही राष्ट्रवादी आन्दोलन में एक नई धारा आई। 1919 ई. तुर्की में खलीफा का पद समाप्त कर दिया गया। इससे भारतीय मुसलमानों को गहरा धक्का लगा। फलस्वरूप 1919 ई. में भारत में अली बन्धुओं (मुहम्मद अली और शौकत अली) ने खिलाफत कमेटी का गठन कर 'खिलाफत' शुरू किया। हिन्दू– मुस्लिम एकता का अच्छा अवसर समझकर गांधीजी के नेतृत्व में इसका समर्थन किया। 1922 ई. में यह आन्दोलन उस समय स्वतः ही समाप्त हो गया जब मुस्तफा कमाल पाशा के नेतृत्व में तुर्की में खलीफा की सत्ता 1924 में समाप्त कर दी गई और आधुनिक लोकतान्त्रिक व्यवस्था की शुरुआत की गई।

54. (D) 21 अक्टूबर, 1943 को सुभाषचन्द्र बोस ने सिंगापुर में स्वतन्त्र भारत की अस्थायी सरकार का गठन किया जिसके मन्त्रियों में एच. सी. चटर्जी (वित्त), एम. ए. अय्यर (प्रचार) तथा लक्ष्मी सहगल (स्त्रियों के विभाग) आदि शामिल थे।

55. (B) सही सुलेमन इस प्रकार है

(A) रामप्रसाद विस्मिल — काकोरी षड्यन्त्र

(B) सूर्यसेन — चटगांव केस

(C) भगत सिंह — दिल्ली बम काण्ड

(D) चन्द्रशेखर आजाद — हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसियेशन

56. (B) खराब भोजन एवं नस्लीय भेदभाव के विरोध में नौसैनिक विद्रोह वर्ष 18 फरवरी, 1946 में हुआ था, जिसमें बम्बई के नौसैनिक प्रशिक्षण पोत एच एम एस आई तलवार पर तैनात गैर–कमीशण्ड अधिकारियों तथा नौसैनिकों (रेटिंग्स) ने भाग लिया था।

57. (A) बाल गंगाधर तिलक पूना सार्वजनिक सभा के संस्थापक सदस्य थे। यद्यपि तिलक बाल विवाह के विरोधी थे फिर भी उन्होंने 1891 के सहमति की आयु विधेयक का विरोध किया था, क्योंकि यह उनके अनुसार अंग्रेजों द्वारा भारतीय संस्कृति में हस्तक्षेप था।

58. (B) कैबिनेट मिशन वर्ष 1946 में भारत आया था जिसके प्रस्तावों में कथन 1 तथा 2 सम्मिलित थे, किन्तु कथन 3 सम्मिलित नहीं था। अतः ऑप्शन (B) होगा।

59. (A) फरवरी, 1947 में ब्रिटिश प्रधानमंत्री एटली ने घोषणा की, कि ब्रिटिश किसी भी परिस्थिति में भारतीयों की सत्ता हस्तान्तरण नहीं करेंगे, भारत की स्वतंत्रता व विभाजन ने सम्बन्धित नहीं है।

60. (A)

61. (A) तीन ऋणों के सिद्धान्त में पुत्र ऋण समाहित नहीं है।

गृहस्थाश्रम में मनुष्य को विभिन्न संस्कारों का (अनुष्ठान) करना पड़ता था जो जन्म से लेकर मृत्यु तक चलते थे। इसी आश्रम में मनुष्य तीन ऋणों से मुक्ति प्राप्त करता था जिनका विधान धर्म ग्रन्थों में हुआ है। ये ऋण हैं–

1. **देवऋण**–ऐसी मान्यता थी कि व्यक्ति के जन्म के समय उसके ऊपर देवी–देवताओं की महती कृपा रहती है अतः उसका कर्त्तव्य है कि वह देवताओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करे। इससे मुक्ति तभी सम्भव है जब मनुष्य यथाशक्ति यज्ञों का अनुष्ठान करे।
2. **ऋषिऋण**–विधि पूर्वक वेदों का अध्ययन करने से ऋषि ऋण से मुक्ति मिल जाती थी।
3. **पितृऋण**–धर्मानुसार सन्तानोत्पन्न करके व्यक्ति पितृ ऋण से मुक्ति पाता था। उपर्युक्त तीनों ऋणों से उऋण होना मनुष्य का परम कर्त्तव्य माना गया था।

62. (C) महात्मा बुद्ध की मृत्यु के पश्चात् उनकी शिक्षाओं को संकलित कर तीन पिटकों में विभाजित किया गया–

1. विनय पिटक–इसमें संघ सम्बन्धी नियम तथा दैनिक जीवन सम्बन्धी, आचार–विचारों विधि निषेधों आदि का संग्रह है। **2. सुत्त पिटक**–इसमें बौद्ध धर्म के सिद्धान्त तथा उपदेशों का संग्रह है। **3. अभिधम्म पिटक**–इसमें दार्शनिक सिद्धान्तों का संग्रह मिलता है। उपर्युक्त तीनों को त्रिपिटक की संज्ञा दी जाती है। **दीर्घ निकाय** सुत्त पिटक का एक निकाय है। जिसमें बुद्ध के उपदेश वार्तालाप के रूप में दिये गये हैं। त्रिपिटकों पर लिखे गये भाष्य को **विभाषाशास्त्र** कहा जाता है।

63. (B) बौद्ध ग्रन्थ मिलिन्दपन्हों में भारतीय यूनानी शासक मेनाण्डर का नाम मिलता है। मिलिन्दपन्हों की रचना नागसेन ने पाली भाषा में की है। इस ग्रन्थ में यवन राजा मेनाण्डर तथा बौद्ध भिक्षु नागसेन के वार्तालाप का वर्णन हैं। मिलिन्द (मेनाण्डर) धार्मिक प्रवृत्ति का मनुष्य था। वह अपने संशयों एवं शंकाओं के निवारणार्थ किसी विद्वान से वाद–विवाद करना चाहता था। अन्त में वह बौद्ध भिक्षु नागसेन के सम्पर्क में आया। नागसेन उसके अनेक गूढ़ दार्शनिक प्रश्नों का उत्तर देते हुए उसकी धार्मिक जिज्ञासा को शान्त करते थे।

भूगोल

2. (C) स्टैलैक्टाइट और स्टैलैग्माइट कार्स्ट स्थलाकृति के उदाहरण हैं। किसी भी चूना–पत्थर या डोलोमाइट चट्टानों के क्षेत्र में भौम जल द्वारा घुलन प्रक्रिया और उसके निक्षेपण प्रक्रिया से बने स्थलरूपों को 'कार्स्ट स्थलाकृति' का नाम दिया जाता है।

3. (D) मेघ रहित आकाश, शान्त वायुमण्डल, शीतकालीन लम्बी–रातें एवं ठण्डी शुष्क पवन तापमान की विलोमता के लिए अनुकूल होती है।

4. (A) मध्य एशिया के तारिम बेसिन में चलने वाली धूल से भरी गर्म स्थानीय वायु काराबुरान के नाम से जानी जाती है। मध्य एशिया के लोएस का निर्माण इसी वायु के द्वारा लाए गए धूल कणों से हुआ है।

5. (A) विवरण ऊर्जा का वह प्रतिशत जो किसी पृष्ठ में परिवर्तित होता है। एल्बिडो कहलाता है।

6. (C) जब असंतृप्त वायु ऊपर उठती है, तो शुष्क रुद्धोष्म ह्रास दर से ठण्डी होती जाती है, फलस्वरूप वायु संतृप्त हो जाती है एवं ओसांक बिन्दु को प्राप्त करती है। इसके पश्चात् जलवाष्प जल की बूंदों में परिवर्तित हो जाता है, जिसे संघनन कहा जाता है। संघनन के पश्चात् वर्षण प्रारम्भ हो जाता है।

7. (C) **अधिसर**–झील या समुद्र में गर्म जल की परत (ऊपरी परत)

अधःस्तर–झील या समुद्र में ठण्डे जल की परत (निचली–परत)

तापप्रवणस्तर–अधिसर एवं अधःस्तर को अलग करने वाली परत को ताप-प्रपणस्तर कहते है।

हाइपोथर्मिया–शरीर का तापमान असामान्य रूप से कम हो जाना, फलस्वरूप कोमा या मृत्यु

8. (D) Cf जलवायु का तात्पर्य पश्चिमी यूरोपीय तुल्य जलवायु से है। यह जलवायु दोनों गोलार्द्धों में 45° से 60° अक्षांश के बीच महाद्वीपों के पश्चिमी तट पर पायी जाती है।

9. (C) दो वनस्पति समुदायों के अर्थात् पारिस्थितिक तन्त्र के मध्य का संक्रमण क्षेत्र इकोटोन कहलाता है।

10. (C) प्राथमिक उपभोक्ता भोजन के लिए पौधों पर आश्रित रहते हैं। अतः उन्हें परपोषी कहा जाता है। पौधे स्वपोषी कहलाते हैं।

11. (D) गतिशीलत संक्रमण मॉडल का प्रतिपादन जेलिन्सकी द्वारा किया गया है। इस मॉडल के अनुसार प्रवास के मॉडल एवं जनसांख्यिकीय मॉडल के बीच समानता पाई जाती है।

12. (B) हिन्दू धर्म में पंचि प्रयागों का अत्यधिक महत्त्व है और ये स्थान 05 महत्वपूर्ण नदी संगमों के स्थान हैं, जो निम्नवत हैं–

(i) रुद्रप्रयाग – अलकनंदा–मंदाकिनी

(ii) नंद प्रयाग – अलकनंदा–नंदाकिनी

(iii) कर्ण प्रयाग – अलकनंदा–पिंडर

(iv) देव प्रयाग – भागीरथी–अलकनंदा

(v) विष्णु प्रयाग – अलकनंदा–धौलीगंगा

13. (C) समान परिवहन लागत वाले स्थानों को मिलाने वाली रेखा आइसोडोपेन कहलाती है।

14. (A)

15. (A) कोल्बी की संकल्पना नगरीय विकास का गतिक सपष्टीकरण है जो केन्द्राभिमुखी एवं केन्द्रविमुखी शक्तियों पर आधारित है।

16. (D) चीन का शेन्सी प्रदेश टिन के लिए प्रसिद्ध है, टिन यूनान प्रदेश में पाया जाता है। इस प्रदेश का केचेऊ क्षेत्र सर्वाधिक टिन का उत्पादन करता है।

17. (A) सही क्रम है–अमेजन बेसिन–मैटो ग्रॉसो पठार–ब्राजीली उच्च भूमि–कम्पोज

18. (C) ऑस्ट्रेलियाई डाउन्स में व्यापारिक पशुपालन होता है न कि चलवासी पशुपालन। यह प्रदेश गेहूँ की कृषि के लिए भी प्रसिद्ध है।

19. (C) मैगेलेन जलसन्धि को पार करते हुए ब्राजील तट से चिली तट तक पहुँचा जा सकता है।

20. (D) रूस के साइबेरिया में स्थित पेचोरा कोयले के लिए प्रसिद्ध है।

21. (A) विषुवतीय प्रदेश–मेघाच्छादन, उच्च वर्षा, पशुपालन के लिए अनुपयुक्त
भूमध्यसागरीय प्रदेश–शीत ऋतु में वर्षा, रसदार फलों की कृषि, सवाना प्रदेश–पार्क भूमि वनस्पति एवं आखेट (बड़े शिकार की भूमि) पश्चिमी यूरोपीय प्रदेश–वर्षभर पछुवा हवा के प्रभाव के कारण वर्षा

22. (D) विश्व में मक्खन का सबसे बड़ा निर्यातक न्यूजीलैण्ड है। इसके पश्चात् क्रमशः डेनमार्क एवं ऑस्ट्रेलिया का स्थान आता है।

23. (B)

24. (A) भारत की नर्मदा, ताप्ती एवं दामोदर नदी भ्रंश घाटी से होकर प्रवाहित होती हैं।

25. (A) भारत के पश्चिमी तट पर मुम्बई के निकट निमज्जन एवं कच्छ के निकट उत्थापन के प्रमाण मिलते हैं।

26. (A) जल–विद्युत एल्युमिनियम उद्योग का एक प्रमुख कच्चा माल है। अतः इस उद्योग के स्थानीयकरण में जल विद्युत की सुविधा महत्त्वपूर्ण होती है।

27. (D)

नगर	**ऊँचाई**
कोलकाता	– 6 मी.
चेन्नई	– 7 मी.
मुम्बई	– 11 मी.
मुर्गमुगाओ	– 14 मी.

28. (D)

कुल वर्षा (सेमी.)	**विभिन्नता या परिवर्तिता (%)**
200 से अधिक	15 से कम
100–200	15–20
75–100	20–25
50–75	25–30
50 से कम	30 से अधिक

29. (B) भारत के कुल मैंगनीज का लगभग 78 प्रतिशत महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश की सीमा पर बालाघाट–भण्डारा–नागपुर क्षेत्र में संचित है।

30. (B) भारत में भू–तापीय ऊर्जा संयन्त्र हिमाचल प्रदेश में मणिकर्ण एवं लद्दाख में पूगा घाटी में स्थापित किया गया है।

31. (B) भारत का महाद्वीपीय शेल्फ 3,11,680 वर्ग किमी. क्षेत्र में विस्तृत है एवं यह सम्पूर्ण क्षेत्र मत्स्यन की दृष्टि से उपयुक्त है।

32. (C) पूर्वी हिमालय में उपोष्ण कटिबन्धीय वनस्पति 900 से 1830 मी. की ऊँचाई के बीच पायी जाती है।

33. (C) दक्षिण भारत में (मुख्यतया महाराष्ट्र) में सर्वाधिक चीनी मिलें मिलती हैं। इसका कारण है, गन्ने की सर्वाधिक उत्पादकता, पिराई का लम्बा मौसम एवं प्रभावी परिवहन व्यवस्था। इसके अलावा दक्षिण भारत में कहवा, रबड़, नारियल, मसाले, चाय, मूँगफली आदि नकदी फसलों का वृहत् पैमाने पर उत्पादन होता है।

34. (B) हेम्बोल्टर ने भूगोल का प्रारम्भिक वितरण जीवन वितरण, विज्ञान के रुप में दिया था।

35. (C) रैटजेल एक नियतिवादी चिन्तक था, जिसने अपनी पुस्तक 'एन्थ्रापोज्योग्राफी' में भिन्न भौतिक लक्षणों एवं स्थितियों का मानव जीवन शैली पर पड़ने वाले प्रभावों का वर्णन किया है।

36. (B) ब्लाश को सम्भाव्यतावाद (Possibilism) की विचारधारा का जनक माना जाता है।

37. (C) विशिष्ट से सामान्य की ओर का तर्क आगमनिक (Inductive) तथा सामान्य से विशिष्ट की ओर का तर्क निगमनिक (Deductive) कहलाता है।

38. (D)

स्पेक्ट्रम	**तरंग–दैर्ध्य (ऐंगस्ट्रम)**
गामा	0.03 से कम
पराबैंगनी	100 से 4000
दृश्य	× से ×
अवरक्त	780 से अधिक
रेडियो	10 से 100 के बीच

39. (D) इडियोग्राफ का प्रयोग मानचित्रों के विवर्धन एवं लघुकरण हेतु किया जाता है। शेष सभी सुमेलित हैं।

40. (C) स्वच्छन्द उद्योग (Footloose Industry) सामान्यतः हल्के उद्योग होते हैं, जिनके स्थानीयकरण के लिए किसी विशिष्ट स्थान की आवश्यकता नहीं होती है।

41. (B) धारवाड़ तन्त्र भारत की सर्वाधिक खनिज युक्त संरचना है। इस तन्त्र में ही भारत के अधिकांश लौह–अयस्क, मैंगनीज, सोना, ताँबा, अभ्रक, यूरेनियम आदि खनिज पाए जाते हैं। जबकि ताँबे का सर्वाधिक उत्पादन आग्नेय एवं कायांतरित चट्टानों से प्राप्त किया जाता है। विश्व में ताँबे का सर्वाधिक उत्पादन एवं निर्यात मैक्सिको करता है।

42. (C) विन्ध्य तंत्र भारत का सर्वाधिक खनिज युक्त शैल तंत्र है।

43. (B) वेबर ने उद्योगों के स्थानीयकरण के सम्बन्ध में 'अवस्थिति त्रिकोण' की अवधारणा का प्रतिपादन किया। उनके अनुसार न्यूनतम परिवहन खर्च वाले स्थान से दूर जाने पर जिन–जिन बिन्दुओं पर परिवहन खर्च में इकाई वृद्धि होती है, उन्हें मिलाने वाली रेखा उतने मूल्य की 'आइसोडोपेन' कहलाती है।

44. (B) दामोदर घाटी कोयला क्षेत्र कोयले के संचित भण्डार तथा उत्पादन की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र है। झारखण्ड राज्य में धनबाद, बोकारो, हजारीबाग तथा पश्चिम बंगाल के बर्दवान, बांकुड़ा एवं पुरुलिया जिले इसके अन्तर्गत आते हैं। झरिया, बोकारो चन्द्रपुरा, गिरिडीह, उ. तथा द. कर्णपुरा, रामगढ़ तथा पश्चिम बंगाल में झरिया प्रमुख खनन केन्द्र हैं।

45. (B) कजाकिस्तान में स्थित कारागण्डा कोयले के उत्पादन के लिए विश्व प्रसिद्ध है।

46. (B) नगरमाल अथवा सन्नगर शब्द की संकल्पना का प्रतिपादन पैट्रिक गिड्डिस द्वारा किया गया। दक्षिणी लंकाशायर की बस्तियों का उदाहरण देते हुए उन्होंने इस शब्द का अर्थ है–लगातार फैला हुआ नगरीय क्षेत्र।

47. (B)

राज्य का प्रतिशत	**अनुसूचित जाति**
पंजाब	– 28.9
हिमाचल प्रदेश	– 24.7
पश्चिम बंगाल	– 23.0
उत्तर प्रदेश	– 21.1

48. (C) थार्नथ्वेट के अनुसार गंगा के मैदान के अधिकांश भाग में CB'w प्रकार की जलवायु पायी जाती है। इस जलवायु का तात्पर्य शीतोष्ण उप–आर्द्र जलवायु से है। यह जलवायु घास के विकास के लिए उपयुक्त होती है।

49. (B) भारत में सबसे लम्बी तट रेखा गुजरात राज्य की है, इसके पश्चात् आन्ध्र प्रदेश का स्थान आता है।

50. (D) पश्चिम बंगाल – 904
बिहार – 880
केरल – 819
उत्तर प्रदेश – 689

51. (B) जलोढ़ मिट्टी में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस एवं ह्यूमस की कमी होती है तथा पोटाश पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। लैटराइट मिट्टी में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटाश एवं जैव पदार्थों की कमी तथा लोहा एवं एल्युमिनियम की अधिकता होती है। काली मिट्टी में लोहा एवं एल्युमिनियम पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है।

52. (B) प्रदत्त ग्रहों का उनके व्यास के बढ़ते हुए क्रम में सही अनुक्रम निम्न प्रकार है बुध–मंगल–शुक्र–पृथ्वी–अरुण (यूरेनस), आकार के अनुसार आठ ग्रहों का आरोही क्रम है–बुध– मंगल–शुक्र–पृथ्वी–वरुण–अरुण–शनि–बृहस्पति।

53. (A) हिन्द महासागर में अवस्थित रीयूनियन द्वीप ज्वालामुखीय मूल का है। अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह जलमग्न पर्वतों का हिस्सा है' जबकि लक्षद्वीप एवं मालदीव प्रवाल द्वीपसमूह है।

54. (B) भारत में अधिकांश कोयला और फेरस खनिज समूह उत्तर–पूर्वी पठारी प्रदेश में मिलते हैं। इस पट्टी के अन्तर्गत छोटानागपुर (झारखण्ड), ओडिशा पठार, पश्चिम बंगाल तथा छत्तीसगढ़ के कुछ भाग आते हैं। अतः कथन 1 गलत है, जबकि महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धान्त के अनुसार, लगभग 6.5 करोड़ वर्ष पूर्व अधि–महाद्वीप (गोण्डवानालैण्ड) में विभाजन के फलस्वरूप दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका, प्रायद्वीपीय भारत, मेडागास्कर तथा ऑस्ट्रेलिया का निर्माण हुआ। अतः कथन 2 सही है।

55. (C) पृथ्वी की कक्षा वृत्ताकार न होकर दीर्घवृत्ताकार है अर्थात् पृथ्वी वर्ष में एक बार 3 जनवरी को सूर्य के सर्वाधिक पास आ जाती है, इस स्थिति को 'उपसौर' या 'रविनीच' कहा जाता है। इसके विपरीत 4 जुलाई को पृथ्वी सूर्य से सर्वाधिक दूर हो जाती है, जिसे 'अपसौर' या 'सूर्योच्च' कहा जाता है।

56. (D) वैश्विक तापन के कारण बर्फ–चादरों (ग्लेशियर) के पिघलने की परिघटना समुद्र तल परिवर्तन का दीर्घकालीन कारण है। समुद्र जल घनत्व में परिवर्तन अल्पकालीन कारणों से भी सम्भव है। इसी प्रकार वायुमण्डलीय विक्षोभ एवं हिमखण्डों का पिघलना अल्पकालीन कारण है।

57. (A) ब्रह्मपुत्र नदी चेमपुन्गण्डुम हिमानी से निकलकर असम से भारत में प्रवेश करती है। इसकी अनेक सहायक नदियाँ हैं, जिसमें दाहिने किनारे से (या पश्चिम से) तिस्ता, संकोष, भारेली, सुबन्सिरी तथा मनास और बाएँ किनारे से (पूर्व से) दिहांग, लोहित, धनसिरी, कापिली प्रमुख सहायक नदियाँ मिलती हैं।

58. (D) धरातल पर प्रवाहित हवाओं की दिशा मुख्यतः पृथ्वी की घूर्णन गति द्वारा निर्धारित होती है। पृथ्वी की घूर्णन गति द्वारा लगाए गए बल को विक्षेप बल या कोरिऑलिस बल के रूप में भी जाना जाता है। इस विक्षेप बल के कारण उत्तरी गोलार्द्ध में सभी हवाएँ प्रवणता की दिशा में दाईं ओर तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में बाईं ओर मुड़ जाती हैं।

59. (C) किसी उष्णकटिबन्धीय चक्रवात, संचलन केन्द्र में डूबते हुए हवा के एक क्षेत्र को शरण देता है। यदि वह क्षेत्र मजबूत होता है तो यह एक बड़े चक्रवात नेत्र या अक्षि के रूप में विकसित हो जाता है। चक्रवात अक्षि में सामान्यतः मौसम शान्त, निर्मल आकाश, बादल रहित अवस्था व न्यूनतम तापमान रहता है।

60. (A) अम्लीय वर्षा के कारण चूना–पत्थर का विघटन होता है।

$$CaCO_3 + H_2SO_4 \rightarrow CaSO_4 + CO_2 \uparrow + H_2O$$

सल्फरयुक्त कोयले के दहन के कारण सल्फर ऑक्साइड बनता है।

$$S+O_2 \rightarrow SO_2$$

$$SO_2 + \frac{1}{2} O_2 \rightarrow SO_2$$

जब सल्फर ट्राइऑक्साइड (SO_3) जल के साथ अभिक्रिया करती है, तब अम्ल बनता है, जो अम्लीय वर्षा का कारक होता है।

$$SO_3 + H_2O \rightarrow H_2SO_4$$

सुपोषण पारिस्थितिकी–तंत्र में पोषकों की वृद्धि के कारण होता है, जिसके कारण सूक्ष्मजीवों की असमान वृद्धि होती है। अतः इसके कारण प्रदूषण में वृद्धि होती है।

61. (B) सामान्य रूप में एक कि.ग्रा. सागरीय तल में घुले हुए ठोस पदार्थों की कुल मात्रा को भी लवणता कहते हैं। सामान्य रूप से सागरीय लवणता को प्रति हजार ग्राम जल में स्थित लवण की मात्रा $^0/_{00}$ के रूप में दर्शाया जाता है।

62. (A) महासागरों में पाये जाने वाले अवसाद मुख्य रूप से अनेक स्रोतों से प्राप्त होते हैं। स्थलीय ज्वालामुखी, सागरीय जीव एवं वनस्पतियों से तथा कार्बनिक जमाव का स्रोत सागर स्वयं है। इसके अन्तर्गत सागरीय जीवों के अस्थि पंजर तथा वनस्पतियों में अवशेष को शामिल किया जाता है।

63. (B) तिब्बत में उत्पत्ति पाने वाली ब्रह्मपुत्र, इरावदी और मैकांग नदियाँ अपने ऊपरी पाटों में संकीर्ण और समानांतर पर्वत श्रेणियों से होकर प्रवाहित होती हैं। इन नदियों में ब्रह्मपुत्र नदी भारत में प्रवे ा से पूर्व एक यू–टर्न लेती है, यह यू–टर्न भू–वैज्ञानिकीय तरुण हिमालय के अक्षसंघीय नमन के कारण है।

नागरिकशास्त्र

2. (D) आदर्शवादी विचारक हीगल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि राज्य एक संसार है जिसे आत्मा अपने लिए बनाती है। राज्य पृथ्वी पर ईश्वर का अवतरण है। हीगल के अनुसार राज्य आत्मा के उच्चतम विकास का प्रतीक है।

3. (D) उदारवादी परम्परा में राज्य की उत्पत्ति के दो सिद्धान्त हैं–सामाजिक समझौते का सिद्धान्त एवं विकासवादी सिद्धान्त। सामाजिक समझौते के सिद्धान्त को मानने वाले विचारक हैं–हॉब्स, लॉक एवं रूसो। इस सिद्धान्त का मानना है कि सभ्य जीवन के लिए राज्य अनिवार्य है, चूँकि राज्य शान्ति, व्यवस्था तथा सभ्य जीवन का साधन है इसलिए इसकी उत्पत्ति केवल मानवीय इच्छाओं से हो सकती है। इसलिए मनुष्यों ने समझौता कर राज्य को एक व्यवस्थित रूप दिया।

4. (D) विश्व का प्रथम लोक–कल्याणकारी राज्य इंग्लैण्ड है। टी.डब्ल्यू. केंट–लोक कल्याणकारी राज्य वह राज्य है जो अपने नागरिकों के लिए दूरगामी सामाजिक सेवाओं की व्यवस्था करता है। हॉमैन कल्याणकारी राज्य को साम्यवाद और शुद्ध–व्यक्तिवाद में समझौता मानते हैं।

5. (B) जी.डी.एच. कोल एक गिल्ड समाजवादी हैं। उन्होंने कार्यात्मक प्रतिनिधित्व के सिद्धान्त की भी वकालत की। उन्होंने राजनीतिक शक्ति पर आर्थिक शक्ति की प्राथमिकता पर बल दिया। उन्होंने औद्योगिक लोकतन्त्र की स्थापना पर बल दिया।

6. (C) दैवीय उत्पत्ति के सिद्धान्त, ओल्ड टेस्टामेंट में पाए जाते हैं जिसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं–

(i) राजसत्ता ईश्वर द्वारा नियुक्त है।

(ii) वंशानुगत अधिकार छोड़े नहीं जा सकते।

(iii) राजा केवल ईश्वर के प्रति जिम्मेदार है।

7. (A) पितृसत्तात्मक सिद्धान्त के सबसे बड़े समर्थक हेनरीमेन के अनुसार– पितृसत्तात्मक सिद्धान्त वह सिद्धान्त है जो समाज का आरम्भ ऐसे पृथक् परिवारों से मानता है जो सबसे अधिक आयु वाले पुरुष वंशज के नियन्त्रण व छत्रछाया में एक साथ रहते हैं। लीकॉक के अनुसार–आदिम परिवार या गुट का एक ही स्वरूप नहीं था। कहीं मातृसत्तात्मक तो कहीं पितृसत्तात्मक था तथा कोई भी एक–दूसरे का स्थान ले सकता था। अधिक–से–अधिक हम इतना कह सकते हैं कि समय बीतने पर एक पत्नी प्रथा पर आधारित परिवार सबसे अधिक प्रचलित हो गए।

8. (A) आधुनिक उदारवाद सकारात्मक स्वतन्त्रता पर आधारित है जो एक लोक–कल्याणकारी राज्य की स्थापना करता है, जबकि शास्त्रीय उदारवाद नकारात्मक स्वतन्त्रता पर आधारित है जो एक पुलिस राज्य की स्थापना करता है।

9. (B) विलोबी सम्प्रभुता राज्य की सर्वोच्च इच्छा है। ग्रोशस–ऐसे किसी व्यक्ति में निहित सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति जिसके कार्य किसी दूसरे के अधीन न हों और जिसकी इच्छा का कोई उल्लंघन न करे। ग्रोशस ने बाह्य सम्प्रभुता का प्रतिपादन किया।

डुग्वी के अनुसार–राज्य की वह शक्ति जिसके बल पर राज्य आदेश देता है। यह राज्य के रूप में राज्य की संगठित इच्छा है।

बर्गेस के अनुसार–प्रभुसत्ता जनता तथा जनता के सभी संगठनों के ऊपर मौलिक, निरंकुश और असीमित शक्ति है।

10. (D) अधिकारों के समाज–कल्याणकारी सिद्धान्तकारों का मानना है कि अधिकार समाज की देन हैं और अधिकारों का अस्तित्व समाज–कल्याण पर आधारित होता है। इसके प्रमुख समर्थक हैं–बेन्थम, मिन, लॉस्की, डी. रास्को पाउण्ड, मैकाइवर इत्यादि हबर्ट स्पेन्सर, इस सिद्धान्त के समर्थक नहीं हैं। मिल के अनुसार समाज कल्याण और व्यक्ति के विकास में कोई विरोध नहीं है, बल्कि ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

11. (D) प्राकृतिक अधिकारों की आलोचना– बेन्थम, मिल, ग्रीन एवं बोसांके जैसे आदर्शवादियों ने की है। बेन्थम ने प्राकृतिक सिद्धान्त की अराजकतापूर्ण भ्रान्तियों की संज्ञा दी है। लास्की भी प्राकृतिक अधिकारों को अस्वीकार करता है।

12. (C) कार्ल मार्क्स (1818–1883) अपने विचारों से पूँजीवादी सामाजिक व्यवस्था को समाप्त कर एक वर्गविहीन, राज्यविहीन व्यवस्था लाना चाहता है। एक ऐसा समाज जिसमें शोषण समाप्त हो जाता है और सभी व्यक्तियों की आवश्यकताएँ पूरी होती हैं। इसे ही वैज्ञानिक समाजवाद कहा जाता है तथा कार्ल मार्क्स को इसका जनक माना जाता है।

13. (C) लॉस्की बहुलवाद का प्रणेता था तथा चाहता था कि व्यक्तियों तथा समुदायों के नागरिक, आर्थिक तथा सामाजिक अधिकारों को सत्ताधारियों के हस्तक्षेप से सुरक्षित रखा जाए। सरकार की आज्ञा का पालन केवल तभी करना चाहिए जबकि वह यह अनुभव करे कि सरकार सामान्य हितों का पोषण कर रही है। उन्होंने कहा कि मेरा कार्य ही विधि को वैधानिकता प्रदान करता है।

14. (C) जीन जेक्स रूसो (1712–1778) के अनुसार लौकिक या लोकप्रिय प्रभुसत्ता का अर्थ है कि जनता अन्तिम और सर्वोच्च शक्ति की स्वामिनी तथा सारी शक्तियों का स्रोत है। जनता का प्रत्येक व्यक्ति, व्यक्तिगत स्तर पर मिल–बाँटकर प्रभुसत्ता का प्रयोग करते हुए नागरिक कहलाता है और कानूनों का पालन करते हुए प्रजा कहलाता है।

15. (C) अलेक्स डी. टॉकविले (1805–59) ने बहुलवादी व्यवस्था का समर्थन किया। वे एक फ्रांसीसी विचारक थे तथा अपनी पुस्तक 'डेमोक्रेसी इन अमेरिका' में अमेरिकी प्रजातान्त्रिक व्यवस्था की बात की। उन्होंने ही कहा कि लोकतन्त्र बहुमत की निरंकुशता है।

16. (A) सी.वी. मैक्फर्सन ने अपनी पुस्तक 'डेमोक्रेटिक थ्यॉरी–एसेज इन रिट्राइवल' (1973) में विशिष्टवर्गवादी एवं बहुलवादी सिद्धान्त को नकार दिया तथा स्वत्व बोधक व्यक्तिवाद को जन्म दिया। उन्होंने कहा कि प्रजातन्त्र एक विकासात्मक प्रक्रिया है जो मानवता के उत्थान की बात करती है। इसलिए मैक्फर्सन ने क्रियात्मक स्वतन्त्रता पर बल दिया।

17. (A) लोकतन्त्र का आरम्भ यूनान के प्राचीन नगर–राज्यों में हुआ था। इन सभी नगर–राज्यों को पूर्ण स्थानीय स्वशासन प्राप्त था। एथेन्स एवं स्पार्टा छोटे–छोटे नगर–राज्य थे। उस समय मुख्य रूप से प्रत्यक्ष प्रजातन्त्र था।

यूनानी दार्शनिक वलीआन ने लोकतन्त्र की परिभाषा ईसा से 422 साल पूर्व इस प्रकार की थी–लोकतन्त्र वह होगा जो जनता का हो, जनता के द्वारा हो तथा जनता के लिए हो।

18. (D) गाँधी दर्शन में श्रम की प्रतिष्ठा, अपरिग्रह, सत्याग्रह, अहिंसा, नैतिक व्यक्तिवाद, ब्रह्मचर्य आदि चीजें समाहित हैं।

19. (B) मनु ने राज्य को दैवीय उत्पत्ति माना है। इसका अर्थ है ईश्वर ने अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से जनता पर शासन स्थापित किया। मनु का राजा आठ प्रकार के गुणों से सम्पन्न देवताओं का प्रतिरूप था। ये हैं–इन्द्र, पवन, यम, सूर्य, अग्नि, वरुण, चन्द्र, कुबेर।

20. (C) जे. एस. मिल इंग्लैण्ड में प्रजातन्त्र के संचालन को देखकर इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि निर्वाचन की बहुमत पद्धति अन्यायपूर्ण है। इसमें उन व्यक्तियों के मतों का कोई मूल्य नहीं रह जाता जिन्होंने पराजित उम्मीदवार को मत दिया था। मिल ने अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधित्व की आवश्यकता अनुभव की और व्यवस्थापिका से अल्पसंख्यकों को भी प्रतिनिधित्व प्राप्त हो सके, इसके लिए उन्होंने हेयर प्रणाली का समर्थन किया।

21. (C) कौटिल्य या चाणक्य या विष्णुगुप्त जो चन्द्रगुप्त का महामन्त्री था, उसने अपनी पुस्तक अर्थशास्त्र में राजा के कर्त्तव्य तथा एक सशक्त राज्य की बात की जो एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना करता है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि प्रजा के सुख में राजा का सुख है, प्रजा के हित में राजा का हित है। राजा के लिए प्रजा के सुख से भिन्न अपना कोई सुख नहीं है।

22. (B) जे.एस. मिल इस तथ्य से परिचित था कि जन–प्रतिनिधि सामान्य योग्यता के व्यक्ति होते हैं और उनके द्वारा स्वयं ही अच्छे कानूनों का निर्माण तथा शासन–

व्यवस्था का भली–भाँति संचालन नहीं किया जा सकता। उसके अनुसार विधि निर्माण का कार्य अधिक योग्यता और अनुभव का कार्य है इसलिए यह कार्य विधायिका का न होकर दल और अनुभवी व्यक्तियों की एक छोटी संस्था का होना चाहिए। इस संस्था में राजनीतिक दल के नेता तथा दक्ष सरकारी कर्मचारी हों। विधायिका का कार्य इस समिति के कार्यों की आलोचना करना तथा अवसर पड़ने पर उन्हें पद से हटाने तक सीमित होना चाहिए। इस प्रकार मिल ने लोकतन्त्र एवं दक्षता का समन्वय कर दिया।

23. (A) अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली शक्ति पृथक्करण के सिद्धान्त पर कार्य करती है। इसमें सरकार के तीनों अंगों के मध्य विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायपालिका शक्तियाँ बँटी होती हैं। साथ ही–साथ यह व्यवस्था अवरोध एवं सन्तुलन के सिद्धान्तों पर कार्य करती है। मॉण्टेस्क्यू ने अपनी पुस्तक 'स्पिरिट ऑफ द लॉज' में शक्ति पृथक्करण के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया।

24. (D) एकात्मक शासन में शक्ति केन्द्रीयकृत होती है। ए.वी. डायसी के अनुसार– एकात्मकता ऐसे राजनीतिक संगठन का संकेत देती है, जिसमें एक केन्द्रीय शक्ति नियमपूर्वक सर्वोच्च विधायी सत्ता का प्रयोग करती है। एकात्मक व्यवस्था वाले राज्य हैं–यू.के., फ्रांस, बेल्जियम, श्रीलंका, इटली इत्यादि।

25. (A) दबाव समूह को समझने के लिए हित समूह को समझना आवश्यक है। जब कोई साहचर्य अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए राजनीतिक प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयत्न करते हैं तो उन्हें हम हित समूह कहते हैं। जब कोई हित समूह अत्यधिक सक्रिय हो जाता है और अन्य समूहों के हितों को पीछे छोड़ अपने हितों की सिद्धि के लिए सरकार पर अपना दबाव बढ़ाता है तो उसे दबाव समूह कहते हैं। अत्यधिक प्रभावशाली दबाव समूह को 'लॉबी' कहा जाता है जो अमेरिका में काफी प्रचलित है।

26. (D) लिपमैन ने लोकमत को जनता के व्यक्तिगत विचारों से जोड़ा है। लिपमैन ने समाचार–पत्रों को प्रजातन्त्र का धर्मग्रन्थ कहा है। जनमत निर्माण की प्रमुख इकाइयाँ हैं–प्रेस, चलचित्र, टी.वी. एवं रेडियो, राजनीतिक दल, व्यवस्थापिका, शैक्षणिक संस्थाएँ, सार्वजनिक सभाएँ तथा निर्वाचन आदि।

27. (B) सम्प्रभुता (सम्पूर्ण एकाट्त) राज्य का अनिवार्य लक्षण है। जे. डब्ल्यू. गार्नर की 'इण्ट्रोडक्शन टू पोलिटिकल साइन्स' के अनुसार प्रभुसत्ता राज्य की ऐसी विशेषता है जिसके कारण वह कानून की दृष्टि से केवल अपनी इच्छा से बँधा होता है–अन्य किसी की इच्छा से नहीं; कोई अन्य शक्ति उसकी अपनी शक्ति को सीमित नहीं कर सकती।

28. (C) बहुलवादियों के अनुसार राजनीतिक शक्ति समाज के विभिन्न समूहों में बँटी होनी चाहिए और नीति–निर्माण में सभी संगठनों एवं समूहों की भागीदारी होनी चाहिए। समाज की संस्थाओं पर किसी भी एक सामाजिक वर्ग का अकेला नियन्त्रण नहीं होना चाहिए। बहुलवादी लोकतन्त्र का अर्थ है एक ऐसी राजनीतिक व्यवस्था जिसमें राजनीतिक नीतियों का निर्माण विभिन्न समूहों में विचार–विमर्श के बाद होता है।

29. (C) एन्टोनियो ग्राम्शी जैसा नवमार्क्सवादी, पूँजीवाद को केवल उत्पादन के साधनों के निजी स्वामित्व पर आधारित आर्थिक प्रणाली के रूप में नहीं देखता, बल्कि एक विस्तृत आर्थिक–राजनीतिक–सांस्कृतिक प्रणाली के रूप में सहमति से देखता है और इस विश्लेषण के सन्दर्भ में मनुष्य की स्वतन्त्रता की समस्या पर विचार करता है।

30. (B) इतिहास के भिन्न–भिन्न युगों में प्रचलित उत्पादन सम्बन्ध भिन्न–भिन्न प्रकार के सामाजिक विन्यास को जन्म देते हैं। इस तरह स्वामी और दास, जमींदार और किसान, पूँजीपति एवं किसान के परस्पर सम्बन्ध उत्पादन सम्बन्धों के उपयुक्त उदाहरण है। इन्हें साधारणतः दास प्रथा समाज, सामन्ती समाज और पूँजीवादी समाज के रूप में पहचान सकते हैं। मार्क्सवादी अवधारणा के अनुसार सामाजिक सम्बन्धों का आधार भौतिक परिस्थितियों में है।

31. (D) 1950 ई. के बाद विश्व की स्थितियाँ बदलने के कारण उदारवाद के स्वरूप में संशोधन हुआ। दव्तीय विश्वयु) के बाद वि व बैंक और आई.एम.एफ. जैसी संस्थाएँ निर्मित हुई और धीरे–धीरे अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में निजीकरण, उदारीकरण तथा भूमंडलीकरण की आुरूआत हुई। इस समय नकारात्मक उदारवाद की विचारधारा एक बार पुनरू नए रूप में उभरी जिसे स्वेच्छातंत्रवाद कहा गया। इस सिद्धांत के समर्थकों में चार दार्शनिक प्रमुख हैं– आइजिया बर्लिन, एफ.ए. हेयक, मिल्टन, फ्रायडमैन तथा रश्वबर्ट नश्वजिक। इनके सामान्य विचार इस प्रकार हैं–

व्यक्ति को पूर्ण स्वतंत्रता मिलनी चाहिए–धर्म से, समाज से, परंपरा से और परिवार से ताकि वह अपनी नियति स्वयं निर्धारित कर सके।

'मुक्त बाजार प्रणाली' न्यायपूर्ण व्यवस्था स्थापित करने के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यवस्था है। व्यक्ति समाज के लिए कितना योगदान करता है, इसका सटीक मूल्यांकन करके बाजार उसे उतना ही लाभ प्रदान करता है। अतरू वितरणमूलक न्याय प्रदान करने हेतु एकमात्र नि पक्ष प्रणाली बाजार व्यवस्था है।

ये चिंतक सामाजिक न्याय के विरोधी हैं। इनका स्पष्ट कहना है कि जब भी राज्य सामाजिक न्याय का प्रयास करता है, तब राज्य की आक्तियाँ बढ़ने से व्यक्ति की स्वतंत्रता खतरे में पड़ जाती है। फिर जिन व्यक्तियों से कुछ छीनकर अन्य वर्गों को वितरित किया जाता है, उनकी अधिकारिता का भी उल्लंघन होता हैं। जहाँ तक राज्य का प्र न है, ये राज्य को अधिक शक्तियाँ देने के विरोधी है। इनके अनुसार राज्य के मुख्य कार्य हैं– कानून व्यवस्था बनाए रखना।

वे नियम बनाना जो अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में माने जाएंगे तथा यह देखना कि उन नियमों का पालन होता रहे।

जो व्यक्ति मुक्त बाजार प्रतिस्पर्धा में चलने के काबिल न हों, उनके लिए कल्याणकारी उपाय करना।

वे सभी कार्य करना जिन्हें बाजार प्रणाली करने में असमर्थ है।

32. (D) रॉबर्ट नॉजिक ने अपनी चर्चित कृति 'एनार्की, स्टेट एण्ड यूटोपिया' में बताया है कि संरक्षण, न्याय एवं प्रतिरक्षा ही राज्य के कार्य हैं, कल्याणकारी राज्य का कोई औचित्य नहीं है। इनके अनुसार उत्पादन के स्तर पर जो विषमताएँ पैदा होती हैं। वितरण के स्तर पर उनमें परिवर्तन का कोई प्रयास नहीं करना चाहिए।

33. (B) प्राधान्य या स्वायत्त समानता इस मान्यता पर आधारित है कि किसी भी व्यक्ति को लिंग, धर्म, जाति के आधार पर ऊँच–नीच न माना जाये जिसके फलस्वरूप व्यक्तियों के व्यक्तित्व के

विकास के समान अवसर प्राप्त हो सकें और असमानता का अन्त हो जाये। अर्थात् सांस्कृतिक साम्राज्यवाद की स्थापना की जा सके। सांस्कृतिक साम्राज्यवाद की प्रमुख कार्य प्रणाली व्यापार है।

34. (D) पराधीनता सिद्धान्त साम्राज्यवाद के नव –उपनिवेशवाद पर बल देता है। नव–उपनिवेशवाद केवल विकासशील देशों के आर्थिक जीवन को ही प्रभावित नहीं करता, वह यहाँ पश्चिमी राष्ट्रों का सांस्कृतिक प्रभुत्व भी स्थापित करता है। वह इन देशों की शिक्षा संस्थाओं एवं जनसम्पर्क प्रणालियों को नियन्त्रित करके इनके सामाजिक जीवन का विध्वंस भी करता है। यह मानवीय भावनाओं की जगह भौतिक लाभ को मुख्य बनाता है।

35. (C) सारटोरी ने अपनी कृति प्रॉपर्टीज एण्ड पार्टी सिस्टम : ए. फ्रेमवर्क फॉर एनालिसिस के अन्तर्गत बहुदलीय प्रणालियों के विश्लेषण का ढाँचा प्रस्तुत करते हुए दो तरह की बहुलवादी दलीय प्रणालियाँ बताईं–संयत एवं ध्रुवीकृत। जहाँ पार्टी रहित शासन यथास्थिति समर्थक होता है वहीं पार्टी विरोधी शासन पुरातन व्यवस्था की स्थापना करना चाहता है।

36. (A) तिथि के आधार पर विभिन्न आयोगों का गठन इस प्रकार है–

(1) सरकारिया आयोग → जून, 1983

(2) ग्यारहवाँ वित्त आयोग → 3 जुलाई, 1998

(3) द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग → 5 अगस्त, 2005

(4) एमएम पुँछी आयोग → अप्रैल, 2007

37. (C) वर्ष 1992 के 73वें संविधान संशोधन के तहत पंचायतों को संवैधानिक दर्जा दिया गया। भाग–खाद में पंचायती राज्य का वर्णन है। ग्राम स्तर पर प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा सदस्यों का चुनाव होगा। यह अधिनियम पंचायती राज की ग्राम सभा का प्रावधान करता है। इस निकाय में गाँव स्तर पर गठित पंचायत क्षेत्र में निर्वाचक सूची में पंजीकृत व्यक्ति होते हैं। राज्य विधानमण्डल पंचायतों को आवश्यकतानुसार ऐसी शक्तियाँ एवं अधिकार दे सकता है, जिससे कि वह स्वशासन संस्थाओं के रूप में कार्य करने में सक्षम हों। पंचायतों को संवैधानिक स्वायत्तता के सिद्धान्त के आधार पर कार्य करने का अधिकार नहीं दिया गया है।

38. (A) भारतीय संविधान के भाग–स में अनुच्छेद–124 से 147 तक सर्वोच्च न्यायालय के गठन, स्वतन्त्रता, न्यायक्षेत्र, शक्तियाँ, प्रक्रिया इत्यादि का उल्लेख है।

सर्वोच्च न्यायालय की महत्त्वपूर्ण शक्तियाँ इस प्रकार हैं–

1. केन्द्र एवं एक या एक से अधिक राज्यों के बीच विवाद हो।
2. उच्च न्यायालय के विरुद्ध अपील सुनने की शक्ति।
3. किसी भी मामले में न्याय के लिए आदेश पारित करना।
4. विधि से सम्बन्धित मामलों में राष्ट्रपति को सलाह देना (राष्ट्रपति सलाह मानने के लिए बाध्य नहीं)।

39. (B) भारतीय संविधान के अनुच्छेद–(ख) में कहा गया है कि भारत अर्थात् इण्डिया राज्यों का संघ होगा। जनसंख्या के आधार पर राज्य सभा में राज्यों का प्रतिनिधित्व दिया गया है। किसी भी राज्य की सीमाओं में बदलाव के लिए उस राज्य की सहमति आवश्यक नहीं है (अनुच्छेद–3), यह संसद की शक्ति है। यद्यपि भारतीय संविधान संघीय है तथा इसने दोहरी राज्यपद्धति (केन्द्र एवं राज्य) को अपनाया है। अतः भारत में केवल एकल नागरिकता का प्रावधान किया गया है, न कि दोहरी का।

40. (C) भारतीय संविधान के अनुच्छेद–53 के तहत संघ की कार्यपालिका शक्तियाँ राष्ट्रपति में निहित हैं। राष्ट्रपति संघ की रक्षा सेनाओं का प्रमुख होता है, इसलिए सेनाओं का सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति होता है। राष्ट्रपति कार्यपालिका शक्तियों का प्रयोग स्वयं या अपने अधीनस्थों के माध्यम से करेगा।

41. (A) भारत में शिक्षा का अधिकार एक मौलिक अधिकार है। संविधान संशोधन अधिनियम 2002 (86वाँ संशोधन) के तहत शिक्षा के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाया गया था। इसके अन्तर्गत राज्य को 6 से 14 वर्ष के सभी बच्चों को निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध करानी होगी। इसके अलावा एक नए अनुच्छेद–21E को मौलिक अधिकार के तौर पर शामिल किया गया। इसके अलावा शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्रावधान के अन्तर्गत विद्यालयों में कुशल शिक्षकों व बुनियादी अवसंरचनाओं को भी रेखांकित गया गया, साथ ही यह भी निर्धारित किया गया कि आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के आधार पर बिना किसी भेदभाव के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपयुक्त व्यवस्था की जाएगी।

42. (B) यदि किसी विचारधीन कैदी को अनिश्चित अवधि के लिए न्यायिक हिरासत में निरुद्ध किया जाता है, तो इसे अनुच्छेद–21 का अतिक्रमण माना जाता है। ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध बन्दी प्रत्यक्षीकरण रिट दायर कर उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए मजबूर किया जा सकता है। अनुच्छेद–21 प्राण व दैहिक स्वतन्त्रता से सम्बन्धित है। जीवन का आधार एक आधारभूत मानवाधिकार है, जिस पर राज्य युक्तिसंगत प्रतिबन्ध लगा सकता है। अतः राज्य के समक्ष अधिकार के अतिक्रमण की शक्ति प्राप्त है बशर्ते तरीका संवैधानिक हो। अनुच्छेद–21 के अन्तर्गत किसी महिला को जननात्मक चयन करने का अधिकार व्यक्तिगत स्वतन्त्रता एक आयाम नहीं है।

43. (A) अनुच्छेद–26 के अन्तर्गत धार्मिक कार्यों के प्रबन्ध की स्वतन्त्रता के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण अधिकारों का वर्णन किया गया है। इसके तहत प्रत्येक धार्मिक सम्प्रदायों को, चाहे वह लघु हो या वृहद, अपने धर्मविषयक कार्यों का प्रबन्ध करने का उपयुक्त अधिकार प्राप्त होगा।

44. (C) अनुच्छेद–22 के तहत व्यक्तियों की गिरफ्तारी और निवारण निरोध से संरक्षण पाने के सम्बन्ध में निम्न अधिकार प्राप्त है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को गिरफ्तारी के कारणों से तत्काल अवगत कराना।

निरुद्ध किए गए व्यक्ति को अपनी रुचि के विधि सलाहकार से परामर्श करने का अधिकार। गिरफ्तार किए गए तथा अभिरक्षा में विरुद्ध रखे गए प्रत्येक व्यक्ति को उसकी गिरफ्तारी से 24 घण्टे के अन्दर निकटतम मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा न कि एक सप्ताह की अवधि में।

45. (A) भारतीय संविधान की प्रस्तावना पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा बनाए गए और

पेश किए गए संविधान सभा द्वारा अपनाए गए 'उद्देश्य प्रस्ताव' पर आधारित है। इसे 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा संशोधित किया गया है, जिसने इसमें समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखण्डता शब्द समाहित किए।

46. (C) अनुच्छेद–30 के तहत अल्पसंख्यक को (धार्मिक या भाषायी), निम्नलिखित अधिकार प्रदान किए गए हैं–

1. सभी अल्पसंख्यक वर्गों को अपनी रुचि की शिक्षा संस्थाओं की स्थापना एवं प्रशासन का अधिकार होगा।
2. राज्य द्वारा अल्पसंख्यक वर्ग शिक्षा संस्था की किसी सम्पत्ति के अनिवार्य अर्जन के लिए निर्धारित क्षतिपूर्ति रकम से उनके लिए प्रत्याभूत अधिकार निर्बन्धित या निराकृत होंगे। इसे उपबन्ध 1978 के 44वें संशोधन अधिनियम द्वारा जोड़ा गया।
3. राज्य आर्थिक सहायता में अल्पसंख्यकों द्वारा प्रबन्धित संस्थानों में भेदभाव नहीं करेगा।

47. (A) उपराष्ट्रपति के निर्वाचन मण्डल में निर्वाचित एवं मनोनीत दोनों सदस्य भाग लेते हैं, साथ ही इसमें राज्य विधानसभाओं के सदस्य शामिल नहीं होते हैं। उपराष्ट्रपति का पद अमेरिका के संविधान से लिया गया है।

48. (D) राज्य के नीति निदेशक तत्वों का उल्लेख संविधान के भाग–(IV) के अनुच्छेद–36 से 51 तक में किया गया है। संविधान निर्माताओं ने यह विचार वर्ष 1937 में निर्मित आयरलैण्ड के संविधान से लिया है। इसे न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती है। निदेशक तत्व देश के शासन में मूलभूत तत्व हैं या विधि बनाने में इन तत्वों को लागू करना राज्य का कर्तव्य होगा।

49. (A) राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति चुनाव से सम्बन्धित सभी विवादों की जाँच व फैसले सर्वोच्च न्यायालय में होते हैं तथा उच्चतम न्यायालय का फैसला इस सन्दर्भ में अन्तिम होता है।

50. (C) भारत के नियन्त्रक महालेखा परीक्षक को पद से केवल भारत की संसद के दोनों सदनों में सम्बोधन के उपरान्त राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा सकता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद–148 के अन्तर्गत भारत के नियन्त्रक–महालेखा परीक्षक की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। यह संसद द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अन्तर्गत संघ राज्यों के लेखाओं का परीक्षण अर्थात् अंकेक्षण (अनुच्छेद–149) करता है तथा अपने द्वारा सम्पादित लेखा तथा अंकेक्षण से सम्बन्धित विस्तृत रिपोर्ट राष्ट्रपति को प्रस्तुत करता है (अनुच्छेद–151)।

51. (C) भारतीय संविधान को अनुच्छेद–350A के अन्तर्गत प्राथमिक स्तर पर मातृ–भाषा में शिक्षा की सुविधाओं की व्यवस्था करने से सम्बन्धित उपबन्ध किए गए हैं।

52. (C) भारत के संविधान के अनुच्छेद–3 के अनुसार, संसद विधि द्वारा नये राज्यों का निर्माण और वर्तमान राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों में परिवर्तन कर सकती है। अतः उत्तर विकल्प (C) सही है।

53. (A) भारत के संविधान के अनुच्छेद–355 के अधीन संघ का दायित्व है कि वह बाह्य आक्रमण और आन्तरिक अशान्ति से राज्य की रक्षा करें।

54. (D) राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग संगठन में 9 सदस्य होते हैं। इसमें एक अध्यक्ष, जो सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश रह चुका हो एक ऐसा सदस्य है, जो उच्चतम न्यायालय का सदस्य हो अथवा सदस्य रह चुका हो तथा एक सदस्य ऐसा होता है, जो किसी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश हो अथवा रह चुका हो। राष्ट्रीय महिला आयोग, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग तथा राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के।

55. (D) हुमायूँ और बैरम खाँ के नेतृत्व में 22 जून, 1555 को मुगलों और अफगानों के बीच सरहिन्द नामक स्थान पर युद्ध हुआ जिसमें अफगान सेना का **नेतृत्व** सिकन्दर शाह सूर ने किया। अफगान बुरी तरह पराजित हुए और इस प्रकार सरहिन्द की विजय ने हुमायूँ को दिल्ली और आगरा का ताज पुनः प्रदान कर दिया।

56. (D) **पिंडारियों और पठानों के दमन का श्रेय**, गवर्नर जनरल लार्ड हेस्टिंग्स और कर्नल टॉमस हिसलोप को दिया जाता है। पिंडारी मूलतः एक लुटेरों का दल था जिसमें हिन्दू और मुस्लिम दोनों सम्मिलित थे। चीतू, वासिल मुहम्मद, अमीर खां एवं करीम खाँ इनके प्रमुख नेता थे। सैनिक प्रयासों के पश्चात् 1824 तक पिंडारियों का सफाया हो गया।

57. (C) लाला हरदयाल, सोहन सिंह भाकना के प्रयासों से अमेरिका के सेनफ्रांसिस्को में नवम्बर 1913 में 'गदर पार्टी' की स्थापना हुई जिसका उद्देश्य भारत से ब्रिटिश शासन को उखाड़ फेंकना था। अपने उद्देश्यों के प्रचार–प्रसार के लिए गदर पार्टी ने 'गदर' नामक पत्रिका का भी प्रकाशन किया।

58. (C) दिसम्बर 1929 में कांग्रेस का अधिवेशन लाहौर में हुआ जिसकी अध्यक्षता जवाहरलाल नेहरू ने की। इस बीच ब्रिटिश भारतीय सरकार ने नेहरू रिपोर्ट को स्वीकार नहीं किया। कांग्रेस द्वारा निर्धारित एक वर्ष की अवधि समाप्त हो गई। कांग्रेस ने अब 'पूर्ण स्वराज्य' का लक्ष्य अपना लिया और कांग्रेस कमेटी को यह अधिकार दिया कि वह सविनय अवज्ञा आन्दोलन उपयुक्त समय पर आरम्भ कर दे। 26 जनवरी, 1930 को पूर्णस्वतंत्रता दिवस मनाने की घोषणा कर दी गई।

59. (A) (शेरशाह) आधुनिक पटना नगर की स्थापना का श्रेय शेरशाह सूरी को दिया जाता है जहाँ उसने अनेक सराएं व दुर्गों की स्थापना कराई।

60. (C) शाहजहाँ ने वर्तमान दिल्ली में यमुना के किनारे 1639 में शाहजहाँनाबाद नगर की स्थापना की। यहाँ उसने लाल किला का निर्माण करवाया। इसमें रंग महल, दीवाने आम तथा दीवाने खास बहुत प्रसिद्ध इमारतें हैं। इनमें दीवाने खास सबसे अधिक अलंकृत है। लालकिला के सामने ही 1658 में उसने लाल पत्थर की जामा मस्जिद का भी निर्माण करवाया।

61. (C) हीगल के कथनानुसार– युद्ध की स्थिति राज्य के व्यक्तित्व की सर्वशाक्तिमत्ता को प्रकट करती है।

62. (D) निवारक निरोध अनुच्छेद 22 में वर्णित है। इसका तात्पर्य है कि किसी प्रकार के अपराध किए जाने के पूर्व और बिना किसी प्रकार की न्यायिक प्रक्रिया के ही नजरबन्द है। इससे व्यकित की स्वतन्त्रता के अधिकार का उल्लंघन होता है।

63. (B) अब्राहम लिकंन के अनुसार–कुछ मनुष्यों को सदैव के लिए मूर्ख बनाया जा सकता है, लेकिन सभी मनुष्यों को सदैव के लिए मूर्ख नहीं बनाया जा सकता है।

अर्थशास्त्र

2. (C) मेरिट वस्तुएँ ऐसी वस्तुएँ हैं जो इतनी उत्कृष्ट होती हैं कि उनकी व्यवस्था सार्वजनिक वस्तुओं की तरह बजट से

होती है। इन वस्तुओं में शिक्षा, स्वास्थ्य अल्प लागत आवासीय व्यवस्था, मध्यान्ह भोजन योजना आदि।

3. (C) **सूची–I** **सूची–II**

(A) आगत–निर्गत (ii) डब्ल्यू. लियोनतीफ विश्लेषण

(B) व्यापार की (iii) जी. एस. डोरेन्स शर्तें

(C) क्रय की शक्ति (iv) गस्टव कैसल समता सिद्धान्त

(D) तकनीकी (i) अमर्त्य सेन विकास एवं आर्थिक संवृद्धि

4. (C) मुद्रा की माँग इसके विनिमय माध्यम कार्य के कारण होती है अर्थात् यह दूसरी वस्तुओं की माँग के संदर्भ में होती है; अतः इसे व्युत्पन्न माँग कहते हैं।

5. (D) ऋणात्मक सीमान्त उपयोगिता की प्रारम्भिक अवस्था में कुल उपयोगिता धनात्मक होती है। रेखाचित्र में OX उपयोग के बाद ऋणात्मक है जब TU धनात्मक है।

6. (D) बिना–बीमायोग्य अथवा अनिश्चितता जोखिम प्रचलन (फैशन) में परिवर्तन है। इनका बीमा नहीं हो सकता।

7. (D) उदासीनता वक्र एक–दूसरे को नहीं काटते हैं, क्योंकि प्रत्येक उदासीनता वक्र अलग–अलग संतुष्टि स्तर को व्यक्त करते हैं।

8. (D) फ्रीडमैन तथा अन्य आधुनिक मुद्रावादी अर्थशास्त्रियों ने K को राष्ट्रीय आय के उस अनुपात के रूप में पुनः परिभाषित किया है जिसे लोग नकद शेष के रूप में रखने की इच्छा करते हैं। इस वांछित या प्रत्याशित अर्थ में K को परिभाषित करना विनिमय समीकरण को फ्रीडमैन तथा अन्य नवीन मुद्रावादियों द्वारा प्रस्तुत सिद्धान्त के रूप में परिवर्तित कर देता है।

9. (D) सम्पत्ति कर व्यक्ति की वास्तविक कर देय क्षमता की स्थिति को प्रकट करता है; अतः सामाजिक न्याय के सिद्धान्त के आधार पर यह अधिक उपयुक्त है।

10. (B) त्वरण सिद्धान्त का प्रतिपादन 1917 में जे. बी. क्लार्क ने किया। इसको आगे हिक्स, सैम्युलसन, और गुडविन ने व्यापार चक्रों से सम्बद्ध किया।

11. (B) कोई देश अपने व्यापार शेष को अनुकूल करने के लिए अवमूल्यन करता है। जिसमें आयात महँगे और निर्यात सस्ते होते हैं।

12. (D) 'मूल्य विभेद' का अर्थ है–एक एकाधिकारी द्वारा भिन्न–भिन्न कीमतें वसूलना। मूल्य विभेद के लिए आवश्यक शर्त है–

1. दोनों बाजारों में माँग की लोच भिन्न–भिन्न हो।
2. उनमें अंतःसंबंध न हो अन्यथा वस्तुओं के आपसी प्रवाह द्वारा कीमतें समान हो जाएँगी।

13. (D) वस्तुतः मुद्रा अवमूल्यन का उल्लेखनीय प्रभाव तभी दृष्टिगोचर होता है, जबकि आयात एवं निर्यात के मूल्य लोच का योग्य एक से अधिक हो।

14. (A) कम्पनी द्वारा लाभांश का भुगतान एवं कम्पनी द्वारा नई पूंजी सकल राष्ट्रीय आय की गणना में सम्मिलित किया जाता है।

15. (D) समंकों के अपकिरण (बिखराव) के मापन हेतु इटली के सांख्यिकी कौरेडो गिनी ने एक विधि सुझाई। उनके अनुसार यह गुणांक प्रत्येक मूल्य के शेष सभी मूल्यों से अन्तरों का योग ज्ञात कर उसका माध्य मालूम करने पर ज्ञात होता है।

$$\text{गिनी गुणांक } G = \frac{g}{N}$$

जहाँ g = माध्य अंतरों का योग, N = अंतरों की संख्या

$$\text{कुल अंतरों की संख्या} = \frac{1}{2} n (n-1)$$

जहाँ n पदों की संख्या है।

16. (A) जे. एम. कीन्स के अनुसार एक व्यक्ति अपने कार्यों को पूरा करने के लिए अपने पास कुछ नकद मुद्रा रखता है। अब जब वह किसी को अपने इस तरल कोष में से कुछ उधार देता है तो वह तरलता का परित्याग करता है और इस तरलता के परित्याग के बदले जो पारितोषिक प्राप्त करता है, वही ब्याज है।

17. (B) मार्शल के अनुसार, रैखिक माँग फलन पर कीमत की लोच का सूत्र होता है–

$$\text{माँग की लोच} = \frac{\text{नीचे का भाग}}{\text{ऊपर का भाग}}$$

अतः जैसे–जैसे नीचे की ओर जाते हैं माँग की कीमत लोच घटती जाती है।

18. (B) असंतुलित विकास इस आधारभूत मान्यता पर निर्मित है कि इन देशों में पूँजी एवं श्रम की पूर्ति स्थिर है। इसीलिए संतुलित विकास प्रक्रिया जिसके अन्तर्गत सभी क्षेत्रों में साथ–साथ निवेश आवश्यक है, नहीं अपनायी जा सकती।

19. (B) अल्पविकसित देशों में राजकीय नीति आर्थिक विकास की गति को तेज करने में प्रावैगिक कार्य कर सकती है। इस अवधारणा का विकास कीन्स ने किया था।

20. (B) $$MR = AR\left(1-\frac{1}{E}\right)$$

यदि $MR = 0$

तो $$MR = AR\left(1-\frac{1}{E}\right) = 0$$

$$1 = \frac{1}{E}$$

$$\Rightarrow \quad e = 1$$

21. (A) हैरोड एवं डोमर दोनों अर्थशास्त्री आय की उस समृद्धि दर को खोजने में प्रयत्नशील थे, जो एक प्रावैगिक अर्थव्यवस्था को सतत् या वर्ष पर्यन्त संस्थिति पथ पर कायम रख सके।

22. (D) GNP (सकल राष्ट्रीय उत्पाद)= (सकल घरेलू उत्पाद) GDP + विदेशों से शुद्ध साधन आय। जहाँ निर्यात एवं आयात के अंतर को विदेशों से शुद्ध साधन आय कहते हैं।

23. (C) वस्तुतः मिश्रित अर्थव्यवस्था से तात्पर्य ऐसी अर्थव्यवस्था से है जिसमें सरकारी उद्यम एवं निजी उद्यम दोनों कार्यरत् हों। ऐसी अर्थव्यवस्था न तो पूँजीवाद की भाँति पूर्णतया कीमत तंत्र के स्वतंत्र संचालन पर आधारित होती है, न समाजवाद की भाँति पूर्णतया सरकार या शासन नियंत्रित, वरन् इसमें दोनों के तत्व पाए जाते हैं।

24. (C) NNP या निवल राष्ट्रीय उत्पाद को GNP या सकल राष्ट्रीय उत्पाद में से घिसावट व्यय को घटाकर प्राप्त किया जाता है–NNP = GNP- मूल्य ह्रास या घिसावट व्यय।

25. (C) ''पूर्ति अपनी माँग स्वयं उत्पन्न करती है।'' यह विचार जे. वी. से का है। जे. वी. से के अनुसार पूर्ति अपनी माँग स्वयं उत्पन्न करती है जिससे पूर्ति एवं माँग के बीच हमेशा संतुलन रहता है।

26. (B) सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम को गोसेन का प्रथम नियम एवं समसीमांत उपयोगिता नियम को गोसेन का द्वितीय नियम कहते हैं।

27. (A) आर्थिक नीति के तहत् राजकोषीय, मौद्रिक व्यापारिक, औद्योगिक एवं कृषि नीति आते हैं, जबकि बजट राजकोषीय नीति का एक बड़ा यंत्र है।

28. (A) अखिल भारतीय ग्रामीण साख सर्वेक्षण समिति (1952) जिसे ए.डी. गोरवाला समिति के नाम से जाना जाता है। इन्होंने इम्पीरियल बैंक के साथ कुछ

राज्य–संबद्ध बैंकों को मिलाकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की स्थापना की संस्तुति की। 1 जुलाई, 1955 से स्टेट बैंक ने कार्य करना शुरू किया।

29. (C) तरलता मुद्रा का ऐसा गुण है जो उसे मुद्रा के तौर पर प्रयुक्त होने की सुनिश्चितता प्रदान करता है। मुद्रा का जो रूप जितना अधिक तरल होगा उसमें कहीं भी कभी भी विनिमय की उतनी ही अधिक संभावनाएँ निहित होती हैं। स्पष्ट है कि उक्त विकल्पों में मुद्रा में सर्वाधिक तरलता है जिसके द्वारा कभी भी कहीं भी क्रय–विक्रय किया जा सकता है।

30. (A) कीमत नेतृत्व मॉडल में फर्मों के बीच एक गुप्त समझौता होता है कि वे उद्योग के नेता द्वारा नियत की गई कीमत पर अपनी वस्तु बेचेंगी। कभी–कभी एक रस्मी मीटिंग में नेता फर्म के साथ एक समझौता भी हो जाता है यदि वस्तुएँ समरूप हैं तो कोई समान कीमत नियत कर दी जाती है। विभेदीकृत वस्तुओं के सम्बन्ध में भी समान कीमतें हो सकती हैं।

31. (D) भुगतान शेष की गंभीर समस्या को हल करने के लिए ऋण भाग के अन्तर्गत कोष अपने सदस्यों की कर्ज लेने की सीमा को धीरे–धीरे बढ़ाता रहा है अब सदस्य देशों के संसाधनों के कुल निबल प्रयोग में से अपने कोटे के प्रतिशत तक निकाल सकते हैं।

32. (A) जब AC गिरती है तो MC भी गिरती है एवं AC की अपेक्षा दोगुनी गति से।

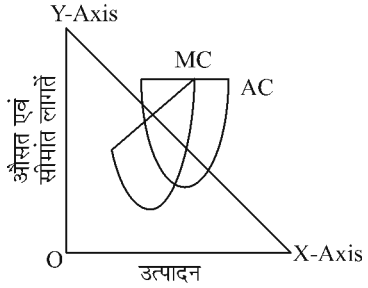

I. उपर्युक्त रेखाचित्र में जब AC गिरती है तो MC, AC से कम है तब तक उत्पादन में वृद्धि के साथ AC गिरती जाएगी।

II. जब AC बढ़ती है तो MC भी बढ़ती है और AC से अधिक होती अतः जब तक MC, AC से अधिक होगी तब तक AC में वृद्धि होगी।

33. (C) हैराड कहता है कि G और GW में संतुलन चाकू धार संतुलन है, क्योंकि जब यह एक बार भंग हो जाती है तो स्वयं संतुलन में नहीं आ पाती, निष्कर्ष यह निकलता है कि सार्वजनिक नीति का एक बड़ा काम यह है कि वह दीर्घ कालीन स्थिरता बनाए रखने के लिए वह G और GW को इकट्ठा रखें।

34. (A) तरलता जाल ब्याज निर्धारण से सम्बन्धित सिद्धान्त है जिसे 'कीन्स' ने विकसित किया है। इस स्थिति में ब्याज दर पूर्णतया न्यून स्तर पर होती है, जिस पर मुद्रा पूर्ति का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

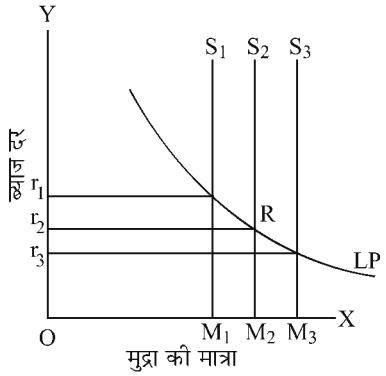

35. (A) अनधिमान वक्र समकोणीय अतिपरवलनय के आकार का होता है एवं ये मूल बिन्दु के प्रति उन्नतोदर होते हैं। मूल बिन्दु के प्रति इनकी उत्तलता का कारण प्रतिस्थापन की ह्रासमान सीमांत दर है। इनका रेखाचित्रीय स्वरूप निम्नवत् है।

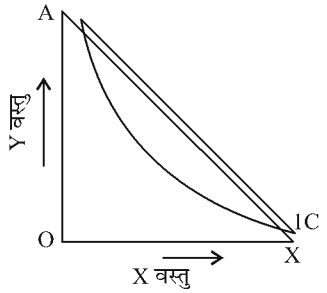

36. (A) एकाधिकारी अपने लाभ को अधिकतम करने के लिए मूल्य विभेद की नीति अपनाता है। मूल्य विभेद तीन प्रकार का होता है–(1) तृतीय कोटि का मूल्य विभेद–इसमें उत्पादक अपनी वस्तुओं का दो मूल्य लेने में सफल हो जाता है। (2) द्वितीय कोटि का मूल्य विभेद–इसमें उत्पादक अपनी वस्तु का दो से अधिक मूल्य लेने में सफल हो जाता है। (3) प्रथम कोटि का मूल्य विभेद–उत्पादक प्रत्येक वस्तु का भिन्न–भिन्न मूल्य लेने में सफल होता है।

37. (D) रेखाचित्र में उत्पादक को OQ मात्रा का उत्पादन करने के लिए OAZQ लागत पड़ती है, जबकि OQ मात्रा के विक्रय से प्राप्त आय OPZQ है। इस पर उत्पादक की बचत = OPZQ-OQZA = APZ

38. (C) अल्पाधिकार में माँग वक्र विकुंचित होता है। इसकी उत्पत्ति चैम्बरलिन के बाजार माँग वक्र और व्यक्तिगत माँग तक के कटान बिन्दु से होती है परन्तु इस अवधारणा को पाल स्वीजी ने विकसित किया। बाद में इसका आनुभविक परीक्षण स्टिगलर के द्वारा किया गया।

39. (D) मजदूरी निर्धारण के लिए मजदूरी कोष सिद्धान्त की व्याख्या सिद्धान्त के रूप में जॉन स्टुअर्ट मिल ने 1948 में अपनी पुस्तक (Principles of Political Economy) में की। इस सिद्धान्त की झलक एडम स्मिथ के विचारों में मिलती है। एडम स्मिथ ने यह कहा कि मजदूरी देने के लिए उत्पादक के पास एक कोष रहता है।

40. (A) सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त का प्रतिपादन जे. बी. क्लार्क ने किया। वैसे सीमान्त उत्पाद' की चर्चा सबसे पहले वान थनेन ने प्राकृतिक मजदूरी निर्धारण में की थी। बाद में जेवन्स विकस्टीड, मार्शल, वालरा आदि ने इस सिद्धान्त के विकास में महत्वपूर्ण योगदान किया।

41. (C) वाइसमैन तथा पीकाक ने विस्थापन परिकल्पना का प्रतिपादन किया जिसके अनुसार सार्वजनिक व्यय में वृद्धि में सबसे प्रमुख बाधक या अवरोधक तत्व सार्वजनिक व्ययों में वृद्धि को पूरा करने के सम्बन्ध में करारोपण की दर में वृद्धि की कठिनाई में निहित है। इन लोगों के अनुसार करारोपण से उत्पन्न भारत की वहन क्षमता के सम्बन्ध में स्पष्ट तथा दृढ़ धारणा होती है जो शक्ति के समय लगभग स्थिर होती है।

42. (C) अन्तर्राष्ट्रीय भुगतानों में पेशबन्दी का आशय अपने को विविध प्रकार के जोखिमों में उत्पन्न हानि से सुरक्षित करना। यह एक व्यवस्था प्रदान करता है जिससे आयातक तथा निर्यातक विदेशी विनिमय दरों में होने वाले उच्चावचनों से उत्पन्न हानियों से अपने को सुरक्षित कर सके।

43. (C) वस्तु सेवा एवं एकपक्षीय अन्तरण को चालू खाते में सम्मिलित किया जाता है जबकि

प्रत्यक्ष निवेश पोर्टफोलियो निवेश और सार्वजनिक ऋण को पूँजी खाता में सम्मिलित किया जाता है।

44. (B) मूल्य का संचय मुद्रा का एक प्रमुख कार्य है जिस वस्तु को मुद्रा के रूप में रखा जाता है वह लम्बी अवधियों तक रखी रहने पर खराब नहीं होती। यही कार्य मुद्रा के वर्तमान को भविष्य से जोड़ती है।

45. (C) रिकार्डो के तुलनात्मक लागत सिद्धान्त में हैक्शर एवं ओहलिन ने संशोधन किया। हैक्शर ओहलिन के अनुसार अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आधार साधन सम्बन्ध में अन्तर है जो देश पूँजी प्रधान होगा। वह पूँजी प्रधान वस्तुओं का निर्यात करेगा, इसके विपरीत श्रम प्रधान देश श्रम प्रधान वस्तुओं का निर्यात करेगा।

46. (B) ग्रामीण अवस्थापना विकास फंड हेतु मुख्य वित्त प्रदान करने वाली संस्था नाबार्ड है। नाबार्ड की स्थापना 17 जुलाई 1982 को की गई थी। ग्रामीण क्षेत्र के लिए ऋण उपलब्ध कराने वाली यह शीर्षस्थ संस्था है। इसके गठन के लिए रिजर्व बैंक के कृषि साख विभाग और कृषि के पुनर्वित्त एवं विकास निगम का विलयन हुआ है।

47. (C) हिक्स और हैरड दोनों के अर्थों में तटस्थ तकनीकी के सन्दर्भ में आवश्यक शर्तें–(1) उत्पादन का नियम स्थिर प्रतिफल पैमाने का होना चाहिए तथा साथ ही साथ उत्पादन के साधनों के बीच प्रतिस्थापन की लोच इकाई होनी चाहिए। ये दोनों ही शर्तें काब–डगलस उत्पादन फलन में पूरी होती हैं।

48. (B) विश्व व्यापार संगठन का मुख्य कार्य यह निश्चित करना है कि वस्तुओं का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, सेवाओं का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, विदेशी निवेश, बौद्धिक सम्पदा अधिकार इत्यादि निश्चित नियमों के आधार पर निश्चित हों। विश्व व्यापार संगठन समझौतों के पालन को सुनिश्चित करेगा तथा सदस्यों के बीच उठने वाले विवादों के लिए एक स्थायी मध्यस्थ की भूमिका अदा करेगा।

49. (A)

सूची–I		सूची–II	
a.	बेन्थम का मानदण्ड	3.	अधिकतम सदस्यों का मानदण्ड अधिकतम हित
b.	गणनावाचक मानदण्ड	1.	आय का समाज के सभी सदस्यों में समान वितरण
c.	पेरेटो अनुकूलतम	4.	किसी एक को बेहतर किए मानदण्ड बिना दूसरे को बेहतर करना संभव नहीं है।
d.	बर्गसन मानदण्ड	2.	सामाजिक कल्याण फलन

50. (D) कच्ची सामग्री के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण कृषि आधारित तथा खनिज आधारित है। चीनी, कपड़ा इत्यादि उद्योग कृषि तथा लोहा, कोयला, पेट्रोलियन आदि उद्योग खनिज आधारित उद्योग हैं। कृषि आधारित प्राथमिक तथा औद्योगिक क्षेत्र द्वितीय क्षेत्र में आते हैं। इसके अतिरिक्त कम पूँजी वाले उद्योगों के विपरीत अधिक पूंजी वाले उद्योग वृहत् उद्योग होते हैं।

51. (A) भारत ने स्वतन्त्र परिवर्तनशील दर व्यवस्था को अपनाया है।

52. (C) विनिमय दर को ऊँचा रखने का अर्थ है अधिमूल्यन और विनियम दर को नीचा रखने का अर्थ है–अवमूल्यन। जब सरकार द्वारा जानबूझकर मुद्रा के मूल्य को ऊँचा रखा जाता है तो इसे अधिमूल्यन कहते हैं तथा जब मुद्रा का मूल्य बाजार की शक्तियों द्वारा ऊँचा रहता है तो इसे विनियम प्रसार कहते हैं।

53. (D) अन्तर्राष्ट्रीय तरलता में वे सभी साधन सम्मिलित किए जाते हैं जिससे अन्तर्राष्ट्रीय भुगतान किए जाते हैं। अन्तर्राष्ट्रीय तरलता में स्वर्ण का भंडार SDR और डॉलर का सम्मिलित किया जाता है।

54. (C)

55. (D)

56. (C)

57. (A) हैराड का समीकरण है–

$$G = \frac{S}{Cr}$$

G = विकास दर

C = बचत

C_G = पूँजी उत्पाद अनुपात

समीकरण से स्पष्ट है कि विकास दर बचत से प्रत्यक्ष रूप से और पूँजी उत्पाद अनुपात से अप्रत्यक्ष रूप से सम्बन्धित है।

58. (A) $G = \frac{S}{Cr}$

$$G = \frac{10}{4} = 2.5$$

चूँकि जनसंख्या में वृद्धि दर 1 प्रतिशत है इसलिए विकास दर 2.5 –1 = 1.5 प्रतिशत।

59. (B)

60. (B) तीसरी अवस्था में जन्म और मृत्यु दरें नीची हो जाती हैं जब किसी देश की औद्योगीकरण और शहरीकरण की प्रक्रिया साथ–साथ चलती हैं तो जन्म दर में कमी आती है। औद्योगीकरण और शहरीकरण के साथ शिक्षा बढ़ती है धार्मिक अन्धविश्वास में कमी आती है और लोग वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाते हैं। परिवार नियोजन के बारे में जानकारी बढ़ती है फलस्वरूप जन्मदर गिरने लगता है।

61. (A) कुल उपयोगिता के अधिकतम स्तर पर सीमान्त उपयोगिता शून्य होती है तथा इस बिन्दु के बाद जब कुल उपयोगिता घटने लगती है तो सीमान्त उपयोगिता ऋणात्मक हो जाती है।

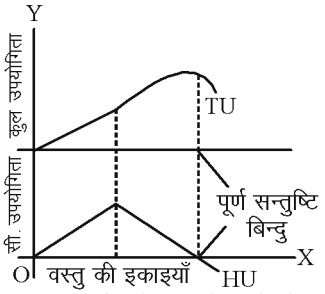

62. (C) तटस्थता विश्लेषण के बारे में यह आलोचना की जाती है कि यह कोई आधारभूत नवीनता लिए हुए नहीं है, पुराने विचारों को केवल नये शब्दों में व्यक्त कर दिया गया है, पुरानी शराब नयी बोतल में भर दी गयी है जैसे–उपयोगिता के स्थान पर अधिमान क्रम, सीमान्त उपयोगिता के स्थान पर प्रतिस्थापन की सीमान्त दर का प्रयोग किया गया है।

63. (C) पूँजीवादी प्रणाली में उपभोक्ता सम्राट होता है क्योंकि वह किसी वस्तु की माँग करके यही उत्पादन का नियमन करता है और माँग घटाकर उत्पादन का नियन्त्रण भी करता है। प्रतियोगिता के कारण उपभोक्ता को सस्ती सुन्दर और पर्याप्त वस्तुएँ उपभोग हेतु पूँजीवाद में उपलब्ध होती है।

●●